

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

पंचायत प्रतिनिधि ग्राम को बनाएं स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी

ग्राम पंचायतों को सशक्त और अधिकार संपन्न बनाने लाई जायेगी ग्राम स्वराज की नई कल्पना – मुख्यमंत्री

— मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायतों को अधिकार संपन्न बनाकर ग्राम स्वराज की नई कल्पना की गई है। इस कल्पना को साकार किया जाएगा। पंचायतों के मार्गदर्शन के लिए राज्य सरकार सदैव सहयोगी रहेगी। जनभागीदारी से विकास का नया उदाहरण प्रस्तुत करें। ग्रामों को समरस, स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी और आदर्श ग्राम बनाएं। 15वें वित्त आयोग की 1472 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी गई है। ग्राम की समस्या ग्राम स्तर पर हल हो, यह अवधारणा क्रियान्वित करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित नवनिर्वाचित सरपंचों के राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पंचायत पदाधिकारियों से कहा कि आप और मैं समान हैं। मैं एक बड़ी पंचायत का सरपंच हूँ और आप छोटी पंचायत के सरपंच हैं। लोकतंत्र में चुनी हुई व्यवस्था ही सबसे ऊपर होती है। त्रि-स्तरीय पंचायतराज व्यवस्था में अधिकारों और कर्तव्यों का सामंजस्य आवश्यक है। पंचायत पदाधिकारी संवाद, समन्वय और संर्पक का उपयोग कर बेहतर कार्य करें। किसी के प्रति कटुता का भाव न हो। सभी अपने हैं। निर्वाचन के बाद दृष्टिकोण व्यापक होना चाहिये। श्री चौहान ने समरस पंचायतों को बढ़ाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, पश्चिम क्षेत्र के शहरी क्षेत्र में स्वच्छता में नंबर वन है। हम अपनी पंचायतों को भी स्वच्छ ग्राम पंचायत बनाने का प्रयास करें। श्री चौहान ने कहा कि ग्राम पंचायत में



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में सरपंचों के राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणाएं

- सरपंचों का मानदेय 1750 रुपये से बढ़ा कर 4250 रुपये प्रतिमाह होगा।
- नया एसओआर (निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की दर सूची) बनेगा। शीघ्र ही यह सूची जारी की जाएगी।
- पंचायतों के सचिवों के रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी।
- ग्राम पंचायत को प्रशासकीय स्वीकृति के अधिकार रुपये 15 लाख से बढ़ा कर 25 लाख रुपये किये जायेंगे।
- प्रत्येक ग्राम पंचायत में रोजगार सहायक की नियुक्ति की जाएगी।

ऐसा स्थान निर्धारित करें जहां अपनी जन्म वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसर पर पौधे लगाएं। माता-पिता की पुण्य-तिथि या दिवंगत परिजन की याद में पौधे जरूर लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम में लोगों को लाने बंटाने का कार्य हो या आवास उपलब्ध कराने का, पंचायत पदाधिकारी इसे प्राथमिकता दें।

श्री चौहान ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखें। आवास निर्माण का कार्य बिना लेन-देन के हो। राज्य सरकार भ्रष्ट व्यक्तियों को क्षमा नहीं करेगी, लेकिन पंचायत पदाधिकारी आवासों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण बने, इस दिशा में सहयोग प्रदान करें। शिक्षा के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्राम

मुख्यमंत्री के संबोधन के प्रमुख बिंदु

- जनता की भागीदारी होगी तो सफलता मिलेगी।
- लोगों तक उनके अधिकार पहुंचाएं।
- पंचायत पदाधिकारी बिना अध्ययन के हस्ताक्षर न करें।
- प्रधानमंत्री श्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प अनुरूप कार्य करें।
- पंचायत पदाधिकारी जन-अपेक्षाओं पर गंभीर और संयमित रहें। किसी भी स्थिति में क्रोधित न हों।
- पंचायत पदाधिकारी दिन और सप्ताह की समय-सारणी बनाकर कार्य करें।

या लॉ कॉलेज में, विद्यार्थी की फीस शासन द्वारा वहन की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री जनसेवा शिविर के माध्यम से अनेक वास्तविक और पात्र हितग्राही सामने आए। प्रदेश में 83 लाख लोगों के नाम विभिन्न योजनाओं में जोड़े गये हैं। आयुष्मान कार्ड के लिए भी बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं। इस योजना में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार निजी अस्पतालों में देने का प्रावधान है। गंभीर रोग से प्रभावित लोगों के लिए मुख्यमंत्री कोष से उपचार सुविधा देने का कार्य भी किया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि यह आवश्यक है कि हमारे परिवार और समाज में बेटीयों के आगमन पर उनका स्वागत हो। सभी कार्यक्रम में मेरे द्वारा यह संदेश दिया जाता है कि बेटी बोझ नहीं बरतना है। बेटीयों के प्रति आदर का भाव हो। हम अपने ग्राम में बेटीयों को सम्मान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामों का मास्टर प्लान बनाएं। अब ग्राम सभा के पदाधिकारी ग्रामों के कार्य का निर्धारण करें।

मुख्यमंत्री पंचायतों को दो रहे हैं ताकत सम्मेलन में मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री मोहन सिंह सिसौदिया ने कहा कि भारत विश्व का पहला देश है जहां पंचायत राज है। मुख्यमंत्री पंचायतों को ताकत देना चाहते हैं। पंचायतों के माध्यम से विकास के कार्य हों, इसके लिए जिम्मेदारियां दी गई हैं। हमारी बहनें शासन से पंचायतों में पदाधिकारी के रूप में आसीन हैं। पंचायतों में महिलाओं के लिए आधे स्थानों पर आरक्षण के फलस्वरूप वे पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य कर रही हैं।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में आए 27 लाख से अधिक आवेदन

भोपाल, मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 के लिए 8 दिसम्बर तक नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन, परिवर्तन के लिए 27 लाख 8 हजार 128 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नए मतदाता बनने के लिए भी युवाओं ने बड़-चढ़ कर आवेदन किया।

प्रदेश में 9 नवम्बर से 8 दिसम्बर तक चले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में फार्म-6 के 17 लाख 40 हजार 918, फार्म-7 के 4 लाख 56 हजार 511 और फार्म-8 के 5 लाख 10 हजार 698 आवेदन आए हैं। प्राप्त आवेदनों का निराकरण 9 से 26 दिसम्बर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 5 जनवरी 2023 को किया जाएगा। संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद भी नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया जारी रहेगी।

अंदर के पृष्ठों पर

- पिछला सप्ताह- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- धर्मा- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्वजा अकारिण करने वाली खबरों की चर्चा
- खेल चर्चा- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- सामयिकी- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अनुगूज कार्यक्रम

मध्यप्रदेश में पचास हजार शिक्षकों की होगी मर्ती - मुख्यमंत्री

भोपाल, विद्यार्थियों की स्वाभाविक प्रतिभा को प्रकट करना शिक्षा का उद्देश्य और शिक्षकों का धर्म है। स्कूल शिक्षा का 'अनुगूज' कार्यक्रम इस उद्देश्य को बखूबी पूरा करता है। यहां पर लगाई गई प्रदर्शनी में बच्चों की कलाकृतियां देखकर मैं अभिभूत हूँ। उनके द्वारा बनाये गये मिट्टी के खिलौने, पेंटिंग्स, फोटोग्राफ्स और अन्य कलाकृतियां अद्भुत हैं। ये बच्चे श्रेष्ठ फोटोग्राफर, कलाकार, वैज्ञानिक, संगीतकार आदि बनेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शासकीय सुभाष उक्तुक विद्यालय में स्कूल शिक्षा विभाग के दो दिवसीय 'अनुगूज' कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा प्रणाली लागू हुई है। हम शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगे। पहले मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में देश में 17वें स्थान पर था, अब 5वें स्थान पर आ गया है। मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों के बच्चे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में वह दिन भी आयेगा जब लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों से निकाल कर सरकारी स्कूलों में डालेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शीघ्र

ही स्कूल शिक्षा एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग में 50 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। इन्हें सम्मानजनक पारिश्रमिक एवं अन्य सुविधाएं दी जायेंगी।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि बच्चे बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं। स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि हम साधारण मानव नहीं, ईश्वर के अंश हैं, अनंत शक्तियों के भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप दिया जा रहा है, साथ ही ऐसे विद्यार्थियों को विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश पर उनकी उच्च शिक्षा की फीस भी सरकार भर रही है। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से कहा कि ये बच्चों को केवल पढ़ाई के लिये ही न कहें, बल्कि उनकी रुचि अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में भी प्रेरित करें।

श्री चौहान ने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि सीहोर जिले के शिक्षक मिलकर एक अनुदा नचाचार कर रहे हैं। उनके द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में स्मार्ट ब्लाॅस बनें। इसके लिये शिक्षक अपने स्तर पर राशि एकत्र कर रहे हैं और ग्रामीणों से भी मदद ले रहे हैं।

का हर बच्चा स्कूल जाए, यह भी देखा है। युनिफॉर्म, मध्याह्न भोजन और शिक्षण शुल्क की व्यवस्थाएं राज्य सरकार कर रही है। जो बच्चे पढ़ने में तेज हैं, चाहे वे किसी भी समाज या जाति के हों उन्हें कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत अंक लाने पर लैपटॉप की सुविधा दी जा रही है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, आईआईटी एवं आईआईएम में प्रवेश हो

राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम उद्देश्यपूर्ण एवं प्रासंगिक हो



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में बैठक को संबोधित करते हुए।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 12 एवं 13 जनवरी को होने वाले युवा संवाद एवं युवा समागम कार्यक्रम को उद्देश्यपूर्ण एवं प्रासंगिक बनाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि 12 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास पर युवा संवाद एवं 13 जनवरी को भोपाल में युवा समागम कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री निवास पर युवा संवाद कार्यक्रम में 380 युवा अचीवर्स को आमंत्रित किया गया है। यंग अचीवर्स संबंधी डिजिटल बुकलेट का प्रकाशन किया जाये। श्री चौहान

ने कहा कि युवा अचीवर्स से दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिले। कार्यक्रम उद्देश्यपूर्ण और प्रासंगिक होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा समागम कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर बुलाए जाएं, जिससे युवा प्रेरणा लेकर अपना भविष्य बेहतर बना सकें और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकें। प्रदर्शनी में नौजवानों की प्रेरणादायी उपलब्धियां प्रदर्शित की जाएं। कार्यक्रम में राज्य युवा नीति घोषित होगी एवं युवा पोर्टल का शुभारंभ होगा। राज्य युवा नीति के लिए सुझाव भी लिए जाएंगे। प्रदेश के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उनकी प्रतिभा को बढाने के लिए राज्य सरकार की कई योजनाएं संचालित हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



3 दिसम्बर

रेलवे मैनेजमेंट सर्विस के लिए आयोजित की जाएगी अलग परीक्षा

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) अगले वर्ष इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस एजाम (आईआरएमएस) का आयोजन करेगा। रेल मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा के लिए भर्ती विशेष रूप से तैयार की गई एक परीक्षा के माध्यम से की जाएगी। यूपीएससी यह परीक्षा वर्ष 2023 में आयोजित करेगा। आईआरएमएस परीक्षा दो हिस्सों में होगी, पहली प्रारंभिक स्कीमिंग की होगी। इसके बाद मुख्य परीक्षा (लिखित) और फिर इंटरव्यू होगा। प्रारंभिक स्कीमिंग के लिए अभ्यर्थियों को सिविल इंजिनियरिंग की प्रारंभिक परीक्षा ही देनी होगी। रेल मंत्रालय ने बताया कि आईआरएमएस परीक्षा के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंजीनियरिंग, कॉमर्स या चार्टर्ड अकाउंटेंसी में डिग्री होनी चाहिए।

● केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्रालय ने भारतीय कंपनियों और स्टार्ट अप के लिए प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) की शुरुआत के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके लिए सरकार की ओर से 120 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। ऐसी कंपनियों जिनका वार्षिक कारोबार दो करोड़ रुपये है, वे इस पीएलआई योजना का लाभ ले सकती हैं। मंत्रालय ने बताया कि यह व्यवस्था सरकार की ओर से आत्मनिर्भर भारत के तहत देश की छोटी और मध्यम कंपनियों के अलावा स्टार्ट अप चलाने वाले व्यवसायियों के लिए की गई है।

4 दिसम्बर

आईटीआई की छह ट्रेनों के लिए डिजिटल वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कोर्स

● केंद्र सरकार ने देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का डिजिटलाइजेशन कर डिजिटल स्किल डेवलपमेंट की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने डिजिटल वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कोर्स तैयार किए हैं। डीजीटी ने बताया कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार किए गए यह पाठ्यक्रम न सिर्फ युवाओं को रोजगार दिलाने में सहायक होंगे, बल्कि उद्योगों के सामने कुशल कामगारों का संकट भी खत्म होगा। डीजीटी ने बताया कि इजिप्टाभर में कुशल कामगारों का संकट बढ़ा है। इस समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार ने कौशल विकास पर मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है। यह कोर्स भारत स्किल्स पोर्टल पर उपलब्ध है।

● भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार ने बताया कि नौसेना में पहली बार महिलाओं को शामिल किया गया है। एडमिरल हरिकुमार ने कहा कि अग्निवीर योजना के तहत नौसेना में 341 महिलाओं की भर्ती हुई है। नौसेना अग्निवीर योजना के तहत अब तक कुल तीन हजार अग्निवीरों की भर्ती कर चुका है। उन्होंने कहा कि अब नौसेना की सभी ब्रांच महिलाओं के लिए खुली रहेंगी। इसके अलावा नौसेना वर्ष 2023 में सभी शाखाओं में महिला अधिकारियों को शामिल करने पर विचार कर रही है।

5 दिसम्बर

कनाडा में वर्क परमिट धारकों के परीजन भी कर सकेंगे काम

● कनाडा की सरकार ने वर्क परमिट पर काम कर रहे विदेशी कामगारों के लिए बड़ा कदम उठाया है। कनाडा के द इमिग्रेशन, रेफ्यूजी एंड सिटीजनशिप मंत्री ने घोषणा की है कि जनवरी 2023 से वर्क परमिटधारकों के जीवन साथी या परिजन भी वर्क परमिट के तहत काम करने के पात्र हो जायेंगे। कनाडा ने यह निर्णय ऐसे समय में लिया है, जब वहां कामगारों की संख्या कम हो गई है। कनाडा में दो लाख से ज्यादा विदेशी नागरिक वर्क परमिट धारक हैं, इनमें भारतीयों की बड़ी तादात है।

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आकाश शस्त्र प्रणाली के सबसे उन्नत संस्करण की तकनीक से संबंधित सभी गोपनीय जानकारी को मिटाइल सिस्टम क्वालिटी एम्प्लायर्स एजेंसी (एमएसक्यूए) को सौंप दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीआरडीओ ने हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में ये जानकारी सौंपते हुए पैकेट में एमएसक्यूए को सौंपी है। ये सारी जानकारी आकाश मिसाइल के उन्नत संस्करण के मॉडल और परीक्षण रिपोर्ट की हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जानकारी के हस्तांतरण को ऐतिहासिक बताते हुए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत को बधाई दी है।

6 दिसम्बर

महाराष्ट्र में अलग से एक दिव्यांग विभाग बनेगा

● महाराष्ट्र में दिव्यांगों के कल्याण के लिए अलग से एक दिव्यांग विभाग बनाया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यह घोषणा की है। इसके लिए एक हजार 143 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की जाएगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने नए विभाग के लिए दो हजार 63 पदों का सृजन किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ऐसा विभाग बनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

● भगवान केदारनाथ का प्रसाद अब सिंगल यूज प्लास्टिक में पैक नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने सिंगल यूज प्लास्टिक की पैकिंग को प्रतिबंधित कर दिया है। प्रसाद की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर करने के साथ ही आकर्षक डिजाइन वाली पैकिंग की जाएगी। प्रसाद जूट के बैग या कपड़े के थैले में दिया जाएगा। साथ ही प्रसाद के पैकेट पर क्यूआर कोड भी होगा।

7 दिसम्बर

चीन में कोविड-19 संबंधी नियमों में डील

● चीन में कोविड-19 संबंधी सख्त नियमों को वापस ले लिया गया है। नए नियमों के मुताबिक कोविड-19 संक्रमित लोग हल्के लक्षण होने पर क्वारंटीन कैंपों की बजाय घरों में आइसोलेट हो सकते हैं। दरअसल, कोविड-19 के सख्त नियमों के खिलाफ चीन में लगातार प्रदर्शन हो रहा था। हाल ही में हुए ऐतिहासिक प्रदर्शनों के एक हफ्ते बाद इन नियमों को वापस ले लिया गया है। अब चीनियों को ज्यादातर जगहों पर जाने के लिए कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट नहीं दिखानी होगी, हालांकि स्कूलों के लिए पीसीआर टेस्ट जरूरी है।

● अफगानिस्तान के वलख प्रांत में एक

तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रही बस में विस्फोट होने से करीब 5 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में 4 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अभी तक विस्फोट के पीछे के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

● संयुक्त राज्य में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राज्य सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा आतंकवाद के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई की विश्वसनीयता तभी मजबूत हो सकती है, जब हम आतंक के गंभीर और अमानवीय कृत्यों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित कर सकें और आतंकवाद को प्रोत्साहित, उसका समर्थन और उसको फंडिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकें। उन्होंने कहा कि एकीकृत दृष्टिकोण और जीरो टॉलरेंस ही इसे हरा सकता है।

8 दिसम्बर

इंस्टाग्राम और फेसबुक वाला फीचर अब वाट्सएप पर भी उपलब्ध

● इंस्टाग्राम और फेसबुक के बाद अब वाट्सएप यूजर भी डिजिटल अवतार फीचर का लुप्त उठा सकते हैं। वाट्सएप के इस नए फीचर से यूजर्स अपने कस्टमाइज्ड डिजिटल अवतार को क्रिएट कर सकते हैं। इसके अलावा वो ऑउटफिट, हैरस्टीले

और फेसिअल फीचर्स को कॉम्बिनेशन को भी चुन कर सकते हैं। यूजर वाट्सएप अवतार को प्रोफाइल फोटो की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसको इस्तेमाल करना बहुत ही सरल है, यह फीचर इस्तेमाल करने के लिए यूजर को स्टीकर ऑप्शन में जाना होगा।

● इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में एक बार फिर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। 17 दिन में यह तीसरी बार है जब यहां भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के अनुसार भूकंप सुबह 7.50 बजे आया, जिसका केंद्र पश्चिम जावा प्रांत के सुकाबुमी जिले से 22 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था, जिसकी गहराई 122 किमी थी। अधिकारी ने बताया कि, इन झटकों में सुनामी लाने की क्षमता नहीं थी। इंडोनेशिया में अक्सर ऐसे झटके आते रहते हैं, इससे पहले भी 21 नवंबर को यहां शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसने कई लोगों की जिंदगी उजाड़ दी।

9 दिसम्बर

वन्य जीवों से जुड़े अपराधों पर नजर लगाएँ अधिक जुमाना

● वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़े करीब 50 वर्ष पुराने कानून में बदलाव से संबंधित विधेयक को राज्यसभा में मंजूरी मिल गई है। लोक सभा में यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। इस विधेयक के पारित

होते ही देश में वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़ा कानून और सख्त हो जायेगा। वन्य जीवों से जुड़े अपराधों पर अब अधिकतम जुर्माना लगाया जायेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण की मुहिम को रफ्तार दी है। उन्होंने कहा कि राज्यों के वन्य जीव बोर्ड को अधिक शक्तिशाली बनाया जायेगा, ताकि वह अपने राज्य में वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़े निर्णय भी ले सकेंगे।

● नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने एमबीबीएस कोर्स के शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिये शेड्यूल जारी किया है। इस शेड्यूल में ध्योरी के साथ प्रैक्टिकल पर फोकस किया गया है। शेड्यूल के अनुसार पूरे कोर्स में 132 सप्ताह तक एमबीबीएस छात्रों को क्लिनिकल पोस्टिंग दी जायेगी। इसके अलावा जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 20-20 सप्ताह की क्लिनिकल पोस्टिंग अनिवार्य की गई है। एनएमसी ने ध्योरी में भी इन्हीं तीनों विषयों में ज्यादा समय देने के निर्देश दिये हैं। शेड्यूल के अनुसार एमबीबीएस के पहले फेज का शैक्षणिक कैलेंडर अब 15 दिसम्बर, 2023 तक खत्म होगा, जो कि 13 महीने का होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



प्रयासKSG
An institute for **MPPSC Examination**
Build Your Own Success Story
MPPSC को प्रारंभिक परीक्षा 2022 के लिये विशेष बैच
इस बार 80 दिनों में 80 पार
80 Days Intensive Online Training Programme
मात्र ₹ **999/-**



2nd Rank (MPPSC)
Rachna Sharma

बैच प्रारंभ:
20 जनवरी '23

Batch Timing:
8:00am - 12:30pm (Hindi)
4:30pm - 9:00pm (English)

BOOK YOUR SEAT NOW!

प्रमुख विशेषताएं

- 20 से अधिक प्रमाणिक, अनुभवी एवं विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन।
- प्रतिदिन 4:30 घंटों की कक्षा जिसमें 3 शिक्षक 3 विषयों का अध्यापन करेंगे।
- प्रतिदिन कक्षा में ही 50 प्रश्नों को हल करवाया जायेगा।
- पूरे 80 दिनों के कार्यक्रम में लगभग 5000 प्रश्न, जिनमें 10 FLT's भी शामिल होंगे।
- नोट्स PDF में उपलब्ध कराये जायेंगे।

Bhopal Branch
Plot No. 43, S-1 & S-3, 2nd Floor, R.R. Arcade,
Zone-II, M.P. Nagar, Bhopal
☎ 7223901339, 9302963679, 0755-4940022

Indore Branch
111-117, 1st Floor, Veda Building,
Bhawar Kuan Square, Indore
☎ 9893739446, 725837474

सम्पादकीय

जनजातीय समाज को सफलता के शिखर पर ले जायेगा पेसा एक्ट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन का अधिकार दिलाने के लिये पेसा एक्ट लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं जनता के बीच जाकर इसे सरल भाषा में समझा रहे हैं। पेसा एक्ट जनजातीय समाज को सफलता के शिखर पर ले जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वंचित वर्ग के कल्याण और समावेशी समाज बनाने के लिये सराहनीय प्रयास हो रहे हैं। राज्य सरकार जनजातीय समाज को सफल सेल जैसी बीमारी से बचाने के लिये भी सराहनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री इस सबके लिये बधाई के पात्र हैं। जनजातीय नायकों ने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ भीषण संघर्ष किया। टंट्या मामा भील के बलिदान दिवस पर मैं सभी को नमन करता हूँ। राज्यपाल और मुख्यमंत्री इंदौर में क्रांतिसूर्य जननायक टंट्या मामा भील बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रांतिसूर्य जननायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति का शंखनाद है। मध्यप्रदेश की धरती पर जनजातीय कल्याण के संकल्प को पूरा भी किया जा रहा है। प्रदेश के 84 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा एक्ट लागू किया जा चुका है, जो जनजातीय समुदाय को जल, जंगल और जमीन का हक प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पेसा एक्ट समझाने वाला मास्टर ट्रेनर हूँ। आप सबको ट्रेड करने आया हूँ, जिससे हमारे जनजातीय भाई-बहन अपने अधिकारों को समझें और अपना एवं अपने गांव को समृद्ध कर आत्मनिर्भर बनायें। प्रदेश में मास्टर ट्रेनर्स बनाकर प्रशिक्षण देने का काम चल रहा है। प्रत्येक विकासखंड में 15-15 कोऑर्डिनेटर बनाये जायेंगे। पेसा एक्ट के माध्यम से जनजातीय वर्ग की जिंदगी बदलने का काम करना है। यह महाअभियान है। मुख्यमंत्री ने इसमें सभी को साथ मिलकर चलने का संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई लोग जनजातीय समाज की बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़पने का षड्यंत्र करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करेगी और गड़बड़ी करने वालों को छोड़ेगी नहीं। बेदमान सावधान हो जायें, जगह-जगह पर छापामार कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट में गरीबों के लिये माइक्रो फाइनेंस लायेंगे, जिसमें गरीबों को 5 हजार रुपये का ब्याज ऋण मुक्त दिया जायेगा। रोजगार एवं स्व-रोजगार के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर उत्पन्न करवाये जायेंगे। आने वाले समय में मध्यप्रदेश से जलायन को शून्य करेंगे, जिससे ग्रामीणों को रोजगार के लिये कहीं बाहर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा एक्ट में हर गांव में समितियां बनेंगी। इन समितियों में एक तिहाई सदस्य महिला होंगी। ग्रामसभाओं को अपने ग्राम की जल, जंगल और जमीन के उपयोग का पूर्ण अधिकार होगा। पेसा एक्ट छल-कपट से छिनी गयी जमीन पर जनजातीय समाज को दोबारा अधिकार दिलवायेगा। गांवों की रेत मिट्टी, पत्थर पर पहला हक जनजातीय सहकारी समितियों का होगा।

बच्चों में उच्च रक्तचाप बढ़ा रहा है वायु प्रदूषण

आज शहरों में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। इसका शिकार शहर में रहने वाला हर शख्स होता है। ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण से बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चौंकाने वाले दावे किये हैं। किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने बताया कि वायु प्रदूषण के चलते बच्चे उच्च रक्तचाप से पीड़ित हो रहे हैं, खासकर जिन बच्चों का वजन अधिक होता है। बच्चों में दिल का दौरा पड़ने और स्ट्रोक आने का खतरा भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बच्चों को शांत सड़कों के जरिये स्कूल से घर जाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जहां ज्यादा गाड़ियों का आना-जाना न हो। वहीं स्कूलों और खेल के मैदानों में प्रदूषण अवशोषित करने वाले पेड़ बड़ी संख्या में लगाये जाना चाहिये। शोधकर्ताओं ने 8 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिसमें 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के करीब 15,000 बच्चे शामिल थे। शोध के अनुसार कार से निकलने वाले धुंए में पाये जाने वाले 2.5 से 10 पीएम वाले सूक्ष्म कणों के संपर्क में आने पर बच्चों पर रक्तचाप अधिक पाया गया। वायु प्रदूषण के कारण इन बच्चों के वयस्क होने पर उच्च रक्तचाप का जोखिम अधिक होगा, वहीं दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ सकता है। शोध के मुताबिक, उच्च स्तर के वायु प्रदूषण के सम्पर्क में आने पर सामान्य वजन वाले बच्चों की तुलना में अधिक वजन वाले और मोटे बच्चों का रक्तचाप करीब दोगुना हो गया था। शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि वायु प्रदूषण के कण नाक के जरिये शरीर में पहुँचकर बच्चों के रक्त में मिल रहे हैं, जिससे रक्त वाहिकाओं की परत को नुकसान पहुँचा रहा है। यह रक्त वाहिकाओं को सख्त बना रहा है, इसलिये हृदय को उनके माध्यम से रक्त को बल देने के लिये तेजी से पंप करने की जरूरत होती है, जिससे रक्तचाप बढ़ता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 3 दिसम्बर

दिव्यांगजन के प्रति मानसिकता बदलें



दिव्यांगजन के प्रति लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने के साथ ही प्रत्येक दिव्यांगजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिये प्रतिवर्ष 03 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र की आमसभा द्वारा वर्ष 1981 को विश्व विकलांग (दिव्यांगजन) वर्ष घोषित किया था। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर दिव्यांगजन के समग्र कल्याण और उनके सामाजिक और आर्थिक पुनर्वास के लिये प्रचार और बराबरी के मौकों पर जोर देने के लिए एक योजना बनाई गई थी। इस योजना के मंतव्य को प्रसारित करने और दिव्यांगजन के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिये ही संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिवर्ष 03 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग (दिव्यांगजन) दिवस के रूप में मनाने की स्वीकृति प्रदान की थी। एक दिवस के तौर पर इस आयोजन की औपचारिक शुरुआत वर्ष 1992 से हुई थी। दिव्यांगजन के सशक्तिकरण के लिए मनाए जाने वाले इस दिन को दुनियाभर में काफी उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन कई स्थानों पर दिव्यांगजन द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स या अन्य चीजों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। साथ ही अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए दिव्यांगजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया जाता है। हर साल विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से खास कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। दरअसल वर्ष 2030 तक संयुक्त राष्ट्र ने एक एजेंडा तैयार किया है जिसका मकसद है कि इस दौर में कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे फिर वो चाहे दिव्यांग ही क्यों न हो, इसलिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस दिन खास कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

भारत में निःशक्तजन को दी गई दिव्यांगजन की संज्ञा

अशक्तजन के अधिकारों के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास एवं पुनर्वास, राजनीतिक जीवन में सहभागिता और समानता तथा भेदभाव रहित व्यवहार जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करते हुए वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा - 'अशक्तजन के अधिकारों पर अविश्वसनीय' (कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ पर्सन विथ डिसेबिलिटी) स्वीकार किया गया।

भारत ने इस अभिसमय पर वर्ष 2007 में हस्ताक्षर किये तथा इसकी पुष्टि भी की। अशक्तजन के प्रति प्रेम-भाव और आदर बढ़ाने के लिये भारत में इन 'दिव्यांग' की संज्ञा दी गई। यहां चालीस प्रतिशत या उससे अधिक अशक्तता वाले लोगों को दिव्यांग की श्रेणी में गिना जाता है। विकलांग व्यक्तियों के लिये सर्वोपयोगी पहुँच प्रदान करने के लिये सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के विकलांगजन सशक्तीकरण विभाग ने 'सुगम्य भारत' नामक एक देशव्यापी अभियान की शुरुआत की है। दिव्यांगजन को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने तथा उनके कौशल को पोषण देने एवं उनकी सुगमता और अधिकारों की सुरक्षा के लक्ष्य पर आधारित दिव्यांगजन अधिकार विधेयक-2016 पारित किया जा चुका है। इस विधेयक की मुख्य विशेषता विकलांगता की श्रेणियों को सात से बढ़ाकर इक्कीस किया गया है। इसमें एडिड पीड़ितों को भी शामिल किया जाना उल्लेखनीय है।

कौशल विकास के लिये भारत में दिव्यांगजन को मिलती है सहायता

विश्व के अनेक देशों के समान भारत में भी दिव्यांगजन के प्रति दया भाव प्रकट करने वाले प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं मगर यह एक गलत प्रवृत्ति है जिससे दिव्यांगजन में हीन भावना पैदा होती है। प्रायः दिव्यांगजन को अपने परिवार पर

आश्रित रहना पड़ता है। दिव्यांगजन के लिए क्षमतानुसार कौशल प्रशिक्षण योजनाएं होने के बावजूद जागरूकता के अभाव में दिव्यांग आबादी का एक बड़ा हिस्सा ताऊ बरोज़गार रह जाता है। अगर उन्हें शिक्षित कर सृजनात्मक कार्यों की ओर मोड़ा जाये तो वे भी राष्ट्रीय सम्पत्ति की वृद्धि में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। इस तरह स्वावलम्बी होने से वे अपने परिवार या आश्रितों पर बोझ नहीं बनेंगे और धीरे-धीरे वह उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम भी बढ़ायेंगे। भारत के प्रधानमंत्री ने भी दिव्यांगजन को लक्ष्य बनाकर उनके लिए राष्ट्रीय कौशल नीति पेश की है। इससे पहले भी वीनय्याल दिव्यांगजन पुनर्वास योजना आंशिक रूप से प्रचलन में थी, जिसके तहत दिव्यांगजन के कौशल उत्थान हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र परियोजनाओं को वित्तीय सहायता (परियोजना लागत की नब्बे प्रतिशत तक) प्रदान की जाती है। यह कौशल उत्थान योजना इसलिये है ताकि ऐसे व्यक्ति आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे आ सकें। यह फल सराहनीय है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अन्तर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने भी दिव्यांगजन राष्ट्रीय कार्य योजना और सुगम्य भारत अभियान के माध्यम से एक बेहतर माहौल बनाने की कोशिश की है।

दिव्यांगजन की क्षमता के प्रति ध्यानकर्षण जरूरी है

विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य दिव्यांगजन की क्षमता के मुद्दे के प्रति लोगों की जागरूकता और समझ को बढ़ाना भी है। समाज में उनके आत्म-सम्मान, लोक-कल्याण और सुरक्षा की प्राप्ति के लिये दिव्यांगजन की सहायता करना और दिव्यांगजन के जीवन के सभी पहलुओं और सभी मुद्दों के बारे में जनसाधारण को अवगत करवाना भी इस विशेष दिन के आयोजन का लक्ष्य है इस दिन इस बात का विश्लेषण भी किया जाता है कि सरकारी संगठन द्वारा दिव्यांगजन को 'विश्व की सबसे बड़े अल्पसंख्यकों' के तहत आते हैं उनके लिये उचित संसाधनों और अधिकारों की बेर सारी बाधाओं को दूर किया जा रहा है या नहीं? विश्व दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगजन की सहायता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता को बढ़ाने के साथ ही दिव्यांगजन की कठिनाईयों की ओर लोगों का ध्यान खींचने के लिये इस दिन अहम कदम उठाये जाते हैं। समाज में उनकी सेहत, आत्मसम्मान और अधिकारों के संरक्षण के लिए और उनकी सहायता दोनों के लिये समाज की एक साथ सक्रियता भी जरूरी है। दिव्यांगजन के कल्याण के मुद्दे की ओर पूरे विश्वभर की समझ को सुधारने के लिये इस दिन कारगर कदम उठाए जाते हैं। इस आयोजन का एक बड़ा उद्देश्य यह भी है कि समाज और जीवन के हर पहलू में सभी दिव्यांगजन को शामिल करने के लिये और राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में दिव्यांगजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास भी होना चाहिये।

दिव्यांगजन - डिजैबल्ड नहीं डिफरेंटली एबल हैं

दिव्यांगजन को वस्तुतः मानसिक सहयोग की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। परिवार और समाज से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें आगे बढ़ने को प्रेरित

करें। शारीरिक व्यथियां से जूझ रहे लोगों को इसीलिये - 'डिजैबल्ड' न कहकर - 'डिफरेंटली एबल' कहना ज्यादा अच्छा होगा। वे निःशक्त नहीं खुपी हुई अन्य शक्ति से युक्त हैं।

प्रायः यह कहा जाता है कि एक दिव्यांगजन जो देख या सुन नहीं सकते उनका मस्तिष्क बेहद सक्रिय होता है। उन्हें अगर उनकी वास्तविक शक्ति का अहसास दिलाया जाये तो उनके साधारण से कुछ खास बनने में देर नहीं लगती है। हमारे सामने वैज्ञानिक व खगोलविद स्टीफन हॉकिंग, भारतीय पैराऑलिंपियन देवेंद्र झांझरिया, धावक ऑकर पिटोरीयस, महादूत लेंडिका हेलेन केनर जैसे लोगों की लंबी फेहरिस्त है, जिन्होंने दिव्यांगता को कमजोरी नहीं समझा, बल्कि चुनौती के रूप में लिया और आज हम उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें हाम करते हैं। यदि समाज में सहयोग का वातावरण बने, लोग किसी दूसरे की शारीरिक कमजोरी का मजाक न उड़ाएं, तो आगे आने वाले दिनों में हमें सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से स्थानीय स्तर तक होते हैं कार्यक्रम

इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विशेष भाषण सभा का आयोजन किया जाता है, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधि, संस्था अध्यक्ष, राष्ट्रीय और राजकीय कानून निर्माता हिस्सा लेते हैं ताकि इस विशेष दिन दिव्यांगजन (विकलांगों) के विकास और समाजगत के विषय को लेकर चर्चा हो सके। भारत में भी इस दिन विशेष तैयारियां की जाती हैं। कई सरकारी और गैर सरकारी संगठन इस दिन विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। जिनमें लोगों को समाज में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और उनके साथ होने वाले भेदभाव के विषय में समझाया जाता है। इसी तरह विद्यालयों में भी इस दिन भाषण तथा वाद-विवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ताकि बच्चे बचपन से ही दिव्यांग व्यक्तियों के दुःख-दर्द और समाज में उनसे होने वाले भेदभाव को समझ सकें।

इस वर्ष की इस दिवस की थीम समावेशी विकास से जुड़ी है

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस का आयोजन 03 दिसंबर, 2022 को किया गया। वर्ष 2022 के लिए विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस की थीम 'समावेशी विकास हेतु परिवर्तनकारी समाधान' रखी गयी थी। इसके माध्यम से अन्वेषण के उपयोग द्वारा विकलांगजन के जीवन को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और सभी सदस्य राष्ट्रों में इस दिन समावेशी विकास में दिव्यांगजन की उस सम्भावना की पहचान की गई, जिससे दिव्यांगजन विकास की मुख्य धारा में जुड़ सकें। इस बार विषय विशेषज्ञों ने दिव्यांगजन के प्रति आमजन के व्यवहार पर विमर्श किया और दिव्यांगजन को हीनभावन से बचाने में समाज की भूमिका की पहचान की। शिक्षा के मामलों में दिव्यांगजन खास तौर पर मानसिक रूप से अविकसित बच्चों की शिक्षा पर गहन विमर्श किया गया और शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों को भी सामान्य बच्चों के साथ ही स्कूलों पर पढ़ाने की नीति का अनुसमर्थन किया गया। रोजगार के अवसर में दिव्यांगजन के आरक्षण का भी विषय विशेषज्ञों ने अनुसमर्थन किया साथ ही कुछ मेधावी दिव्यांगजन के प्रतियोगी परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन पर प्रसन्नता भी व्यक्त की।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021

परीक्षा दिनांक 03.07.2022 (रविवार)

अतिरिक्त परीक्षा परिणाम

विज्ञापन क्रमांक - 10452/21/2022/अनु.-10 इन्दौर, दिनांक : 30.11.2022
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर द्वारा राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

- [01] विज्ञापन क्रमांक - 16/2021/30.12.2021 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 01.03.2022।
[A] विज्ञापन क्रमांक 16/2020, दिनांक 30.12.2021 (संक्षिप्त विज्ञापन में टंकण त्रुटि सुधार दिनांक 24.02.2022)।
[B] शुद्धि पत्र क्रमांक 01/16/2021, दिनांक 30.03.2022 (नवीन पद संयोजन, ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने तथा परीक्षा आयोजन की सूचना के संबंध में)।
[C] शुद्धि पत्र क्रमांक 02/16/2021, दिनांक 04.04.2022 (राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021, विद्युत इंजीनियरिंग की पात्रता श्रेणी के संबंध में सूचना)।
[D] सूचना पत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 13.04.2022 (परीक्षा आयोजन की सूचना)।
[E] शुद्धि पत्र क्रमांक 03/16/2021, दिनांक 07.05.2022 (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु अधिकतम आय सीमा में वृद्धि एवं ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना)।
[F] विज्ञापन क्रमांक 1559/पेड/2022/प.नि., दिनांक 12.05.2022 (परीक्षा आयोजन के संबंध में सूचना)।
[G] सूचना पत्र क्रमांक 04/16/2021 एवं 01.01.2022, दिनांक 18.04.2022 (परीक्षा स्थगन की सूचना)।
[H] सूचना पत्र क्रमांक 05/16/2021, दिनांक 20.05.2022 (परीक्षा स्थगन तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना)।
[I] शुद्धि पत्र क्रमांक 06/16/2021, दिनांक 24.05.2022 (परीक्षा आयोजन की सूचना)।
[J] विज्ञापन क्रमांक 4030/पेड/2022/प.नि., दिनांक 27.06.2022।
02 उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 प्रदेश के 04 जिला मुख्यालयों, इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर के केंद्रों पर दिनांक 03.07.2022 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे तक आयोजित की गई थी।
03 पूर्व में दिनांक 04.11.2022 को घोषित परीक्षा परिणाम में तकनीकी त्रुटिस्थ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के साक्षात्कार हेतु वंचित अभ्यर्थियों हेतु यह अतिरिक्त परीक्षा परिणाम घोषित किया जा रहा है। अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या निम्नानुसार है :-

सहायक यंत्री सिविल (CIVIL ENGG.)

मुख्य भाग-अ

श्रेणी	कुल विज्ञापित पद	03 गुना + समान अंक पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या	अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में प्राप्त नए अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	41	156	12

- 04 राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021, सहायक यंत्री सिविल के अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ के लिए प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए कुल-12 आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION STATE ENGINEERING SERVICE EXAMINATION 2021 PART A (MAIN) ADDITIONAL ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

CIVIL

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	104130	4.	*111959	7.	*116104	10.	120264
2.	*110625	5.	113896	8.	118068	11.	*121867
3.	111585	6.	115939	9.	119395	12.	*122380

*** Denotes Candidates qualified earlier in Provisional result, but now added to Main result

- 05 पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम के अनुक्रम में सहायक यंत्री सिविल हेतु मुख्य भाग-अ में अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के कुल सात अर्ह अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक निम्नानुसार हैं :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION STATE ENGINEERING SERVICE EXAMINATION 2021 PART A (MAIN) ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES DISQUALIFIED

CIVIL

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	103241	3.	104210	5.	107017	7.	110166
2.	104180	4.	105508	6.	108619		

सहायक यंत्री सिविल (CIVIL ENGG.)

प्रावधिक भाग-ब

श्रेणी	03 गुना + समान अंक पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या	अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या
अनारक्षित	213	3

- 06 राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021, सहायक यंत्री सिविल के अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में प्रावधिक भाग-ब के लिए प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए कुल-3 आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION STATE ENGINEERING SERVICE EXAMINATION 2021 PART B (PROVISIONAL) ADDITIONAL ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

CIVIL

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	110628	2.	114976	3.	117032

सहायक यंत्री विद्युत (ELECTRICAL ENGG.)

मुख्य भाग-अ

श्रेणी	कुल विज्ञापित पद	03 गुना + समान अंक पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या	अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में प्राप्त नए अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	3	11	2

- 07 राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021, सहायक यंत्री विद्युत के अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में मुख्य

भाग-अ के लिए प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए कुल-2 आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION STATE ENGINEERING SERVICE EXAMINATION 2021 PART A (MAIN) ADDITIONAL ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

ELECTRICAL

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	124182	2.	125494

- 08 पूर्व में घोषित परीक्षा परिणाम के अनुक्रम में सहायक यंत्री विद्युत हेतु मुख्य भाग-अ में अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के कुल दो अर्ह अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक निम्नानुसार हैं :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION STATE ENGINEERING SERVICE EXAMINATION 2021 PART A (MAIN) ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES DISQUALIFIED

ELECTRICAL

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	124579	2.	135164

अभिलेख प्रेषित करने हेतु निर्देश :-

- उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।
- उपस्थिति पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
- व्यक्तिगत विवरण-01 मूल प्रति व 5-छायाप्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
- अनुप्रमाणन-फॉर्म 03 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
- शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)
- घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा में विवर्जित होने संबंधी-01 मूल प्रति) (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाले घोषणा पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
- हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा की अंकसूची।
- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय (सिविल/विद्युत/यांत्रिकी) अभियांत्रिकी में उपाधि (डिग्री) की समस्त अंकसूचियाँ एवं उपाधि की प्रति।
- मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की प्रति (प्रमाण पत्र में गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख आवश्यक है।)
- आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मध्यप्रदेश शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने का दिनांक गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (केंद्र शासन की सेवाओं हेतु मान्य जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। मध्यप्रदेश शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे।)
- ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की पात्रता रखने वाले आवेदक ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।
- मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में मध्यप्रदेश राजगार कार्यालय के जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति।
- महिला आवेदकों हेतु विवाहप्राप्त/उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति।
- दिव्यांगजन होने की स्थिति में दिव्यांगता विषयक मेडिकल बोर्ड का वैधता प्रमाण पत्र जिसमें दिव्यांगता के प्रकार एवं दिव्यांगता के प्रतिशत का स्पष्ट उल्लेख हो। (इस प्रमाण पत्र की वैधता अवधि समाप्त न हुई हो।)
- भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण पत्र की प्रति।
- शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। (अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न हुआ हो, तो विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।)
- अन्य कोई प्रमाण पत्र (यदि हो, जिसका ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख हो की छायाप्रति।)

- 09 उपरोक्तानुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर दिनांक 30.12.2022 तक आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन आवेदकों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारीयों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही आवेदक को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी। पूर्व में जिन आवेदकों द्वारा अभिलेख भेजे जा चुके हैं उन्हें पुनः अभिलेख भेजने की आवश्यकता नहीं है। साक्षात्कार हेतु नए अर्ह अभ्यर्थियों को ही अभिलेख प्रेषित किए जाने हैं।

महत्वपूर्ण टीप :-

- सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक है। अभ्यर्थी यदि राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं, तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
- आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
- महिला आरक्षण में आरक्षित वर्ग की वे महिला अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
- यदि राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी। साक्षात्कार की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर जारी कर दी जाएगी।
- न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधधीन रहेगा।
- ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में वादी गई वॉशित औपचारिकताएँ पूर्ण न करने के परिणामस्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
- साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह प्रत्याशियों की सूची आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।
- लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई भी तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है, जो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
- उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं संबंधित अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधधीन रहेगा।
- आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 30.12.2022 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-
प्रति,
सचिव
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसिडेंसी एरिया, इंदौर (म.प्र.)-452001

लिफाफे पर राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।
जी-20014/47853/2022
उप परीक्षा नियंत्रक

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग इंदौर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक - 11/व.ले.लि./सेतु/2022-23 इंदौर, दिनांक : 30.11.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

क. एवं कार्य का नाम :- 1. बड़वानी जिले के अंतर्गत दूधखेड़ा से चरला मार्ग में ऑगल नदी पर पट्टुच मार्ग सहित जलमग्निय पुल का निर्माण कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
---------------	------	-----------------	-----------------	--------------------------------------	---

2022_PWDRB_235328 बड़वानी पुल कार्य प्रथम 396.39 केवल ऑनलाइन

क. एवं कार्य का नाम :- 2. अलीराजपुर जिले के अंतर्गत अडवाडा से खुटजा मार्ग में हथनी नदी पर पट्टुच मार्ग सहित उच्चस्तरिय पुल का निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_235329 अलीराजपुर पुल कार्य प्रथम 379.14 केवल ऑनलाइन

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 20.12.2022 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-20042/47854/2022 लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग इंदौर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, जबलपुर संभाग-जबलपुर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्र.-10/2022-23/698 भोपाल, दिनांक : 29.11.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-जबलपुर की ओर से जिला जबलपुर कटनी, मण्डला, डिण्डौरी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मण्डला एवं सिवनी में निर्माण कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 लिफाफा पद्धति एवं 02 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परस्टेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्थाओं की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2022_DHS_234959	जबलपुर	पाटन, पनागर एवं शाहपुरा	07	307.16
2.	2022_DHS_234960	कटनी	बडवारा, बहोरीबंद एवं डीमरखेड़ा	06	263.28
3.	2022_DHS_234961	कटनी	कटनी एवं विजयराघोगढ़	05	219.40
4.	2022_DHS_234962	बालाघाट	बालाघाट एवं वैहर	03	131.64
5.	2022_DHS_234964	बालाघाट	कटंगी	03	131.64
6.	2022_DHS_234965	बालाघाट	लांजी	03	131.64
7.	2022_DHS_234966	बालाघाट	परसवाडा	03	131.64
8.	2022_DHS_234967	डिण्डौरी	बजाग	01	43.88
9.	2022_DHS_234968	डिण्डौरी	करंजिया	01	43.88
10.	2022_DHS_234969	डिण्डौरी	समनापुर	01	43.88
11.	2022_DHS_234970	डिण्डौरी	डिण्डौरी	01	43.88
12.	2022_DHS_234971	डिण्डौरी	डिण्डौरी	01	43.88
13.	2022_DHS_234972	डिण्डौरी	मेहदवानी	01	43.88
14.	2022_DHS_234973	डिण्डौरी	मेहदवानी	01	43.88
15.	2022_DHS_234974	डिण्डौरी	समनापुर	01	43.88
16.	2022_DHS_234975	डिण्डौरी	समनापुर	01	43.88
17.	2022_DHS_234976	सिवनी	छापरा	01	43.88
18.	2022_DHS_234977	सिवनी	छापरा	01	43.88
19.	2022_DHS_234978	सिवनी	चरघाट	01	43.88
20.	2022_DHS_234979	सिवनी	कुरई	01	43.88
21.	2022_DHS_234980	सिवनी	घंसीर	01	43.88
22.	2022_DHS_234981	सिवनी	लखनादोन	02	87.75
23.	2022_DHS_234982	नरसिंहपुर	बाबई चिचली	02	87.75
24.	2022_DHS_234983	नरसिंहपुर	गोटगांव	02	87.75
25.	2022_DHS_234984	नरसिंहपुर	साईखेडा	02	87.75
26.	2022_DHS_234986	नरसिंहपुर	बाबई चिचली	01	43.88
27.	2022_DHS_234987	नरसिंहपुर	गोटगांव	01	43.88
28.	2022_DHS_234988	नरसिंहपुर	साईखेडा	01	43.88
29.	2022_DHS_234989	मण्डला	नैनपुर	01	43.88
30.	2022_DHS_234990	मण्डला	मण्डला	01	43.88
31.	2022_DHS_234991	मण्डला	विधिघा	01	43.88
32.	2022_DHS_234992	मण्डला	मोहगांव	01	43.88
33.	2022_DHS_234993	मण्डला	मोहगांव	01	43.88
34.	2022_DHS_234994	मण्डला	मोहगांव	01	43.88
35.	2022_DHS_234995	मण्डला	मवई	01	43.88
36.	2022_DHS_234996	मण्डला	मवई	01	43.88
37.	2022_DHS_234997	मण्डला	नारायणगंज	01	43.88
38.	2022_DHS_234998	मण्डला	नारायणगंज	01	43.88
39.	2022_DHS_234999	मण्डला	नारायणगंज	01	43.88
40.	2022_DHS_235000	मण्डला	नारायणगंज	01	43.88

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-1
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर उपलब्ध है -

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल स्थित मल्टीपरपज हॉल क्रमांक-1 में रिनोवेशन का कार्य।

टेण्डर नं.	निविदा क्र. एवं दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मुख्य	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन विक्रय, डाउनलोड एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
2022_CPA_235138	61/SAC dt. 29.11.22	Rs. 459.95	Rs. 459950/-	Rs. 15000/-	12.12.22

2. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल स्थित मल्टीपरपज हॉल क्रमांक-2 में रिनोवेशन का कार्य।

2022_CPA_235158	62/SAC dt. 29.11.22	Rs. 393.25	Rs. 393250/-	Rs. 15000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

3. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल स्थित गेस्ट फेकल्टी भवन एवं तकनीकी भवन में रिनोवेशन एवं उपयनीकरण का कार्य।

2022_CPA_235163	63/SAC dt. 29.11.22	Rs. 305.03	Rs. 305003/-	Rs. 15000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

4. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में सी.सी. टीवी कैमरे का प्रदाय स्थापना आदि का कार्य।

2022_CPA_235166	64/SAC dt. 29.11.22	Rs. 209.14	Rs. 209140/-	Rs. 15000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

5. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल के मुख्य स्टेडियम भवन में इंडियन यूथ गेम्स-प्लेयर्स लाबी, टेक्नीकल आफिसर्स ऑफिस एवं क्लोथिंग सेसमरी हेतु उपयनीकरण का कार्य।

2022_CPA_235168	65/SAC dt. 29.11.22	Rs. 184.67	Rs. 184670/-	Rs. 12500/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

6. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में पी.ए. सिस्टम का प्रदाय स्थापना आदि का कार्य।

2022_CPA_235169	66/SAC dt. 29.11.22	Rs. 174.67	Rs. 174670/-	Rs. 12500/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

7. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में रिनोवेशन, मारबेज कलेक्शन, लैण्ड स्केपिंग व हार्टीकल्चर, साईनेज एवं विद्युत से संबंधित आदि विविध कार्य।

2022_CPA_235170	67/SAC dt. 29.11.22	Rs. 125.00	Rs. 125000/-	Rs. 12500/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

8. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में बाहरी विद्युत कार्य के साथ फायर फायरिंग सिस्टम स्थापना आदि का कार्य।

2022_CPA_235172	68/SAC dt. 29.11.22	Rs. 105.00	Rs. 105000/-	Rs. 12500/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	------------	--------------	-------------	--------

9. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल स्थित मल्टीपरपज हॉल क्रमांक-1 में रिनोवेशन का कार्य।

2022_CPA_235175	69/SAC dt. 29.11.22	Rs. 94.36	Rs. 94360/-	Rs. 10000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	-------------	--------

10. टी.टी. नगर स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित ध्यानचंद हॉल में वीडियो/ऑडियो कॉन्फेसिंग से संबंधित उपकरणों का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।

2022_CPA_235176	70/SAC dt. 29.11.22	Rs. 56.75	Rs. 56750/-	Rs. 10000/-	12.12.22
-----------------	---------------------	-----------	-------------	-------------	----------

11. टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल स्थित दर्शक दीर्घा के विस्तार हेतु निर्माण एवं उपयनीकरण का कार्य।

2022_CPA_235177	71/SAC dt. 29.11.22	Rs. 38.49	Rs. 50000/-	Rs. 5000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	------------	--------

12. टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित विभिन्न टॉयलेट्स का उपयनीकरण आदि का कार्य।

2022_CPA_235178	72/SAC dt. 29.11.22	Rs. 34.12	Rs. 50000/-	Rs. 5000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	------------	--------

13. टी.टी. नगर स्टेडियम के मुख्य भवन में विद्युत से संबंधित मरम्मत/उपयनीकरण आदि का कार्य।

2022_CPA_235179	73/SAC dt. 29.11.22	Rs. 29.65	Rs. 50000/-	Rs. 5000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	------------	--------

14. टी.टी. नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ध्यानचंद हॉल में ध्वनि प्रतिरोधक आदि का कार्य।

2022_CPA_235181	74/SAC dt. 29.11.22	Rs. 29.40	Rs. 50000/-	Rs. 5000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	------------	--------

15. टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित दर्शक दीर्घा हेतु फनीचर एवं फर्निचिंग आदि का कार्य।

2022_CPA_235182	75/SAC dt. 29.11.22	Rs. 9.40	Rs. 18800/-	Rs. 2000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	----------	-------------	------------	--------

16. म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में वाटर प्रूफिंग अंतरिक्ष एवं बाह्य पेंटिंग आदि विविध कार्य।

2022_CPA_235183	76/SAC dt. 29.11.22	Rs. 20.00	Rs. 40000/-	Rs. 5000/-	-तदैव-
-----------------	---------------------	-----------	-------------	------------	--------

उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12.12.2022 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-1
लोक निर्माण विभाग, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल

41.	2022_DHS_235001	छिन्दवाड़ा	छिन्दवाड़ा	02	87.75
42.	2022_DHS_235002	छिन्दवाड़ा	मोहखेडा	02	87.75
43.	2022_DHS_235003	छिन्दवाड़ा	हरई	01	43.88
44.	2022_DHS_235004	नरसिंहपुर	बाबई चिचली	02	87.75
45.	2022_DHS_235006	नरसिंहपुर	चावरपाठा	02	87.75
46.	2022_DHS_235066	नरसिंहपुर	चावरपाठा	01	43.88

उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 5.12.2022 से 19.12.2022 तक समय 17.30 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं। निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-जबलपुर
जी-19989/47855/2022

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग), जिला-बड़वानी (म.प्र.)

क्रमांक/9663/जनजातीय/निर्माण/2022-23

बड़वानी, दिनांक : 02.12.2022

निविदा

बड़वानी जिले में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित विभागीय शासकीय हाईस्कूल/उ.मा.वि. शाला भवन में उनके नाम के समुख अंकित निर्माण कार्य हेतु मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग में नवीन व्यवस्था अंतर्गत "स" श्रेणी या उससे ऊपर पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ./प.) भोपाल द्वारा जारी भवन कार्य की दर अनुसूची जो कि दिनांक 01 सितम्बर 2022 से लागू तथा निविदा जारी होने के दिनांक तक जारी संशोधनों के साथ एतद् द्वारा ई-टेंडरिंग के माध्यम से "प्रपत्र-अ" में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र मध्यप्रदेश शासन की वेबसाइट <https://www.mptender.gov.in> से ऑनलाइन क्रय किये जा सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं अन्य तिथियां उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	ग्रुप	विकासखण्ड	हायर सेकेंडरी शाला का नाम	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत लाख में	प्रतिभूति की राशि रुपये में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2022_TAD_235952	A	बड़वानी बड़वानी बड़वानी	शा. उमावि मेणीमाता शा. हाईस्कूल भुराकुआ शा. हाईस्कूल काजलमाता	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	9.10 4.10 8.20	42800	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		21.40	42800	2000	उपयुक्त	01 माह
2.	2022_TAD_235954	B	बड़वानी बड़वानी बड़वानी	शा. हाईस्कूल क्र.3 बड़वानी शा. हाईस्कूल क्र.1 बड़वानी शा. कन्या हाईस्कूल बड़वानी	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.22 7.79 9.84	49700	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		24.85	49700	2000	उपयुक्त	01 माह
3.	2022_TAD_235957	C	बड़वानी बड़वानी बड़वानी	शा. हाईस्कूल तलुन शा. हाईस्कूल सजवानी शा. कन्या हाईस्कूल सिलावद	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	8.20 8.20 6.56	45920	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		22.96	45920	2000	उपयुक्त	01 माह
4.	2022_TAD_235958	D	निवाली निवाली निवाली	शा. हाईस्कूल वझर शा. हाईस्कूल कानपुरी शा. हाईस्कूल मोरमुन	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	8.20 4.10 4.10	32800	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		16.40	32800	2000	उपयुक्त	01 माह
5.	2022_TAD_235960	E	निवाली निवाली निवाली	शा. हाईस्कूल दोदवाड़ा शा. हाईस्कूल जोगवाड़ा शा. बालक हाईस्कूल निवाली	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	6.56 6.15 7.79	41000	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		20.50	41000	2000	उपयुक्त	01 माह
6.	2022_TAD_235961	F	पानसेमल पानसेमल पानसेमल पानसेमल	शा. उमावि मलफा शा. बालक हाईस्कूल शा. हाईस्कूल दोदवाड़ा शा. हाईस्कूल मोयदा	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.79 6.15 5.33 6.97	52480	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		26.24	52480	2000	उपयुक्त	01 माह
7.	2022_TAD_235963	G	पानसेमल पानसेमल पानसेमल	शा. हाईस्कूल जलगोन शा. हाईस्कूल मनकुई शा. हाईस्कूल रायचुल	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	8.12 7.79 8.20	48220	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		24.11	48220	2000	उपयुक्त	01 माह
8.	2022_TAD_235965	H	पानसेमल पानसेमल पानसेमल	शा. हाईस्कूल टेमला शा. हाईस्कूल भातकी शा. हाईस्कूल करणपुरा	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.22 7.30 6.97	42980	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		21.9	42980	2000	उपयुक्त	01 माह
9.	2022_TAD_235967	I	पाटी पाटी पाटी	शा. बालक हाईस्कूल पाटी शा. हाईस्कूल ओसाड़ा शा. हाईस्कूल अंजराड़ा	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	8.12 7.79 8.20	48220	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		24.11	48220	2000	उपयुक्त	01 माह
10.	2022_TAD_235969	J	पाटी पाटी	शा. हाईस्कूल जुनासिरा शा. हाईस्कूल ठान	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	6.72 8.20	29840	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		14.92	29840	2000	उपयुक्त	01 माह
11.	2022_TAD_235971	K	पाटी पाटी	शा. हाईस्कूल डोंगरगांव शा. हाईस्कूल गंधावल	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.79 6.56	28700	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		14.35	28700	2000	उपयुक्त	01 माह
12.	2022_TAD_235972	L	राजपुर राजपुर राजपुर	शा. कन्या हाईस्कूल जुलवानिया शा. हाईस्कूल बालसमुद शा. हाईस्कूल सालीटाण्डा	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	8.20 7.38 8.20	47560	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		23.78	47560	2000	उपयुक्त	01 माह
13.	2022TAD_235973		राजपुर राजपुर राजपुर	शा. हाईस्कूल वासवी शा. हाईस्कूल चित्तवल शा. हाईस्कूल खजुरी	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.22 7.38 7.46	44120	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		22.06	44120	2000	उपयुक्त	01 माह
14.	2022_TAD_235974	N	संधवा संधवा	शा. बालक हाईस्कूल संधवा शा. हाईस्कूल क्र.3 संधवा	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	6.97 7.54	29020	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		14.51	29020	2000	उपयुक्त	01 माह
15.	2022_TAD_235975	O	राजपुर राजपुर	शा. हाईस्कूल इन्दपुर शा. बालक हाईस्कूल राजपुर	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	4.51 8.12	25260	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		12.63	25260	2000	उपयुक्त	01 माह
16.	2022_TAD_235976	P	राजपुर राजपुर	शा. हाईस्कूल रणगांवरोड़ शा. हाईस्कूल पिपरीबुजूर	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.38 7.54	29840	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		14.92	29840	2000	उपयुक्त	01 माह
17.	2022_TAD_229841	Q	ठीकरी ठीकरी ठीकरी	शा. हाईस्कूल मोहिपुरा शा. हाईस्कूल बड़दा शा. हाईस्कूल देवला	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	6.97 6.56 7.22	41500	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		20.75	41500	2000	उपयुक्त	01 माह
18.	2022_TAD_229842	R	ठीकरी ठीकरी ठीकरी	शा. हाईस्कूल चिचली शा. हाईस्कूल तलवाड़ा डेब शा. हाईस्कूल कोयड़िया	लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य लघुमूल कार्य	7.38 5.33 7.22	39860	2000	उपयुक्त	01 माह
				योग -		19.93	39860	2000	उपयुक्त	01 माह

ऑनलाइन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि दिनांक 14.12.2022 को सायं 5.00 बजे तक नियत की गई है।



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा - 2019, दिनांक 05.12.2022

ऑनलाइन आवेदन अवधि
दिनांक 14.12.2022 से
दिनांक 29.12.2022 तक

प्रवेश पत्र उपलब्धता अवधि
दिनांक 01.02.2023 से

परीक्षा अवधि
दिनांक 06.02.2023 से
दिनांक 11.02.2023 तक

01. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा - 2019 हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 03/2019 दिनांक 14.11.2019 के संदर्भ में आयोजित की गई, प्रारंभिक परीक्षा का पुनरीक्षित परिणाम दिनांक 10.10.2022 को घोषित किया गया है। उक्त परीक्षा में सफल आवेदकों हेतु राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का आयोजन दिनांक 06.02.2023 से दिनांक 11.02.2023 तक इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, शहडोल, छिंदवाड़ा, रतलाम, सतना तथा बड़वानी (कुल 10) स्थित परीक्षा केन्द्रों पर निम्नानुसार आयोजित की जाएगी :-

दिनांक	विषय	समय
06.02.2023	सामान्य अध्ययन - I	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
07.02.2023	सामान्य अध्ययन - II	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
08.02.2023	सामान्य अध्ययन - III	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
09.02.2023	सामान्य अध्ययन - IV	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
10.02.2023	सामान्य हिन्दी	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
11.02.2023	हिंदी निबंध लेखन	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

महत्वपूर्ण निर्देश :-

टीप :- (1) राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2019 प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Structured Answer Copy/Question Answer Booklet) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। जिसमें अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Question Answer Booklet) में प्रश्न के नीचे उत्तर लिखने के लिए दिए गए स्थान पर ही निर्धारित शब्द सीमा में अपना उत्तर लिखना होगा। अन्यत्र किसी स्थान पर उत्तर लिखने पर अमान्य किया जाएगा। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का पाठ्यक्रम, परीक्षा योजना एवं पूर्व की प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Sample question answer booklet) अभ्यर्थियों के अभ्यास हेतु वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(2) परीक्षार्थियों की संख्या तथा प्रशासनिक कारणों से केन्द्रों की संख्या को कम किया जा सकता है।

(3) यह स्पष्ट किया जाता है कि षष्ठ प्रश्न-पत्र हिन्दी निबन्ध लेखन प्रश्न-पत्र सभी अभ्यर्थियों को हिन्दी में ही हल करना होगा। अंग्रेजी माध्यम चयनित करने वाले अभ्यर्थियों को भी षष्ठ प्रश्न-पत्र हिन्दी माध्यम से ही हल करना होगा।

02. राज्य सेवा प्रारंभिक लिखित परीक्षा में शार्टलिस्टेड सफल पात्र आवेदकों को राज्य सेवा मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर आवेदन एवं परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना आवश्यक होगा। मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 14.12.2022 (दोपहर 12:00 बजे) से 29.12.2022 (दोपहर 12:00 बजे) तक www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर भरे जा सकते हैं। आवेदकों को मुख्य परीक्षा हेतु निम्नानुसार आवेदन एवं परीक्षा शुल्क देय होगा :-

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा विद्यार्जन आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क
रुपये 400/-	रुपये 800/-

उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क रुपये 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा।

आवेदन तथा परीक्षा शुल्क एवं पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य कोई राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो एम.पी. ऑनलाइन से हेल्पलाइन - 0755-6720200 तथा 0755-6720201 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

महत्वपूर्ण निर्देश :- पूर्व में आयोजित राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा - 2019 हेतु आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को नवीन राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2019 हेतु आवेदन शुल्क से मुक्त रखा जाएगा। लेकिन ऐसे अभ्यर्थियों को भी मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा तथा उन्हें केवल पोर्टल शुल्क रुपये 40/- का भुगतान करना होगा। किन्तु यदि ऐसे अभ्यर्थी भी निर्धारित अंतिम तिथि तक आवेदन नहीं करते हैं। तो उन्हें भी पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त विलंब शुल्क का भी भुगतान करना अनिवार्य होगा।

03. विलंब शुल्क सहित आवेदन : आयोग की यह मान्यता है कि सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन भर देंगे। अतः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 29.12.2022 तक ऑनलाइन आवेदन पत्र भर दें ताकि विलंब शुल्क के भुगतान की परिस्थिति उत्पन्न न हो। अपरिहार्य कारणों से जो अभ्यर्थी अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पाते हैं उनकी सुविधा हेतु अंतिम तिथि के बाद विलंब शुल्क के साथ आवेदन की निम्नांकित व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही है :-

1. दिनांक 30.12.2022 से 05.01.2023 तक - रुपये 3000/-

2. दिनांक 06.01.2023 से 30.01.2023 तक - रुपये 25000/-

विशेष : 1. विलंब शुल्क की उपरोक्त राशि के साथ परीक्षा शुल्क तथा पोर्टल शुल्क का भुगतान पृथक से देय होगा।

2. रुपये 3000 विलंब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदनों में दिनांक 05.01.2023 तक तथा रुपये 25000 विलंब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदन-पत्रों में दिनांक 30.01.2023 तक विहित शुल्क का भुगतान कर त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।

04. आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिनांक 19.12.2022 से दिनांक 31.12.2022 तक त्रुटि सुधार भी कर सकेंगे। त्रुटि सुधार अवधि के पश्चात आवेदन पत्र में कोई सुधार नहीं किए जा सकेंगे। त्रुटि सुधार हेतु प्रति सुधार सत्र रुपये 50/- (सेवाकर सहित) देय होंगे। जिन आवेदकों द्वारा मुख्य परीक्षा हेतु अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन पत्र नहीं भरे जाएंगे राज्य सेवा परीक्षा 2019 हेतु उनकी उम्मीदवारी स्वयमेव समाप्त हो जाएगी एवं इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य न करते हुए उन्हें नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा। आवेदन भरने/त्रुटि सुधार की समस्त प्रक्रिया ONLINE है। निर्धारित समयावधि के पश्चात इस संबंध में कोई भी आवेदन (ONLINE/OFFLINE) मान्य नहीं किया जाएगा।

05. मुख्य परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 01.02.2023 से www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। प्रवेश पत्र डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रेषित नहीं किये जाएंगे। प्रवेश पत्र प्राप्तित हेतु आवेदक mponline के अधिकृत कियोस्क का भी उपयोग कर सकते हैं। कियोस्क के माध्यम से प्रवेश पत्र प्राप्तित हेतु रुपये 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

06. आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र के साथ निम्न मान्य फोटो युक्त मूल पहचान-



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 06/03/2021, दिनांक : 02.12.2022

सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी परीक्षा 2021

परीक्षा के आयोजन विषयक सूचना

01. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी का विज्ञापन क्रमांक 03/2021 दिनांक 07.06.2021 आयोग की वेबसाइट पर जारी किया गया है।

02. उक्त विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु परीक्षा ऑफलाइन पद्धति से (OMR Sheet आधारित) निम्नानुसार आयोजित की जा रही है :-

परीक्षा केन्द्र	परीक्षा तिथि	समय
इन्दौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर	18.12.2022 (रविवार)	दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे तक

प्रवेश पत्र की उपलब्धता तिथि - 09.12.2022

03. समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि परीक्षा आयोग द्वारा अद्यतन घोषित पाठ्यक्रम दिनांक 30.08.2022 के अनुसार आयोजित की जाएगी। माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में लंबित याचिका क्रमांक 26788/2022 एवं अन्य याचिकाओं में पारित अन्तरिम आदेश दिनांक 25.11.2022 अनुसार उक्त परीक्षा के अधीन नियुक्तियां उक्त याचिका के अंतिम निर्णय के अधधीन रहेंगी।

04. विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

जी-20130/47859/2022

उपसचिव

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक

लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. ग्वालियर म.प्र.

दूरभाष : 0751-4008851, Email : apdpju.gwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 15/2022/सा./एपीडी/ ग्वालियर, दिनांक : 30.11.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 1. तहसील इन्दौरा जिला दतिया में 06 ट्रेड आई.टी.आई. भवन मय 60 सीटर वालक छात्रावास, 01 एफ, 02 एच एवं 04 आई टाईप आवास गृहों का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	पी.आई.यू. का जिला	ठेके की अनु. लागत लाख में	अमान्य राशि रुपये	निविदा फार्म का मूल्य रुपये	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
2022_PWPIU_236162_1	दतिया	919.44 लाख	919440/-	20000/-	18 माह

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 2. सिविल हॉस्पिटल सेवडा जिला दतिया में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण।

2022_PWPIU_236183_1	दतिया	45.85 लाख	50000/-	5000/-	09 माह
---------------------	-------	-----------	---------	--------	--------

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 3. पीआईयू शिवपुरी के अंतर्गत वेल्लेस वक, परफोरमस गारन्टी के अंतर्गत ठेकेदारों की रिस्क एण्ड कॉस्ट के विभिन्न एवं छोटी-छोटी प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2022_PWPIU_235598_1	शिवपुरी	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह
---------------------	---------	-----------	---------	---------	--------

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 4. पीआईयू शिवपुरी के अंतर्गत शासकीय कार्य हेतु वाहन किराये पर अनुबंधित करने हेतु। द्वितीय आमंत्रण।

2022_PWPIU_235379_1	शिवपुरी	12.50 लाख	25000/-	2000/-	12 माह
---------------------	---------	-----------	---------	--------	--------

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 5. पीआईयू छतरपुर के अंतर्गत शासकीय कार्य हेतु वाहन किराये पर अनुबंधित करने हेतु। द्वितीय आमंत्रण।

2022_PWPIU_235401_1	छतरपुर	10.00 लाख	20000/-	2000/-	12 माह
---------------------	--------	-----------	---------	--------	--------

क्रमांक एवं कार्य का नाम : 6. ईशानगर जिला छतरपुर में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का शेष निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2022_PWPIU_235368_1	छतरपुर	178.19 लाख	178192/-	12500/-	06 माह
---------------------	--------	------------	----------	---------	--------

1. निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट Website : <https://mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।

2. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

3. ऑनलाइन निविदा सबमिट करने की अंतिम दिनांक 16.12.2022

4. तकनीकी विड खोलने का दिनांक 19.12.2022

वरिष्ठ लेखा अधिकारी

कार्या. अतिरिक्त परियोजना संचालक

लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. ग्वालियर

जी-20237/47866/2022

पत्र प्रस्तुत करने एवं उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी :-

1. मतदाता परिचय पत्र	2. आधार कार्ड (फोटोकोपी मान्य)	3. ड्रायविंग लायसेंस
4. आयकर का पेन कार्ड	5. पासपोर्ट	6. फोटो सहित बैंक पासबुक
7. केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र		
8. शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत आवेदकों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम तीन वर्ष पूर्व जारी फोटो पहचान पत्र		
9. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र		

07. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 में सामान्य अध्ययन के चार प्रश्न-पत्र तथा सामान्य हिन्दी एवं हिन्दी निबन्ध लेखन के दो प्रश्न-पत्र होंगे। सामान्य अध्ययन के चारों प्रश्नपत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम में तथा शेष दोनों प्रश्न-पत्र (सामान्य हिन्दी तथा हिन्दी निबन्ध लेखन) केवल हिन्दी माध्यम में होंगे। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के आवेदन-पत्र में अभ्यर्थियों को सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्रों के भाषा विकल्प (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) का चयन करना होगा।

08. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 की परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in में प्रकाशित किया गया है।

जी-20125/47858/2022

सचिव



मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 10649/11/2022/चयन

इन्दौर, दिनांक : 06.12.2022

पदनाम - स्त्री रोग विशेषज्ञ

चयन - सूची

- आयोग के विज्ञापन क्रमांक 03/2022 दिनांक 20.07.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में कुल - 153 पद (अनारक्षित - 41, अ.जा. - 25, अ.ज.जा. - 31, अ.पि. वर्ग - 41, ई.डब्ल्यू.एस. - 15) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद अनारक्षित - 14, अ.जा. - 08, अ.ज.जा. - 10 अ.पि. वर्ग - 14, ई.डब्ल्यू. एस. - 05 (कुल विज्ञापित पदों में से - दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पद अस्थिबाधित 03, दृष्टिबाधित 02, श्रवणबाधित - 02 एवं बहु-दिव्यांग - 02 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार दिनांक 23.11.2022 से 25.11.2022 तक आयोजित किए गए।
- म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत संचालनालय, स्वास्थ्य सेवाय के पत्र क्रमांक/1- जी/विज्ञापन/सेल-संविदा/2022/1655 दिनांक 18.11.2022 में उल्लेखित रिक्ति विवरण के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 01/03/2022 दिनांक 22.11.2022 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 03/2022 दिनांक 20.07.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, चयन परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 22.11.2022 के बिन्दु क्रमांक 3 में उल्लेखित कंडिका के अनुसार प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।
- अतएव साक्षात्कार में प्रार्थकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

1. स्त्री रोग विशेषज्ञ (लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग)

पद विवरण तालिका

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	41	25	31	21	15	133
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	14	8	10	7	5	
कुल पदों में से अधिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद				3		
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद				2		
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद				2		
कुल पदों में से बहु-दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद				2		

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	5054	SWATI BHARGAV	F	UNRF	UNR
2.	5106	VIBHA SINGH PATEL	F	प्रावधिक	UNR
3.	5030	SHIKHA BHADORIA	F	प्रावधिक	UNRF
4.	5016	NIKUNJA SHIWAN	F	प्रावधिक	UNRF
5.	5006	SHIVANI PASTORE	F	प्रावधिक	UNRF
6.	5033	NEHA GUPTA	F	UNRF	UNR
7.	5031	JYOTI SHARMA	F	UNRF	UNR
8.	5001	PALAK BAHETI	F	UNRF	UNR
9.	5057	NEHA PATERIYA	F	UNRF	UNR
10.	5013	LAD KUMARI DHAKAR	F	UNRF	UNR
11.	5086	DINESH KUMAR GUPTA	M	प्रावधिक	UNR
12.	5052	MANSI TIWARI	F	UNRF	UNR
13.	5103	PUSHPA KANNOUJIYA	F	UNRF	UNR
14.	5119	SHIKHA SINGH	F	UNRF	UNR
15.	5004	AMIT KUMAR PANDEY	M	प्रावधिक	UNR
16.	5111	SHIVANGI JAISWAL	F	UNRF	UNR
17.	5047	SWATI SOLANKI	F	UNRF	UNR
18.	5011	PRASHASTI MEHTA	F	प्रावधिक	UNR
19.	5099	VANDANA SINGH	F	UNR	UNR
20.	5120	PRACHI GUPTA	F	UNR	UNR
21.	5117	ARTI TIWARI	F	UNR	UNR
22.	5014	ANJU JHA	F	UNR	UNR
23.	5034	ANKITA UPADHYAY	F	UNR	UNR
24.	5055	SHRADDHA DWIVEDI	F	प्रावधिक	UNR
25.	5102	ANUBHOOTI TRIVEDI	F	UNR	UNR
26.	5101	SUBHASHINI TRIVEDI	F	UNR	UNR
27.	5068	PALLAVI SHRIVASTAVA	F	UNR	UNR
28.	5109	AMIT DUBEY	M	UNR	UNR
29.	5095	RAJSHREE GUPTA	F	प्रावधिक	UNR
30.	5059	ROMA SHARMA	F	UNR	UNR
31.	5048	ABHA SINGH	F	UNR	UNR
32.	5065	RIKESH KUMAR SHARMA	M	UNR	UNR
33.	5204	RANJNA MARAVI	F	STF	ST
34.	5199	SHEETAL PATEL	F	STF	ST
35.	5208	SANYOGITA SAHLAM	F	STF	ST
36.	5206	JYOTI MARKAM	F	प्रावधिक	STF
37.	5209	SHIVANI PANWAR	F	STF	ST
38.	5198	GUNJA THAKUR	F	प्रावधिक	STF
39.	5196	NIDHI SINGH	F	STF	ST
40.	5127	DEEPTI KHENWAR	F	OBCF	OBC
41.	5152	GEETIKA BHARDWAJ	F	OBCF	OBC
42.	5207	VANDANA SONKESRIYA	F	STF	ST
43.	5137	AJEET SINGH	M	OBC	OBC
44.	5197	DIPTI MARKAM	F	STF	ST
45.	5200	RASHMI KUMBHARE	F	STF	ST
46.	5147	AKANKSHA BHAVSAR	F	OBCF	OBC
47.	5133	AVINASH PATWARI	M	प्रावधिक	OBC
48.	5166	BARKHA KOCHALE	F	प्रावधिक	SCF
49.	5142	LAXMI JAYASWAL	F	प्रावधिक	OBCF
50.	5162	RENUKA RAMANWAL	F	SCF	SC

51.	5185	VARSHA SOMDEVE	F	प्रावधिक	SCF	SC
52.	5138	GARIMA YADAV	F		OBCF	OBC
53.	5201	NEELAM DHURWEY	F	प्रावधिक	ST	ST
54.	5194	ASHA SOLANKI	F	प्रावधिक	ST	ST
55.	5158	JAGRATI PANTHI	F		SCF	SC
56.	5140	AMBE SHAH	F		OBCF	OBC
57.	5193	VIKASH BRIJ	M		SC	SC
58.	5188	MINAKSHI KACHHAWA	F		SCF	SC
59.	5151	RAJ CHOUDHARY	F	प्रावधिक	OBCF	OBC
60.	5177	SANDHYA RAJ	F		SCF	SC
61.	5168	SHRADDHA BARMATE	F		SCF	SC
62.	5189	JYOTSANA BHIMTE	F		SCF	SC
63.	5139	KIRTI SINGH	F	प्रावधिक	OBC	OBC
64.	5176	POOJA DEWDA	F		SC	SC
65.	5212	ASHWANI NARNOUR	F		ST	ST
66.	5184	SHIVANI BHADKARIA	F	प्रावधिक	SC	SC
67.	5192	RITU TARKARE	F		SC	SC
68.	5170	SWATI MESHRAM	F		SC	SC
69.	5143	NEETIKA SINGH	F	प्रावधिक	OBC	OBC
70.	5181	BABITA AHIRWAL	F		SC	SC
71.	5182	ABHA CHOUDHARY	F	प्रावधिक	SC	SC
72.	5164	SHILPA	F		SC	SC
73.	5136	NEELAM PATEL	F		OBC	OBC
74.	5144	SUJATA YADAV	F	प्रावधिक	OBC	OBC
75.	5213	DIVYANSHI JAIN	F	प्रावधिक	EWSF	EWS
76.	5155	ANURADHA MALVIYA	F		OBC	OBC
77.	5183	SHEETAL GARHPALE	F		SC	SC
78.	5154	NAYLA KHAN	F		OBC	OBC
79.	5129	POONAM RAIKWAR	F		OBC	OBC
80.	5157	RAJENDRA AGLECHA	M	प्रावधिक	OBC	OBC
81.	5190	DEEPIKA ANURAGI	F		SC	SC
82.	5134	GAJENDRA SINGH DHAKAD	M		OBC	OBC
83.	5161	DEEPIKA VERMA	F		SC	SC
84.	5123	ANKITA PATEL	F		OBC	OBC
85.	5148	DEEPTI PAWAR	F		OBC	OBC
86.	5179	NEETU DONGRE	F		SC	SC
87.	5122	PREETI MEENA	F		OBC	OBC
88.	5180	AABHA SURYAVANSI	F		SC	SC
89.	5174	PRIYANKA RAJORIA	F		SC	SC
90.	5175	NIKITA SINGH	F	प्रावधिक	SC	SC
91.	5205	HEMLATA COUHAN	F		ST	ST
92.	5203	RAVINDRA KUMAR	M		ST	ST
93.	5169	SUMAN MAHOR	F	प्रावधिक	SC	SC
94.	5165	NEHA ARYA	F		SC	SC
95.	5211	PRATIMA KUMARI	F	प्रावधिक	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	5026	JAYSHREE CHIMRANI	F	प्रावधिक
2.	5098	SHUBHAM DALODRIA	F	UNR
3.	5082	ARCHANA PATEL	F	UNR
4.	5100	SILIKA MADRIA	F	UNR
5.	5077	NISHI MISHRA	F	प्रावधिक
6.	5035	UPMA ANURAGI	F	UNR
7.	5062	PRANSHI ASATI	F	प्रावधिक
8.	5104	NEHA JAIN	F	UNR
9.	5032	PRANITA JAIN	F	UNR
10.	5091	POOJA SHARMA	F	UNR
11.	5027	AKANKSHA PANDEY	F	प्रावधिक
12.	5150	PRIYANKA RAI CHHABRA	F	OBC
13.	5132	SHRADDHA CHANDRAKAR	F	OBC
14.	5153	SUDHA RAJPOOT	F	OBC
15.	5163	MADHURI BRAHMANE	F	SC
16.	5191	PRIYA INDORIA	F	SC
17.	5149	SARITA RATORE	F	OBC
18.	5159	SADHANA KUMARI VERMA	F	SC
19.	5160	RADHA VERMA	F	SC
20.	5124	SUDHEER KUMAR SAHU	M	OBC
21.	5145	MANOJ PATIDAR	M	प्रावधिक
22.	5172	PREETI SAGAR	F	SC

टिप :-

- म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया गया है।
- चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कंप्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
- विज्ञापित कुल 133 पदों में से 29 पद (अ.ज.जा. - 15, ई.डब्ल्यू.एस. - 14) पर्याप्त संख्या में आवेदक उपलब्ध नहीं - होने के कारण पद रिक्त रहे हैं। कुल विज्ञापित पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 09 पद (अस्थिबाधित-03, श्रवणबाधित-02, दृष्टिबाधित-02 एवं बहु-दिव्यांग-02 पद) विज्ञापित है परन्तु दिव्यांग श्रेणी हेतु कोई भी अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण (अस्थिबाधित-03, श्रवणबाधित-02, दृष्टिबाधित-02 एवं बहु-दिव्यांग-02 पद) कुल 09 पद रिक्त रहे हैं। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 09 पद दिव्यांगजनों के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखे गए हैं। इस प्रकार कुल 29+09 = 38 पद रिक्त रहे हैं।
- घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अन्वये प्रारंभ होगा।

सचिव

जी-20199/47862/2022

म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में जनता का संतोष पहली प्राथमिकता

भोपाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों का संचालन पारदर्शिता के साथ समय-सीमा में किया जाए। निर्माण-कार्यों में गुणवत्ता के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है। शासकीय गतिविधियों के क्रियान्वयन में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जनप्रतिनिधि भी सक्रिय भूमिका निभाएँ और जनसामान्य से निरंतर संवाद में रहें। शासकीय कार्यों के प्रति जनता में संतोष का भाव सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हरदा जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास गतिविधियों और कानून व्यवस्था की निवास कार्यालय से वर्चुअली समीक्षा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरदा जिले को सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में आदर्श जिला बनाना है। जिले में शत-प्रतिशत सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जल ज्योतिर्मय शिविरों का आयोजन, साइबर सबी योजना, गांधी एवं कोरकू में पाट्यक्रम सामग्री विकसित करने, क्लस्टर क्रेडिट कैम्प के नवाचार सराहनीय हैं।

श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन में संचालित गतिविधियों की प्रगति मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए। खोदी गई सड़कों के रि-स्टोरेज को सर्वोच्च प्राथमिकता



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान हरदा जिले की योजनाओं की समीक्षा करते हुए।

दी जाए तथा पानी की संतोषजनक आपूर्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने मिशन के कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। श्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि प्रधानमंत्री आवास योजना में आवासों का निर्माण समय पर हो और किश्त जारी करने में वेंदमानी या भ्रष्टाचार न हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संभागायुक्त नर्मदापुरम् को हरदा जिले में ग्रामीण यात्रीकी विभाग की जांच के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिमाह जिले में होने वाले रोजगार दिवस के लिए लक्ष्य तय कर बैंकों से समन्वय करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को स्व-रोजगार तथा रोजगार से जोड़ने के लिए कार्ययोजना

विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने जन-सेवा अभियान, अमृत सरोवर योजना, राशन वितरण, आयुष्मान कार्ड, आंगनवाड़ियों का संचालन, पोषण आहार वितरण, सड़कों की स्थिति, उर्वरक वितरण तथा सिंचाई व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की।

जानकारी दी गई कि जल जीवन मिशन में 280 ग्रामों में योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। इनमें से 79 में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9109 आवास के लक्ष्य के विरुद्ध 6 हजार आवास पूर्ण कर लिए गए हैं। आवास प्लस में स्वीकृत 5632 आवासों में से 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

मंत्रिपरिषद् के निर्णय

मध्यप्रदेश आवास पुनर्विकास नीति अनुमोदित

- मंत्रिपरिषद् द्वारा पवित्र शिप्रा नदी में कान्ह नदी के दूषित जल को मिलने से रोकने के लिए उज्जैन जिले की कान्ह डायवर्सन क्लोज डकट परियोजना के लिये 598 करोड़ 66 लाख रुपये की सिंहरथ मठ अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। निर्माण एजेंसी 15 वर्षों तक इसका रख-रखाव कार्य भी करेगी।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 226 स्वास्थ्य संस्थाओं (21 सिविल अस्पताल, 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 191 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 उप स्वास्थ्य केंद्र) की स्थापना/उन्नयन का अनुमोदन दिया गया।
- मंत्रिपरिषद् ने छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस से सम्बद्ध अस्पताल की स्थापना के लिये पूर्व में जारी पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति राशि 665 करोड़ 88 लाख के स्थान पर 768 करोड़ 22 लाख रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा ऑकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फुट ऊंची बहु धातु प्रतिमा, पेडैस्टल के निर्माण कार्य के लिये न्यूनतम दर अनुसार पुनरीक्षित लागत राशि 198 करोड़ 25 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।
- प्रदेश में सी.एम. राज्ज योजना के प्रथम चरण में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 275 विद्यालय विकसित किये जा रहे हैं। इनमें से 73 विद्यालयों के निर्माण के लिये डीपीआर परियोजना के संबंध में परियोजना परीक्षा समिति द्वारा की गई अनुशंसासुसार 73 सर्वसुविधायुक्त संपन्न विद्यालयों का निर्माण अनुमानित लागत 2660 करोड़ 66 लाख रुपये से करने का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्तियों को उद्यम एवं स्व-रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम/स्वरोजगार योजना-2022' स्वीकृत की गई। योजना में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 7 करोड़ 50 लाख रुपये

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में मंत्रिपरिषद् की बैठक में मध्यप्रदेश आवास पुनर्विकास (Redevelopment) नीति- 2022 का अनुमोदन किया गया। शहरों में स्थित पुराने और जीर्ण-शीर्ण मकानों को तोड़कर रखावसियों को नवीन, बेहतर, आधुनिक एवं सुविधायुक्त आवास उपलब्ध कराने तथा शहरी भूमि का अनुकूलतम उपयोग के उद्देश्य से मध्यप्रदेश आवास पुनर्विकास नीति-2022 का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद् के अन्य निर्णय निम्नानुसार हैं-

- पिछड़ा वर्ग के युवाओं को जापान में नियोक्ता की मांग एवं रोजगार की उपलब्धता के अनुसार जापानी भाषा का प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के पात्र 200 इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 3 से 5 वर्ष की अवधि के लिए रोजगार के लिये जापान भेजा जाएगा। प्रति युवा 2 लाख 1 हजार 800 रुपये का व्यय होगा। इसमें राज्य सरकार का अंशदान 50.45 प्रतिशत एवं लाभार्थी का अंशदान 49.55 प्रतिशत रहेगा। लाभार्थी को अपने अंशदान का 75 प्रतिशत तक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के प्रारंभिक 3 वर्षों में अनुमानित 6 करोड़ रुपये का व्यय होगा।
- भारतीय कम्प्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम सायबर सुरक्षा से संबंधित आपदा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है। CERT In की विस्तारित शाखा के रूप में राज्य में 'कम्प्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम' (CERT) का गठन किया जाना है जो, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण में कार्य करेगी। मंत्रिपरिषद् द्वारा निर्णय लिया गया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में राज्य कम्प्यूटर सिक्युरिटी इंस्टीट्यूट रिसपॉन्स टीम SCSCIRT का गठन किया जाये। SCSCIRT राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहलुओं, संवेदनशील एवं विशेष आकस्मिक परिस्थितियों में संबंधित विभागों के लिए निर्णय लेने के लिये सशक्त एवं केंद्रीकृत स्वयत्त संगठन के रूप में कार्य करेगी तथा ऐसी कोई Cyber Crisis/Attack की घटनाएं, जो SCSCIRT के अंतर्गत में आए अथवा अनुसार सॉफ्ट स्किल एवं आवश्यक लैप्बेज का प्रशिक्षण देकर आकर्षक वेतन पर विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

- पिछड़ा वर्ग के युवाओं को जापान में नियोक्ता की मांग एवं रोजगार की उपलब्धता के अनुसार जापानी भाषा का प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के पात्र 200 इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 3 से 5 वर्ष की अवधि के लिए रोजगार के लिये जापान भेजा जाएगा। प्रति युवा 2 लाख 1 हजार 800 रुपये का व्यय होगा। इसमें राज्य सरकार का अंशदान 50.45 प्रतिशत एवं लाभार्थी का अंशदान 49.55 प्रतिशत रहेगा। लाभार्थी को अपने अंशदान का 75 प्रतिशत तक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के प्रारंभिक 3 वर्षों में अनुमानित 6 करोड़ रुपये का व्यय होगा।
- भारतीय कम्प्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम सायबर सुरक्षा से संबंधित आपदा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है। CERT In की विस्तारित शाखा के रूप में राज्य में 'कम्प्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम' (CERT) का गठन किया जाना है जो, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण में कार्य करेगी। मंत्रिपरिषद् द्वारा निर्णय लिया गया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में राज्य कम्प्यूटर सिक्युरिटी इंस्टीट्यूट रिसपॉन्स टीम SCSCIRT का गठन किया जाये। SCSCIRT राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहलुओं, संवेदनशील एवं विशेष आकस्मिक परिस्थितियों में संबंधित विभागों के लिए निर्णय लेने के लिये सशक्त एवं केंद्रीकृत स्वयत्त संगठन के रूप में कार्य करेगी तथा ऐसी कोई Cyber Crisis/Attack की घटनाएं, जो SCSCIRT के अंतर्गत में आए अथवा अनुसार सॉफ्ट स्किल एवं आवश्यक लैप्बेज का प्रशिक्षण देकर आकर्षक वेतन पर विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

रॉक फॉस्फेट से खाद बनाने के संयंत्र लगाने के कार्य को मिलेगी गति

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निवास पर समक्ष भवन में विभिन्न निवेशकों ने भेंट कर निवेश प्रस्तावों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश की दृष्टि से मध्यप्रदेश एक आदर्श राज्य बना है। राज्य सरकार की नीतियों के अनुरूप निवेशकों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। निवेशकों से भेंट और चर्चा के फलस्वरूप प्रदेश में रॉक फॉस्फेट से खाद निर्माण की इकाई प्रारंभ करने के कार्य को गति मिलने की राह खुली है। नवीन औद्योगिक निवेश प्रस्तावों के फलस्वरूप प्रदेश में 7 हजार 775 करोड़ रुपये का निवेश और 5 हजार 350 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री से इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री रविंदर सिंह ने भेंट कर बताया कि उनका संस्थान प्रदेश के झाबुआ जिले के मेघनगर में लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से संयंत्र की स्थापना कर रहा है। इससे मध्यप्रदेश में किसानों को एसएसपी और डीएपी के लिए अन्य प्रदेशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सिल सुपर फॉस्फेट के संयंत्र से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड सागर जिले में डीएपी प्लांट के लिए भी निवेश कर रहा है।

मुख्यमंत्री से मेसर्स ग्रीनको ग्रुप के प्रबंध संचालक श्री अशोक कुमार चलमचाओद्री ने भेंट की। बताया गया कि नीमच जिले

के गांधी नगर में 1440 मेगावॉट का पम्प स्टोरेज प्लांट लगाया जा रहा है, जिस पर 7200 करोड़ रुपये लागत व्यय आएगा। प्रदेश में हाइड्रो पावर को बढ़ावा देने की यह महत्वपूर्ण परियोजना है। इस संयंत्र के शुरू होने से विद्युत दरों में उल्लेखनीय कमी की भी संभावना है। ग्रीनको ग्रुप की सहयोगी कम्पनी पनारी एनर्जी द्वारा पन्ना में पम्प स्टोरेज के प्रोजेक्ट के लिए इच्छुक है। इससे लगभग 2500 लोग रोजगार से जुड़ेंगे।

श्री चौहान से आईटीसी लिमिटेड के पदाधिकारी श्री वदीरान कुलकर्णी और श्री रजनीकांत राय ने भेंट कर सीहोर जिले के औद्योगिक क्षेत्र बड़ियाखेड़ी में 250 करोड़ रुपये के नवीन निवेश के संकल्प से अवगत करवाया। इससे करीब 200 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने आईटीसी लिमिटेड के आवश्यक रियायतें प्रदान करने के आग्रह पर राज्य शासन द्वारा पूर्ण सहयोग और फुड पार्क के कार्य को प्राथमिकता देने की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री से मेसर्स सिद्धायु लाइफ साइंसेज के प्रबंध संचालक श्री प्रणव शर्मा ने भेंटकर छिंदवाड़ा जिले में खैरीटेगांव में निर्माण इकाई के संकल्प की जानकारी दी। श्री चौहान से मेसर्स ग्रेस वेन्चर प्रायवेट लिमिटेड (इंडो रामा लिमिटेड का प्रतिष्ठान) के कार्यकारी निर्देशक श्री विशाल लोहिया और अप्रम पेशिनीया ने भी भेंट कर प्रदेश में निवेश की इच्छा व्यक्त की।

- वाई क्र 03, तहसील रहली, जिला सागर, मध्यप्रदेश स्थित भूमि परिसम्पत्ति शीट नं. 319 प्रकृ क्षेत्रफल 1876.67 वर्गमीटर, के निर्वर्तन के लिये एच-1 निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 8 करोड़ 80 लाख रुपये की संस्तुति करते हुए एवं विक्रय करने एवं एच-1 निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद अनुबंध/रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाने का निर्णय लिया गया।
- राजस्व विभाग की वाई क्र. 76, सर्वे क्र. 88, बिचौली हप्सी, इंदौर, मध्यप्रदेश स्थित भूमि परिसम्पत्ति कुल क्षेत्रफल 1130 वर्गमीटर के निर्वर्तन के लिये एच-1 निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 8 करोड़ 15 लाख 92 हजार रुपये की संस्तुति करते हुए एवं विक्रय करने एवं एच-1 निविदाकार द्वारा निविदा राशि का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद अनुबंध/रजिस्ट्री की कार्यवाही जिला कलेक्टर द्वारा की जाने का निर्णय मंत्रिपरिषद् द्वारा लिया गया।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा सहकारिता विभाग की सोयाबीन प्रसंस्करण संयंत्र, चौरई, जिला छिंदवाड़ा स्थित परिसम्पत्ति पर स्थापित प्लांट एवं मशीनरी को स्कूप के रूप में निर्वर्तन करने के लिये आमंत्रित द्वितीय निविदा के एच-1 निविदाकार की उच्चतम निविदा राशि 11 करोड़ 1 लाख 38 हजार रुपये की संस्तुति एवं एच-1 निविदाकार द्वारा निविदा बोली मूल्य का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद विक्रय अनुबंध की कार्यवाही मध्यप्रदेश राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ के परिसमापक संयुक्त आयुक्त सहकारिता द्वारा की जाने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद् ने मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती तथा सेवा की तारी) नियम 1994 के नियम 11 के उप नियम (2) तथा नियम 17 में संशोधन करने की मंजूरी दी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सुपोषित मध्यप्रदेश के लिये प्रोजेक्ट 'समग्र' प्रारंभ

भोपाल, महिला एवं बाल विकास विभाग प्रदेश में कुपोषण के स्तर को समाप्त करने के लिये लगातार प्रयासरत है। साथ ही सुपोषित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये कई नवाचार कर रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार और अमेरिकन इण्डिया फाउंडेशन (एआईएफ) के मध्य प्रोजेक्ट 'समग्र' के क्रियान्वयन के लिये एमओयू हुआ। अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास श्री अशोक शाह की उपस्थिति में संचालक महिला-बाल विकास डॉ. राम राव भोसले और निदेशक पब्लिक हेल्थ अमेरिकन इण्डिया फाउंडेशन डॉ. महेश श्रीवास ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

अपर मुख्य सचिव श्री अशोक शाह ने कहा कि प्रदेश में कुपोषण को जड़ से खत्म करना हमारी प्राथमिकता है। प्रोजेक्ट समग्र का मुख्य उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार, सीखने की क्षमता में वृद्धि तथा महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आय में वृद्धि के अवसर बनाना है।

स्व-सहायता समूह

आहरण सीमा में वृद्धि के लिये आरबीआई मानकों का पालन करें बैंक

भोपाल, मध्यप्रदेश में 4 लाख 9 हजार स्व-सहायता समूह हैं, जिनसे लगभग 45 लाख 90 हजार गरीब ग्रामीण परिवार जुड़े हुए हैं। इन समूहों को नियमित प्रशिक्षण, बैंकों से ऋण दिलवाकर और आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन समूहों की आहरण सीमा में वृद्धि के लिये आरबीआई मानकों का पालन बैंक सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और नाबाई द्वारा आयोजित स्व-सहायता

डॉ. भोसले ने बताया कि प्रोजेक्ट समग्र में विदिशा जिले के ग्यारसपुर ब्लॉक में जीरो से 6 वर्ष के लगभग 10 हजार बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। यह पायलट प्रोजेक्ट ग्यारसपुर ब्लॉक की 229 आंगनवाड़ी, 184 स्व-सहायता समूह और 112 एसएचजी रसोई तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिकन इण्डिया फाउंडेशन प्रोजेक्ट समग्र से आंगनवाड़ी केंद्रों में 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिये टीएचआर और पका हुआ गर्म भोजन, बीमार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण घर आधारित देखभाल और पोषण परामर्श प्रदान करने के लिये स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का कौशलवर्धन करेगा। इसके अतिरिक्त गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के समय पर रेफरल के लिये लिंकेज को मजबूत करने और 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिये स्कूल की तैयारी सुनिश्चित करने के साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों को आवश्यकता आधारित शिक्षण सामग्री प्रदान करने संबंधी कार्य भी करेगा।

समूहों की बैंक क्रेडिट लिंकेज प्रगति की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये।

श्री श्रीवास्तव ने बैंकर्स को निर्देश दिये कि स्व-सहायता समूहों की प्रशिक्षित महिलाओं को बीसी के रूप में कार्य के लिये बैंक प्राथमिकता के आधार पर पद स्थापित करें। राज्य शासन द्वारा संचालित स्व-सहायता योजनाओं में बैंक समय पर ऋण उपलब्ध कराये।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिये बैंकों से अधिक से अधिक ऋण मिल पाये, इसके लिये आवश्यक है कि उनमें वित्तीय साक्षरता हो।

नगरों के विकास की सम्पूर्ण रूपरेखा बन रही है - मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंडसौर जिले में विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए।

मंडसौर, मध्यप्रदेश में ग्रामों की तरह नगरों के विकास की सम्पूर्ण रूपरेखा बन रही है। हाल ही में हुए पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन की तरह नगरीय निकाय के प्रतिनिधियों का राज्यस्तरीय सम्मेलन किया जायेगा। प्रदेश के नगरों के विकास पर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। सभी 413 नगरों में पुरानी अवैध कॉलोनियों को नाममात्र की राशि लेकर वैध किया जायेगा। मुख्यमंत्री भू-आवासीय अधिकार योजना में पात्र व्यक्तियों को पट्टे दिये जायेंगे। नियम और प्रक्रिया जनता की सहूलियत के लिये हैं, काम रोकने के लिये नहीं। जनता के कार्य बिना किसी रुकावट के किये जायें। किसानों को खाद वितरण के लिये अधिक केंद्र बनाये जायें। जो किसान डिफाल्टर हैं, उन्हें भी नगद राशि देने पर सोसायटी कार्यालय से खाद दिया जाये। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंडसौर जिले में मंडसौर गौरव दिवस समारोह में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट यशोवर्धन ने मंडसौर और मालवा के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। वे वीर और पराक्रमी थे। उन्होंने देशेरी आकांता हूणों

को परास्त किया था। उनके नाम पर मंडसौर गौरव दिवस मनाया जाना हम सबके लिये गौरव का विषय है।

श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक उज्जैन की तरह ही पशुपतिनाथ मंदिर के पास भी भव्य परिसर विकसित किया जायेगा। श्री पशुपतिनाथ मंदिर के विकास में बाबू शिवदास अग्रवाल, प्रतीकानंद महाराज और मस्तराम महाराज का अमूल्य योगदान रहा है। मंडसौर में शिवना नदी के शुद्धिकरण पर 28 करोड़ 91 लाख रुपये व्यय किये जायेंगे। गांधी सागर समूह जल-प्रदाय योजना से मंडसौर जिले के 629 गांव और रतलाम जिले के 191 गांव में पाइप लाइन से घर तक नल से जल पहुंचाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में मंडसौर जिले में विभिन्न योजनाओं के एक लाख 10 हजार हितग्राहियों का चयन किया गया है, जिनमें स्वीकृति-पत्र शीघ्र ही वितरित किये जायेंगे। मंडसौर में 34 करोड़ रुपये की लागत से सीएम राज्ज स्कूल बनाया जा रहा है, जो निजी स्कूलों से बेहतर होगा। यहां विश्वस्तरीय शिक्षा दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग की

पढ़ाई हिन्दी में प्रारंभ की गई है। बारहवीं कक्षा में 75 प्रतिशत एवं अधिक अंक लाने वालों को लैपटॉप दिये जा रहे हैं। उच्च शिक्षा की फीस भी सरकार भर रही है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंडसौर के गौरव दिवस पर 1512 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और 10 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के हितग्राहियों के खाते में आवास निर्माण के लिए 400 करोड़ रुपये की किश्त का सिंगल ब्लॉक से अंतरण किया। साथ ही इसी योजना में 50 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश और 51 हजार हितग्राहियों के आवासों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने आवास योजना के 5 हितग्राहियों को उनके आवास की चाबी सौंपी।

मुख्यमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम चरण के डेढ़ लाख हितग्राहियों को 10-10 हजार रुपये, द्वितीय चरण के एक लाख हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का ऋण वितरण और योजना के तृतीय चरण का शुभारंभ कर 2 स्ट्रीट वेंडर को 50-50 हजार रुपये का ऋण वितरित किया।

विभिन्न सेक्टरों में निवेश के लिए संबंधित विभाग प्रयास बढ़ाएं - मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जनवरी में इंदौर में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय दिवस में विभिन्न देशों से महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। उद्देश्य यह है कि देश-विदेश के महत्वपूर्ण औद्योगिक संस्थान मध्यप्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के साथ ही अन्य संबंधित विभाग भी विभिन्न सेक्टरों में निवेश वृद्धि के लिए आवश्यक प्रयास करें। विभागों के परस्पर समन्वय से इस समिट और सम्मेलन को अच्छी सफलता मिलेगी। विशेष रूप से ऊर्जा, पर्यटन, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, रियल स्टेट आदि क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के अनुरूप निवेश आने में आसानी होगी। उल्लेखनीय है कि 8 से 10 जनवरी तक

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन और 11 एवं 12 जनवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए इंदौर में इस वर्ष के प्रारंभ से ही जरूरी तैयारियां शुरू कर दी गई थीं।

मुख्यमंत्री समत्व भवन में जनवरी माह में इंदौर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय दिवस एवं सम्मेलन की अब तक हुई व्यवस्थाओं और तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। श्री चौहान ने समिट के आयोजन के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, अपर मुख्य सचिव प्रवासी भारतीय श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री मनीष सिंह और मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी श्री मनीष

सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमंत्रित प्रतिनिधियों के सम्मान और सभी व्यवस्थाओं का ध्यान रखा जाए। जो प्रतिनिधि श्री महाकाल लोक उज्जैन जाना चाहते हों, उन्हें भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय सम्मेलन में विभिन्न देशों के राजदूत, केंद्रीय मंत्री, प्रमुख उद्योगपति पधार रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट और प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा भी आवश्यक तैयारियों की जाएं। प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने देश के प्रमुख औद्योगिक संस्थान के साथ ही विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से हुए संवाद का उल्लेख करते हुए बताया कि अनेक प्रतिनिधि निवेश के लिए इच्छुक हैं।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला
साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
**खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।**

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कैंटीन की खबरे
- खम-खामकिय विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरे
- साप्ताहिक की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारी
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अट्टा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-टॉटलों
पट उपलब्ध



एस.वी. रमना

नेपाल में सीनियर स्पीड ट्रेकिंग का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

विश्व रिकॉर्ड धारक चेन्नई के 55 वर्षीय एस.वी. रमना ने नया रिकॉर्ड बनाया है। रमना ने नेपाल के फुल चौकी पहाड़ी पर सीनियर वर्ग में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर सबसे तेज ट्रेकिंग कर नोबल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया है। काठमांडू घाटी में फुल चौकी 2700 मीटर (8931 फीट) से अधिक ऊंचाई पर स्थित है। रमना ने 2 घंटे 32 मिनट के रिकॉर्ड समय में इस पहाड़ी पर चढ़ाई को सफलतापूर्वक पूरा किया।

उत्तराखंड में

भारत-अमेरिकी सेना के बीच हुआ युद्धाभ्यास

उत्तराखंड में चीन सीमा के पास औली में भारत और अमेरिकी की सेना के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास हुआ। दोनों सेनाओं ने आपदा की स्थिति में राहत-बचाव अभियान चलाने पर अभ्यास किया। युद्ध अभ्यास चीन से लगे एलएसी के पास बाड़ाहोती के करीब हुआ। एलएसी का बाड़ाहोती डिमिलिट्राइज्ड जोन है, जिस पर चीन भी अपना दावा करता है। युद्धाभ्यास के दौरान राहत-बचाव प्रदर्शन भी किया गया।

डेविड राश

कागज के प्लेन से निशाना लगा कर बनाया रिकॉर्ड

इडाहो के डेविड राश ने कागज से बना हुआ प्लेन 49.21 फीट दूर एक बाल्टी में फेंक कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। राश ने बताया कि कागज के प्लेन को बाल्टी में लैंड कराना आसान नहीं था। गिनीज ने राश को 19.68 फीट का लक्ष्य दिया था। राश एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्षों से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अब तक उन्होंने कुल 251 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं।

प्रीति सुदन

पूर्व स्वास्थ्य सचिव यूपीएससी सदस्य नियुक्त

पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सुदन को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। आईएएस, आईएफएस और आईपीएस के अधिकारियों के चयन के लिए यूपीएससी तीन चरणों में परीक्षा आयोजित करता है। 1983 बैच की प्रीति को सदस्य पद की शपथ दिलायी गयी। वह जुलाई 2020 में स्वास्थ्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुई थीं। सुदन ने महिला एवं बाल विकास और रक्षा मंत्रालय में भी कार्य किया है।

फ्लासी कैट

दुनिया की सबसे उम्रदराज बिल्ली बनी ब्रिटेन की फ्लासी नाम की बिल्ली को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने सबसे बुजुर्ग जीवित बिल्ली का खिताब दिया है। गिनीज के अनुसार फ्लासी की उम्र 26 साल और 300 दिन से ज्यादा हो चुकी है। यह किसी मनुष्य के



की संस्था को दे दिया गया था।

आइसलैंड में

हरा हुआ आसमान

आइसलैंड के दक्षिणी तट पर विलिंगाहोल्ट सर्फिकेजा की संस्था को दे दिया गया था।

घर्ष के ऊपर का आसमान एक दम हरा हो गया। आसमान का यह रंग बेहद डरावना था, जैसे किसी छाया ने शहर को घेर लिया हो। तस्वीरों को इंटरनेट, सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किया गया। कुछ लोगों ने आने वाले खतरे का संकेत बताते हुए तस्वीरों को शेयर भी किया। हालांकि विज्ञानियों का कहना था कि डरावना दिखने वाला यह आसमान पूरी तरह से प्राकृतिक है। यह एक दुर्लभ घटना है। हरा रंग बर्फ से बिखरी हुई रोशनी की वजह से होता है।

द गोल्डन कैनरी

303 कैरेट का पीला हीरा

न्यूयॉर्क के सुदबी नीलामी घर में ग्रेस पूर्वावलोकन के दौरान पीले रंग का 'द गोल्डन कैनरी' हीरा आकर्षण का केंद्र रहा। यह चमकता हीरा 303.10 कैरेट का है। इस माह जल्द ही इसकी नीलामी होने जा रही है। ऑकलन है कि यह 15 मिलियन डॉलर (लगभग एक अरब 22 करोड़ रुपये) से अधिक में नीलाम हो सकता है। यह विश्व के सबसे बड़े पॉलिश किए गए हीरों में से एक है।

जैक किंग

डिजिटल जादूगर के वीडियो को रिकॉर्ड व्यू मिले

इंटरनेट मीडिया पर तरह-तरह के जादू के वीडियो बनाने वाले जैक किंग के एक वीडियो को टिकटॉक पर रिकॉर्ड व्यू मिले हैं। वीडियो में जैक एक झाड़ू पर उड़ते दिखाई देते हैं। वीडियो के अंत में यह स्पष्ट हो जाता है कि झाड़ू पर उड़ने का करतब बस आँखों का भ्रम है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने उनके वीडियो को टिकटॉक पर सबसे ज्यादा बार देखे गये वीडियो का खिताब दिया है। 2019 में पोस्ट किए गए वीडियो को अब तक 2.2 अरब बार देखा जा चुका है।

अनूप जलोटा

संगीत अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित

प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा प्रदर्शन कला के क्षेत्र की उन 128 प्रतिष्ठित हस्तियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2019, 2020, 2021 के प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार जीते हैं। पद्मश्री से सम्मानित किए जाने के 10 साल बाद संगीत श्रेणी में वर्ष 2020 के लिए उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। अकादमी ने 3 साल की अवधि के लिए कला में समग्र योगदान के क्षेत्र से 128 कलाकारों का चयन किया है। जिनमें से प्रत्येक को एक लाख रुपये मिलेंगे।

निकोल किडमैन को

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलेगा अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट (एफएआई) ने घोषणा की है कि इस बार 55 वर्षीय हॉलीवुड अभिनेत्री निकोल किडमैन को 49वें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जायेगा। यह अवॉर्ड पाने वाली निकोल पहली ऑस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस होंगी। किडमैन को यह अवॉर्ड 10

जून 2023 को लॉस एंजेलिस में होने वाले गाला ट्रिब्यूट में प्रदान किया जायेगा।

जॉन मैकफॉल

अंतरिक्ष में भेजने के लिए पहली बार दिव्यांग यात्री का चयन

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने एक सड़क हादसे में अपने पैर गंवाने वाले एक व्यक्ति को अंतरिक्ष यात्रियों के अपने नये समूह में शामिल कर इतिहास रच दिया है। 41 वर्षीय जॉन मैकफॉल ने 19 साल की उम्र में अपना दाहिना पैर खो दिया था। ईएसए के अनुसार एक पैरास्ट्रोनॉट (दिव्यांग अंतरिक्ष यात्री) के लिए बुनियादी बाधाओं का पता लगाया जाएगा। अभी जॉन का प्रशिक्षण शुरू हो गया है।

पेरु में

प्रधानमंत्री टोरेस ने दिया इस्तीफा

पेरु के राष्ट्रपति पेद्रो कैस्टेलो ने विश्वासमत्ता हासिल करने से इंकार करने के बाद प्रधानमंत्री एनीबल टोरेस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कैस्टेलो ने टोरेस को उनके कार्यकाल में अच्छे कार्य करने के लिए धन्यवाद अदा किया है। उन्होंने टोरेस को विश्वासमत्ता हासिल करने के लिए समय भी दिया था, लेकिन टोरेस ने संसद में विश्वासमत्ता प्रक्रिया करवाने से इंकार किया था, जिसके चलते राष्ट्रपति ने उन्हें पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था।

ट्विटर

अलग-अलग रंगों के होंगे वैरिफाइड बैज

माइक्रो ब्लागिंग साइट ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने कहा है कि ट्विटर की वैरिफाइड सर्विस में जल्द ही बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने घोषणा करते हुए बताया कि कंपनी ट्विटर अकाउंट्स के लिए अलग-अलग रंग के टिक मार्क लाने की योजना शुरू करेगी। अब गोल्डन और ग्रे रंग के टिक मार्क भी होंगे। कंपनियों के लिए गोल्डन, सरकार और सरकारी संस्थाओं के लिए ग्रे और आम लोगों के लिए नीले रंग के टिक मार्क होंगे।

नासा

मून मिशन ने चंद्रमा के 4 इलाकों की तस्वीरें लीं

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के ओरिजनल स्पेस क्राफ्ट ने चंद्रमा की सबसे करीब से तस्वीरें खींची हैं। इसे नासा ने अपने शक्तिशाली रॉकेट स्पेस लॉन्च सिस्टम के जरिये चांद का चक्कर लगाने भेजा है। यह आर्टेमिस-1 मिशन का हिस्सा है, जो नासा के इसानी मून मिशन आर्टेमिस का पहला चरण है। चंद्रमा की फोटो ओरिजन के ऑप्टिकल नेविगेशन सिस्टम ने ली हैं। माना जा रहा है कि ये कि अपोलो मिशन खतम होने के बाद ली गई चांद की सबसे नजदीक फोटोज हैं।

मिथ में

प्राचीन रानी के पिरामिड के साथ ताबूत और सोने के मुखौटे मिले

पुरातत्त्वविदों ने मिथ में एक प्राचीन रानी के पिरामिड की खोज की है। रानी का नाम नीथ था। खुदाई में उन्हें ताबूत, ममी, कलाकृतियां और आपस में जुड़ी सुरंगें भी मिली हैं। दो साल से काहिरा से 32 किलोमीटर दूर पुरातात्विक स्थल सकरारा में खुदाई हो रही थी। ताबूतों और ममियों को राजा तूतनखामेन के करीबी जनरलों और सलाहकारों से संबंधित माना जा रहा है। सुरंगों में उस काल के 300 सुंदर ताबूत मिले हैं। एक ताबूत पर ठोस सोने से बना मुखौटा भी मिला है।

सोनम बांगचुक

डॉक्टर ग्रेगोरियस पुरस्कार से सम्मानित

लद्दाख के इंजीनियर सोनम बांगचुक को डॉक्टर पॉलोस मार ग्रेगोरियस पुरस्कार प्रदान किया गया है। बॉलीवुड फिल्म श्री इंडियटस में बांगचुक के जीवन से प्रेरित होकर एक चरित्र रचा गया था। सोफिया सोसायटी ऑफ मलानकारा (इंडियन) आर्योडॉक्स चर्च ने इस पुरस्कार की शुरुआत की थी। यह पुरस्कार हर दूसरे साल फर्स्ट मैट्रोपॉलिटन ऑफ दिल्ली डायोस और दार्शनिक डॉक्टर पॉलोस मार ग्रेगोरियस की स्मृति में दिया जाता है।

मल्लिका साराभाई

केरल कलामंडलम विश्वविद्यालय की कुलपति बनीं

केरल कलामंडलम मानद विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया। संस्कृति मामलों के विभाग द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि उन्हें मेमोरैंडम ऑफ एंजॉसिएशन ऑफ द कलामंडलम के उस उपखंड के अनुसार इस शीर्ष पद के लिए चुना गया है जो कहता है कि कुलपति प्रायोजक निकाय द्वारा कला और संस्कृति के क्षेत्र में नियुक्त एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होगा।

स्मृति शेष

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा अभिनेता विक्रम गोखले का निधन

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता विक्रम गोखले का 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। रंगमंच, टेलीविजन और फिल्मों में अभिनय कर चुके विक्रम ने अग्निपथ, हम दिल दे चुके सनम, हल भूलेया सहित कई फिल्मों में अभिनय किया है।

ऑस्कर सम्मानित अभिनेत्री आइरीन कारा का निधन

ऑस्कर, गोल्डन ग्लोब और दो बार की ग्रेमी पुरस्कार विजेता गायिका आइरीन कारा का 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 1980 की हिट फिल्म 'फेम', से वह मशहूर हुई थीं। कारा को कैंसर के दौरान बिलबोर्ड हॉट 100 पर 3 शीर्ष 10 हिट मिली जिनमें ब्रेकडॉन्स, आउट हियर आन माई ओन, फेम और प्लेशडॉन्स : व्हाट ए फ्रीलिंग शामिल है।

चीन के पूर्व राष्ट्रपति जेमिन का निधन

वर्ष 1989 में हुए ध्वने आन मन चौक नरसंहार के बाद चीन को आर्थिक सुधार के साथ शीर्ष पर लाने वाले चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन का 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे।

प्रसिद्ध कारोबारी विक्रम किलोस्कर का निधन

ऑटो कंपनी टोयोटा किलोस्कर मोटर लिमिटेड के वाइस चेयरमैन विक्रम किलोस्कर का 64 वर्ष की उम्र में हृदयघात से निधन हो गया है। उन्होंने लंबे समय तक टोयोटा कंपनी का प्रबंधन संभाला था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : युगल से साभार)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1 ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ई-मेल : cepwd1gw@mp.nic.in

निविदा क्रमांक 50/डी-1/ग्या./2022-23 दिनांक : 01.12.2022
मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 50 ग्वालियर दिनांक 01.12.2022 द्वारा प्रचलित भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.22/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण <http://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखे पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।
सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 ग्वालियर के मेडीकल सेक्शन-1 के अंतर्गत जे.ए.एच. हॉस्पिटल स्थित बंगला क्र.-2 में विशेष मरम्मत एवं अन्य आवासीय भवनों में आवश्यक मरम्मत कार्य।

टेन्डर आई.डी.	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु.	(2) अमानत राशि	टेन्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2022_PWDRB_235527_1	1. 11.89 लाख	2. 23780/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
2. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के डबरा सेक्शन अंतर्गत मार्ग, पुल एवं पुलिया का मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235528_1	1. 19.98 लाख	2. 40000/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
3. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के डबरा सेक्शन अंतर्गत पंच मरम्मत का कार्य।					
2022_PWDRB_235529_1	1. 19.99 लाख	2. 40000/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
4. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के पिछोर एवं मकाड़ा सेक्शन अंतर्गत आवासीय भवनों में कलरवॉश एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235530_1	1. 10.00 लाख	2. 20000/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
5. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के पिछोर सेक्शन अंतर्गत मार्ग, पुल एवं पुलिया का मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235531_1	1. 19.80 लाख	2. 39600/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
6. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के भितरवार सेक्शन अंतर्गत आवासीय भवनों में रेनोवेशन एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235532_1	1. 19.99 लाख	2. 40000/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
7. डबरा उपसंभाग डबरा ग्वालियर के पिछोर सेक्शन अंतर्गत आवासीय भवनों में रेनोवेशन एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235533_1	1. 19.90 लाख	2. 39800/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 07 (सात)
ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि 01.12.2022 प्रातः 10:30
ऑनलाइन निविदा दर् प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20.12.2022 सायं 17:30
ऑनलाइन निविदा दर् खुलने की तिथि 22.12.2022 प्रातः 10:30
निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-20188/47861/2022 लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1 ग्वालियर (म.प्र.)

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, इन्दौर परिक्षेत्र, इंदौर

फोन : 0731-2541498, फैक्स : 0731-2536575,

(Email ID : cepheidind@nic.in & cepheidind@gmail.com)

निविदा सूचना क्रमांक-06/2022-23 दिनांक : 02.12.2022
इन्दौर परिक्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न खण्डों के जल जीवन मिशन अंतर्गत विभागीय कार्यों की सहायता हेतु क्रियान्वयन सहायता संस्था नियुक्त किये जाने हेतु निम्नानुसार निविदा सूचना ई-टेंडरिंग पद्धति से ई-टेंडर पोर्टल (<http://www.mptenders.gov.in/nicgep/app>) पर निविदा प्रपत्र 'अपेन्डिक्स-2.10' प्रतिष्ठित दर पर आमंत्रित की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का विवरण :- 1. Tender for engagement of Implementation Support Agencies (ISAs) to support the GP/VWSCs in implementation of Jal Jeevan Mission (JJM) 60 Villages of Distt. Alirajpur

सिस्टम टेंडर क्रमांक	जिले/खण्ड का नाम	आमंत्रण का प्रकार	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा क्रय एवं जमा की जाने की अंतिम तिथि
2022_PHED_233436	Alirajpur	प्रथम	25.71	50000/-	19.12.2022

क्र. एवं कार्य का विवरण :- 2. Tender for engagement of Implementation Support Agencies (ISAs) to support the GP/VWSCs in implementation of Jal Jeevan Mission (JJM) 150 Villages of BLOCK BADNAGAR, MAHIDPUR & UJJAIN Distt. Ujjain, Group-02

सिस्टम टेंडर क्रमांक	जिले/खण्ड का नाम	आमंत्रण का प्रकार	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा क्रय एवं जमा की जाने की अंतिम तिथि
2022_PHED_233437	Ujjain	प्रथम	68.26	68260/-	19.12.2022

क्र. एवं कार्य का विवरण :- 3. Tender for engagement of Implementation Support Agencies (ISAs) to support the GP/VWSCs in implementation of Jal Jeevan Mission (JJM) 92 Villages of Distt. Mandsaur

सिस्टम टेंडर क्रमांक	जिले/खण्ड का नाम	आमंत्रण का प्रकार	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा क्रय एवं जमा की जाने की अंतिम तिथि
2022_PHED_233438	Mandsaur	प्रथम	42.89	50000/-	19.12.2022

क्र. एवं कार्य का विवरण :- 4. Tender for engagement of Implementation Support Agencies (ISAs) to support the GP/VWSCs in implementation of Jal Jeevan Mission (JJM) of 200 Villages of Distt. Khargone Group 1

सिस्टम टेंडर क्रमांक	जिले/खण्ड का नाम	आमंत्रण का प्रकार	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा क्रय एवं जमा की जाने की अंतिम तिथि
2022_PHED_233439	Khargone	प्रथम	90.36	90360/-	19.12.2022

क्र. एवं कार्य का विवरण :- 5. Tender for engagement of Implementation Support Agencies (ISAs) to support the GP/VWSCs in implementation of Jal Jeevan Mission (JJM) of 200 Villages of Distt. Khargone Group 2

नोट :
1. निविदा के अन्य विवरण की विस्तृत जानकारी <http://www.mptenders.gov.in> पर देखी जा सकती है।
2. उपरोक्त निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार-पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। उक्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।
अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट)
जी-20182/47860/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, इंदौर परिक्षेत्र इंदौर



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 10895/23/2014/स्थापना

इन्दौर, दिनांक : 08.12.2022

पदनाम - सिस्टम एनालिस्ट (संविदा रक्षित)

चयन - सूची

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 02/2022 दिनांक 27.06.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि/सूचनाओं आदि के माध्यम से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के लिए पदनाम - सिस्टम एनालिस्ट (संविदा रक्षित) के निम्नांकित तालिका में दर्शित पद विज्ञापित किए गए हैं। निम्नांकित तालिका में दर्शित पदों के लिये अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार दिनांक 30.11.2022 को आयोजित किए जाने के परिणामस्वरूप आवेदकों के साक्षात्कार में प्राप्तों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नांकित चयन सूची घोषित की जाती है :

सिस्टम एनालिस्ट (संविदा रक्षित) (मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय हेतु)					
पद विवरण तालिका					
अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	0	1

मुख्य सूची					
स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी

1.	1002	NEERAJ VISHWAKARMA	M	UNR	OBC
----	------	--------------------	---	-----	-----

अनुपूरक सूची					
स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी	

1	1006	ANKAJ KUMAR DESHMUKH	M	OBC	
---	------	----------------------	---	-----	--

टीप :
1. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार रहेगा।
2. चयनित अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप में संविदा अनुबंध निष्पादित करना अनिवार्य होगा जिसका अक्षरशः पालन किया जाना चयनित अभ्यर्थी के लिए बंधनकारी होगा।

जी-20279/47868/2022
सचिव, म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर



M.P. Power Generating Company Limited
(Govt. of M.P. Undertaking)
CIN : U40109MP2001SGC014882, OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
(O & M) 2/45 NEW RASHTREEY MPCCCL, BHARGANAGAR DISTT. JABALPUR (M.P.)
482056, Web : mppgep.mp.gov.in, E-mail : secandmbargi@gmail.com

क.अ.प (संसाधन/बरी/अपेन्डिक्स/1207) बरीनगर, दिनांक : 05.12.2022

अपेन्डिक्स एन्ट 1961 के अंतर्गत आई.टी.आई. अपेन्डिक्स के आवेदन हेतु विस्तृत विज्ञापन

मध्यप्रदेश पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड जो म.प्र. के राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कंपनी है, जिसका मुख्यालय रानी अक्की बाई सागर जल विद्युत पृष्ठ बरी नगर, जबलपुर में स्थित है, के कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संसाधन/सा.) म.प्र.जी.न.क.लि. बरी जिला-जबलपुर द्वारा म.प्र. के मूल निवासी अभ्यर्थी के लिए निम्नलिखित आई.टी.आई. (एन.सी.सी.टी./एस.सी.सी.टी.) ट्रेड :- फिटर, वेल्डर, मोनोफेज अंतर्गत कुल 8 रीतिवों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित है। नोट :- 1. आई.टी.आई. उत्तरीय उम्मीदवार के आवेदन शासन की वेबसाइट www.apprenticeshipindia.gov.in के माध्यम से दिनांक 28.12.2022 की मध्याह्न (11.59) तक ऑनलाइन पद्धति से स्वीकार किये जावेंगे। 2. शिक्षा प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तक रहेगी, जिसमें नियमानुसार स्टैण्डर्ड देय होगा। 3. आवेदन करने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु दिनांक 01.11.2022 को न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 27 वर्ष होगी चाहिये एवं एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस./विश्वीय को आयु में छूट शिक्षा नियम (संशोधन) एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 4. उक्त रीतिवों की संख्या परिलेखनीय है तथा कंपनी को रीतिवों भरने या ना भरने का अधिकार रहेगा। 5. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग हेतु आरक्षण शिक्षा नियम (संशोधित) एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 6. उम्मीदवार विज्ञापन का विस्तृत विवरण वेबसाइट <http://mppgep.mp.gov.in/careers.html> पर देखा सकते हैं अथवा कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संसाधन/सा.) म.प्र.जी.न.क.लि. बरीनगर जिला-जबलपुर में कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते हैं।
"जिसकी भी बचत करे"
आर-47863/2022
अधी. अभियंता (संसाधन/सा.)
म.प्र.जी.न.क.लि. बरी नगर, जबलपुर

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.enewrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 947/2022-23/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 30.11.2022
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.12.2022 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_234777	टर्न की पद्धति पर : मोहनिया लघु योजना के बांध एवं नहर का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	रायसेन	655.46

जी-20242/47867/2022 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

आष्टा में एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने ऊर्जीकृत किया 63 एम.वी.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर

भोपाल, म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने आष्टा क्षेत्र में बहते विद्युत लोड के मद्देनजर 132 के.वी. सब-स्टेशन आष्टा में क्षमता वृद्धि करते हुए 63 एम.वी.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। गत दिवस इस पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया, जिससे आष्टा सब-स्टेशन की क्षमता बढ़कर 123 एम.वी.ए. हो गई है।

ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता भोपाल श्री आर.के. खरे ने बताया कि ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सीहोर जिले की पारेषण क्षमता को मजबूती मिली है। साथ ही इस रबी सीजन में जावर, खाचरौद, इछावर, आष्टा, किलेरामा, ढोड़ी, लासुदिया क्षेत्रों में भरोसेमंद विद्युत का पारेषण हो सकेगा। इससे कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत उचित वोल्टेज पर प्राप्त हो सकेगी।

श्री खरे ने बताया कि नये 63 एम.वी.ए. के पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सीहोर जिले की पारेषण क्षमता एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। अब सीहोर जिले की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढ़ कर 849 एम.वी.ए. की हो गई है।

सीहोर जिले में म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी अपने 10 अति उच्चदाब सब-स्टेशनों से विद्युत पारेषण करती है। इसमें 400 के.वी. सब-स्टेशन आष्टा, 220 के.वी. सब-स्टेशन बुधनी तथा 132 के.वी. के 8 सब-स्टेशन आष्टा, सीहोर, शाहगंज, इछावर, श्यामपुर, वित्तिकसगंज, गोपालपुर एवं नसरुल्लागंज शामिल हैं।

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, रीवा (म.प्र.), Ph. - 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति
संभाग रीवा के अंतर्गत वाह्य विद्युतीकरण कार्य आर.एफ.एस.एल. रीवा जिला रीवा एवं बाह्य विद्युतीकरण कार्य 1सी+1एफ+32एच आवासगृह पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय रीवा, जिला रीवा के कार्य हेतु निविदा क्रमांक 15/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHC/TENDER NO. 2022_MPPHC_235722_1 & 235725) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 21.12.2022 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण Portal : <http://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/107522/47882/2022 परियोजना यंत्री

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
Mob. : 9425601523/8871571988

प्रेस विज्ञप्ति
संभाग रीवा अंतर्गत निर्माण कार्य पुलिस चौकी/बैरिक भवन मेहर देवीजी, जिला सतना हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 16/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHC/TENDER NO. 2022_MPPHC_236731_1) आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 24.12.2022 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण Portal : <http://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/107592/47872/2022 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, मदमदा रोड संभाग क्रमांक-05 भोपाल-462003,
Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpmhidchp13@gmail.com
क्र.नम्रपुजाअविप/884/चर्च/भोपाल-05/तसा/2022 भोपाल, दिनांक : 05.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति
भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम् में नवीन विस्तरित अस्पताल भवन मय 02 एफ, 2 जी एवं 2 एच टाइप आवास गृह का निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-11/2022-23 (टेंडर क्रमांक-236266) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 05.01.2023 सायं 5:00 बजे तक खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/107556/47884/2022 परियोजना यंत्री

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 मदमदा रोड, भोपाल
क्र./1402/तसा/प.च./2022 दिनांक : 02.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति
इस कार्यालय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र न्याना जिला गुना में नवीन 30 बिस्तरिय अस्पताल भवन मय 02 एफ, 02 जी एवं 02 एच टाइप आवास गृह का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2022_MPPHC_235891_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 14.12.2022 समय 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक सूचनाएं उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/107547/47880/2022 परियोजना यंत्री

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002
Email : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति
मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 19/2022-23 होमगार्ड ऑफिस सविल लाइन, जबलपुर में मरम्मत कार्य ऑनलाइन (निविदा क्र. 2022_MPPHC_236220) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.12.2022 तक खरीद कर दोपहर 12:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक सूचनाएं उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/107542/47879/2022 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल विज्ञापन

मण्डल द्वारा "समूह-1 उप समूह-1 के अंतर्गत जिला वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी, प्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रक) (कार्यपालक) पदों की भर्ती एवं समूह-2 उप समूह-1 के अंतर्गत ग्रामीण उद्यान विकास अधिकारियों एवं सहायक गुणवत्ता नियंत्रक के (कार्यपालक) पदों की भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2022" के अंतर्गत वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी पद हेतु आवेदित समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि उक्त परीक्षा के प्रश्न-पत्र कोड-बी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी पद हेतु दिनांक 04.11.2022 को द्वितीय पाली में 02.30 से 05.30 तक आयोजित परीक्षा को तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है एवं प्रश्न-पत्र कोड-बी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी पद हेतु पुनः परीक्षा का आयोजन दिनांक 14.12.2022 को आयोजित की जायेगी तथा उक्त परीक्षा के वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी के पद हेतु समस्त आवेदित अभ्यर्थियों के प्रवेश-पत्र शीघ्र जारी किए जायेंगे।
विज्ञापन क्रमांक 34/2022
म.प्र. माध्यम/107561/47885/2022 संचालक

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)-482002, E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति
मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 20/2022-23 (सी.एस. राइज योजना अंतर्गत स्वीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकुलपुरा, जिला-डिण्डौर) में बाह्य विद्युतीकरण लाइन शिफ्टिंग का कार्य। (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_236611) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 14.12.2022 दोपहर 12.00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक सूचनाएं उक्त वेबसाइट पर ही किये जावेंगे। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/107588/47871/2022 परियोजना यंत्री

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ईमेल : eevsvkv@gmail.com, फोन : 0751-2467680
क्र./ज.सं./का.पं./2022/2038 दिनांक : 07/12/2022

// प्रेस विज्ञप्ति //
निविदा सूचना क्रमांक/E.E./Tender/2022/Gwalior/2000 Dt. 01.12.2022 रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत विद्युत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा 2022_RVSKV_236193_1, 2022_RVSKV_236194_1, 2022_RVSKV_236195_1, 2022_RVSKV_236196_1, 2022_RVSKV_236197_1 एवं 2022_RVSKV_236198_1 आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 23.12.2022 तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं।
कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर
R-47865/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL (M.P.) 462011
NOTICE INVITING TENDER No. 1037 (RCPLWEA-Bridge) (Batch-I, Year 2022-23)
No.17290/22/D-12/MPRRDA/2022 Dated : 09.12.2022
Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years default liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal <https://www.pmsgsyntenders.gov.in>. As detailed below:
• **Name of Work** - Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
• **SSR Applicable** - SOR issued by Engineer-in-Chief MPPWD Bhopal for Road and Bridge work effective from 29.08.2017 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Balaghat	28	32	1999480000/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in www.pmsgsyntenders.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from 13.12.2022 (17:30 hrs.) and last date for online bid submission is 04.01.2023 (17:00 hrs.)
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.
Madhyam/107633/47886/2022 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462011
Short NIT No. 17211 Dated : 07.12.2022
Online tenders (in two envelope system) are invited from registered and reputed vendors on E-tender portal (www.mptenders.gov.in) for maintenance of walmi campus under MPRRDA & RRNMU Bhopal on terms and conditions given in detailed NIT. Critical dates for submission of offer are as given below :-

S.No.	Stages	Date & Time
1.	Publishing Date	12.12.2022 from 17.00 hrs.
2.	Document Download/Sale Start Date	12.12.2022 from 17.30 hrs.
3.	Bid Submission Start Date	13.12.2022 from 11.00 hrs.
4.	Bid Submission Closing Date	27.12.2022 upto 17.00 hrs.
5.	Bid Opening Start Date	29.12.2022 from 11.00 hrs.

Other details may be seen in detailed NIT available on tender portal www.mptenders.gov.in.
Date of opening of Financial offer will be notified on the portal after evaluation of Technical bid.
M.P. Madhyam/107600/47874/2022 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

मुख्यमंत्री से मिले राज्य सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष
भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राज्य सांख्यिकी आयोग के प्रथम अध्यक्ष श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने सौजन्य भेंट की। मध्यप्रदेश में मातृ-मृत्यु दर, नवजात शिशु-मृत्यु दर, शिशु-मृत्यु दर और कुपोषण कम करने के लिए गठित किए गए टॉस्क फोर्स की अध्यक्ष अर्यशास्त्री प्रो. शमिका रवि, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल (AIGGPA) के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी, संस्थान के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी और ओएसडी मुख्यमंत्री कार्यालय श्री लोकेश शर्मा भी उपस्थित थे।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Regional Office : 101, First Floor, Atuliyi IT Park, Near Crystal IT Park
Khandwa Road, Indore - 452001 (M.P.) (CIN : U5102MP1977SGC001392)
Phone : (0) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in
No. MPIDC/R.O.-INDORE/TECH/2022/9671 Date : 09.12.2022

NOTICE INVITING TENDER
MPIDC Regional office Indore (formerly known as MPKVN(I) Ltd., Indore) invites online Percentage Rate tender from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : <https://www.mptenders.gov.in> as mention below :

S. No.	Name of work	PAC	Cost of Tender Form	EMD	Last Date of Submission
1.	Miscellaneous Civil and Electrical works along with Operation and Maintenance for a period of Two years at Industrial Area Sector No. 2 & 3 Dewas (M.P.)	Rs. 58.39 Lakhs + GST	Rs. 11800/- i/c GST	Rs. 58,390/-	23.12.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
Note : The NIT will be uploaded on website of e-procurement system- <https://www.mptenders.gov.in> within 3 days from publication in news paper.
M.P. Madhyam/107636/47887/2022 EXECUTIVE ENGINEER

राय साहब मैक्सिमि महाविद्यालय
(मध्यप्रदेश शासन एवं एनसीटीई से मान्यता प्राप्त और बरकरारतल विध्वंसितकरण से सम्बन्धित) रात्ता, नसरुल्लामग, जिला सीहोर पिन 466331 (म.प्र.) फोन नं. 9229958661, 7049813180

कॉलेज कोड-28 के अन्तर्गत शिक्षा संकाय (B.Ed) में निम्न नियुक्तियों की जाना है
(अ) सहायक प्राध्यापक (शिक्षा) के परिप्रेष्य या आधारीक पाठ्यक्रम) - 01
शैक्षणिक योग्यता: समाजिक विज्ञान विषयों में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि एवं 55 प्रतिशत अंकों के साथ एम.एड. उपाधि या 55 प्रतिशत अंकों के साथ एम.ए. शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि तथा 55 प्रतिशत अंकों के साथ बी.एड./बी.एल.एड. तथा नेट या पी.एचडी एवं अन्य अर्हताएँ एनसीटीई के नियमानुसार।
(ब) सहायक प्राध्यापक (पाठ्यचर्या तथा शिक्षण-शास्त्रीय पाठ्यक्रम) - 01
शैक्षणिक योग्यता: विज्ञान/गणित/भाषा/सांख्यिक विज्ञान में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर, 55 प्रतिशत अंकों के साथ एम.एड. उपाधि तथा नेट या पी.एचडी एवं अन्य अर्हताएँ एनसीटीई के नियमानुसार।
नोट: उपर्युक्त अ और ब को एक साथ मिला कर, एक संकाय पद के लिए समावेशन, मनोविज्ञान, या दर्शनशास्त्र में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ एक स्नातकोत्तर डिग्री तथा किसी माध्यमिक विद्यालय में तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव विचारणीय होगा।
नोट : वैतन नियमानुसार एवं आवासीय सुविधा ऐच्छिक।
समस्त दस्तावेजों के साथ विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिवस में उपरोक्त पते पर आवेदन करें
रा sbcollege@yahoo.in पर ई-मेल करें।
R-47888/2022

कोल देवलोक

कोल जनजाति की उत्पत्ति एवं इतिहास

कोल जनजाति के संबंध में कई धारणाएँ एवं लोक कथाएँ प्रचलित हैं, किन्तु उनका कोई ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। प्रचलित किंवदंतियों एवं कोल देवलोक अध्ययन के दौरान कोल समाज के बुजुर्ग व्यक्तियों एवं मुखियाओं के द्वारा बताया गया है कि प्राचीनकाल में जंगल में साधुओं के आश्रम में एक गोह रहती थी। वह साधुओं एवं महात्माओं के झूठे भोजन एवं फल खाकर अपना जीवन यापन करती थी। गोह की मृत्यु होने पर आश्रम के साधुओं एवं महात्माओं के द्वारा उसे अगले जन्म में मनुष्य रूप में जन्म लेने का वरदान दिया गया।

दक्षिण भारत में पंपा सरोवर के पास शबरी मठ गुरु के आश्रम में उनकी शिष्या वनकर सेवा एवं भक्ति करने के साथ ही वन में निवासरत लोगों एवं कोल, भील शबर आदि जनजातियों के लोगों को शिक्षा देने लगीं। कोल, भील, शबर आदि ने शबरी को गुरु माँ और जननी के रूप में माना। इस प्रकार शबरी की संतान को ही कोल जाति के नाम से ही जाना जाता है।

निवास क्षेत्र - कोल जनजाति मध्यप्रदेश के विशेषकर उत्तरी पूर्वी जिले क्रमशः रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, छिन्नी, मण्डला के अतिरिक्त जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, होशंगाबाद, सागर, रायसेन, छिंदवाड़ा, बालाघाट और नरसिंहपुर जिलों में पाई जाती है। रीवा जिले में सिरौर, नईगढ़ी, हनुमना, मडगंज, त्योंधर, जवा, सेमरिया, गंगेव, विकासखंड में सीधी जिले के कुसमी, सिहावल, सीधी, मझौली, रामपुरनैकिन विकासखंड में सिंगरौली जिले के देवसर, बैड़न, और चित्तौरी विकासखंड में सतना जिले के सोहावल, मझगांव, रामपुर बघेलान, अमरपाटन, रामनगर, मैहर और नागोद विकासखंड में शहडोल जिले के सोहागपुर, पाली, गोहपारु, बुधर, जयसिंहनगर, और खोहारी विकासखंड में अनूपपुर जिले के जैतहरी, कोतमा, पुष्करागढ़ विकासखंड में उमरिया जिले के मानपुर और करकेली विकासखंड में जबलपुर जिले की सीहोरा और कटनी जिले की मुरवारा तहसील में कोल जनजाति निवास करती है।

मध्यप्रदेश के अतिरिक्त कोल जाति झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, छत्तीसगढ़ और उत्तरप्रदेश में भी पाई जाती है। उत्तरप्रदेश में कोल जाति प्रयागराज वाराणसी, बाँदा और मिर्जापुर जिलों में पाई जाती है। मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कोल जाति को अनुसूचित जनजाति तथा उत्तरप्रदेश में कोल जाति को अनुसूचित जाति के रूप में अनुसूचित किया गया है। झारखंड में कोल जनजाति देवघर, दुमका एवं गिरिडीह जिले में पाई जाती है।

कोल देवलोक अर्थात देवी-देवता

कोल जनजाति में अलग-अलग गोत्र की अलग कुल देवी-देवता होते हैं। देवी देवताओं की पूजा त्योहारों, उत्सवों तथा जन्म, विवाह, मृत्यु संस्कारों में की जाती है। कोल देवलोक के अध्ययन के दौरान प्रतीत होता है कि कोल जनजाति में धर्म की उत्पत्ति उनकी आस्था अनुष्ठान का केन्द्र होती है। कोल जनजाति में विभिन्न प्रकार के रीति-रिवाजों, परम्परा, देव आराधना, देवी-देवताओं में आस्था से संबंधित प्रथा को कोल देवलोक के नाम से जाना जाता है।

कोल देवलोक के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के देवी-देवताओं की पूजा समय-समय पर मान्यताओं के अनुसार की जाती है। वर्तमान

में हिन्दुओं के निकट संपर्क में रहने के कारण कोल जाति में उनके आराध्य देवी-देवताओं के साथ ही शंकर भगवान, वनरों बली, दुर्गा माँ एवं शारदा माँ, काली शंकर, राम, लक्ष्मण, सीता, दुर्गा देवी, शारदा देवी, आदि देवी-देवताओं को भी मानते हैं।

कोल जनजाति के लोगों का देवी-देवताओं, जादू-टोना, भूत-प्रेत, झाड़ू-फूंक आदि पर अधिक विश्वास एवं आस्था होती है। कौड़ा एवं जहरीले जीव-जन्तुओं के काटने पर झाड़ू-फूंक का सहारा लिया जाता है। झाड़ू-फूंक का कार्य भुइहार अथवा गुनिया द्वारा किया जाता है। कोल जाति के कई देवी-देवता हैं, जिन पर वह अटूट श्रद्धा और विश्वास रखते हैं।

कोल लोग जादू-टोना में भी विश्वास रखते हैं। वीमारियों का इलाज परम्परागत ढंग से करते हैं। रामनवमी के अवसर पर कोल पुरुष भाव लेते हैं। भाव के समय यह माना जाता है कि भाव लेने वाले व्यक्ति पर देवी को वास हो गया है। भाव लेने वाले पुरुष अपने जीभ एवं गाल लोहे के भाला से छेदकर नाचते हैं। कोल देवलोक के अंतर्गत निम्नलिखित देवी-देवताओं का कोल समाज में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है:-

(01) सिंगबांगा - सिंगबांगा कोल समाज के प्रमुख देवता माने जाते हैं। सिंगबांगा को सूर्यदेव के नाम से भी जाना जाता है। कोल की एक उत्पत्ति कथा के अनुसार प्राचीनकाल में कोल, कुंडा समूह के देवता ओटे-बोरम और सिंगबांगा ने सृष्टि की रचना के लिए एक नर और नारी को जन्म दिया और उन्हें एक गुफा में रखा गया। जब बहुत समय व्यतीत होने के पश्चात भी उनमें आपस में संसर्ग नहीं हो पाया तो सिंगबांगा ने नर-नारी को घावल की मदिरा बनाने और सेवन करने का उपाय बतलाया। कुछ समय पश्चात उनके इस उपाय से उन दोनों के आपसी संसर्ग से बच्चा पुत्र और पुत्रियों का जन्म हुआ। इस प्रकार से 'सिंगबांगा' कोल समाज के इष्ट देवता माने जाते हैं।

(02) ग्राम देवता - कोल जाति के लोगों की मान्यता है कि ग्राम देवता बीमारी आदि से गांव के निवासियों की रक्षा करते हैं। ग्राम देवता की पूजा अर्चना समय-समय पर कोल समाज के सभी घर में करते हैं। इनकी पूजा कुंवार और चैत्र के महीने की नवरात्रि में की जाती है।

(03) बड़ा देव - कोल समाज में बड़ा देव सर्व व्याप्त देवता माने जाते हैं जिनकी पूजा आराधना समय-समय पर इन लोगों के द्वारा की जाती है, क्योंकि कोल जाति के लोगों का मानना है कि बड़ा देव बीमारी आदि से उनकी रक्षा करते हैं। इनकी पूजा कुंवार और चैत्र के महीने की नवरात्रि में की जाती है।

(04) अहीरा बाबा - कोल लोग अहीरा बाबा को पशुधन के रक्षक मानते हैं। कोल समाज के लोग भी पशुधन के रूप में गाय, बैल, भैंस, बकरी पालते हैं और उनको चराने के लिए जंगल में ले जाते हैं। कोल लोगों का विश्वास है कि जंगल में शेर, तेन्दुआ, चीता आदि से उनके पशुधन की रक्षा अहीरा बाबा करते हैं। इस मान्यता के कारण कोल समाज के लोग अहीरा बाबा की पूजा आराधना करते हैं।

(05) घासी-घमसान देव - घासी-घमसान देव कोलों के पूर्वजों के प्रतीक माने जाते हैं, इनका देवस्थान गांव के बाहर रहता है। इनकी पूजा मुख्य रूप से कुंवार और चैत्र के महीने की नवरात्रि तथा समय-समय पर की जाती है एवं अन्य त्योहार के समय भी कोल जाति के लोग घासी-घमसान देवता की पूजा अर्चना करते हैं।

(06) संन्यासी भैरव देव बाबा - कोल जाति में ऐसी मान्यता है कि संन्यासी देव बीमारियों से रक्षा करते हैं, जिसके फलस्वरूप

कोल लोग संन्यासी भैरव देव बाबा की पूजा करते हैं। इनका चबूतरा या देवस्थान भी गांव के बाहर होता है।

(07) वनसती देवी - वनसती देवी पहाड़ों और जंगलों में पत्थर की मूर्ति के रूप में निवास करती है। वनसती देवी वन और वनस्पति की प्रतीक मानी जाती है। कोल जाति के लोगों का मानना है कि वन में पशु और पालतू जानवर गुप्ते पर या रात्रि हो जाने पर मनुष्य और पशु के प्राणों की रक्षा करती हैं। कोल जाति के लोगों के द्वारा वनसती देवी की भी पूजा की जाती है।

(08) शारदा माई - मध्यप्रदेश के सतना जिले में मैहर में शारदा माँ का मंदिर स्थित है। मैहर में शारदा माँ को अन्य हिन्दुओं की भांति ही कोल समाज के लोग अपनी आराध्य देवी के रूप में मानते हैं। समय-समय पर चैत्र और नवरात्रि के समय ये लोग शारदा माँ की पूजा एवं आराधना करते हैं।

(09) वद्योत देवता - कोल जाति के लोग अधिकांशतः जंगलों में रहते हैं, जहां पर बाघ आदि जानवरों से हमेशा उनका घरा बंधा होता रहता है, जिनसे वद्योत देवता उनकी रक्षा करते हैं।

वद्योत कोल समाज के प्रमुख देवता माने जाते हैं। वद्योत देवता का चबूतरा घर के अन्दर रहता है। वद्योत देवता की पूजा कुंवार माह की नवरात्रि में एवं अगहन माह में की जाती है।

(10) मरी माता - मरी माता का स्थान या चबूतरा गांव के ही अंदर रहता है। कोल जाति के लोगों में मान्यता है कि प्राकृतिक प्रकोप से संबंधित बीमारी जैसे चेचक, दाद, खाज-खुजली आदि बीमारियों से रक्षा मरी माता करती है।

(11) काली देवी - कोल लोग कुंवार की नवरात्रि में काली देवी की पूजा भी करते हैं। काली देवी की पूजा के समय त्रिशूल में नैवेद्य छेदकर काली माँ की मूर्ति के पास गड़गटे हैं तथा साथ में नारियल प्रसाद भी चढ़ाते हैं।

(12) शीतला माता - शीतला माता भी कोल जनजाति की आराध्य देवी मानी जाती है। शीतला माता की पूजा करते समय कोल लोग नारियल, अगरवत्ती और प्रसाद चढ़ाते हैं। कोल लोग शीतला माता पर लाल या सफेद रंग का निशान (ध्वजा) भी चढ़ाते हैं।

(13) काल भैरो - काल भैरो कोल लोगों के प्रमुख देवता माने जाते हैं। कोल मुखिया एवं बुजुर्ग लोगों के अनुसार काल भैरो भूत-प्रेत से उनकी रक्षा करते हैं। काल भैरो की पूजा भादो माह में छठवीं के दिन एवं समय-समय पर करते हैं। पूजा के समय नारियल प्रसाद के साथ ही काले रंग का निशान (ध्वजा) भी चढ़ाते हैं।

(14) शंकर भगवान - जबलपुर संभाग में निवासरत कोल (गवठिया कोल) शंकर भगवान को बैजनाथ के रूप में अपना पूर्वज भी मानते हैं। उनकी धारणा है कि बैजनाथ स्वयं शिव हैं। शिव सभी देवों में सबसे बड़े और महाशक्ति के धोतक हैं, जिसके फलस्वरूप कोल सर्वप्रथम शिव की पूजा अर्चना करते हैं।

(15) कुण्ड भगवान - कोल जनजाति के लोग भगवान कुण्ड की भी पूजा-अर्चना करते हैं। जन्माष्टमी के समय एवं समय-समय पर कुण्ड भगवान की पूजा करते हैं।

(16) दुर्गा माता - दुर्गा माता भी कोल लोगों की प्रमुख आराध्य देवी है। कुंवार और चैत्र नवरात्रि के समय कोल लोग दुर्गा माता की पूजा-अर्चना करते हैं। ज्वारे बोते हैं और नौ दिन तक दुर्गाजी का भजन-कीर्तन करते हैं। दुर्गाव्रत के दिन ज्वारे विस्जर्जित किये जाते हैं।

धार्मिक जीवन - मध्यप्रदेश में कोल

जाति के लोग मुख्य रूप से हिन्दु धर्म का अनुसरण करते हैं। हिन्दुओं की भांति ही होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, आखातीज, मकर संक्रांति, रामनवमी, हरियाली अमावस्या, नागपंचमी, जन्माष्टमी और नवरात्रि आदि कोल जाति के प्रमुख त्योहार हैं। कोल जाति द्वारा सभी त्योहार बड़े उल्लास, उमंग और खुशी से मनाये जाते हैं। त्योहार के दिन देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। कोल परिवारों में रामनवमी, नवरात्रि एकादशी आदि का व्रत रखा जाता है।

कोल जाति के लोग फसलों की रक्षा करने के लिए सूर्य, चन्द्रमा और वायु देवता तथा इंद्र देवता की पूजा भी करते हैं।

बोली तथा भाषा

भाषा वैज्ञानिक की दृष्टि से कोल बोली, कोलारियन या मुण्डारी भाषा समूह की एक बोली है। इस पर इण्डो आर्यन भाषा हिन्दी और बुन्देलखंड बोली का भी कुछ प्रभाव परिलक्षित होता है। कोल जनजाति वर्तमान में जिस बोली का प्रयोग करते हैं उसे कोल बोली कहते हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में कोल जाति के लोग हिन्दी मिश्रित बघेली बोली बोलते हैं। रीवा, सीधी और सतना जिले के कोल हिन्दी मिश्रित बघेली शहडोल, उमरिया और अनूपपुर के कोल छत्तीसगढ़ी मिश्रित बघेली बोली बोलते हैं।

भौतिक संस्कृति एवं बसाहट

कोल जनजाति के लोगों की भौतिक संस्कृति एवं बसाहट तथा गांव अधिकतर खुले स्थानों पर होते हैं। इनके घर मिट्टी के बने होते हैं जिनकी छत लकड़ी और घास से बनाई जाती है। इनके घरों में हाथ से स्वनिर्मित वस्तुएँ तथा अन्य वस्तुएँ पाई जाती हैं।

कोल जनजाति के लोग अपने घरों में अनाज एवं अन्य खाद्यान्न मिट्टी के कुठलों में रखते हैं। रोटी रखने के लिए मिट्टी की गोरसी, गेहूँ पीसने के लिए पत्थर की चक्की का उपयोग किया जाता है। खाना खाने के लिए प्रायः पीतल एवं एल्युमीनियम की थाली, लोटा एवं गिलास तथा कटोरा का उपयोग किया जाता है।

पारिवारिक जीवन

कोल जाति का पारिवारिक जीवन एवं दिनचर्या बहुत ही सीधी एवं सरल होती है। प्रत्येक परिवार में प्रायः पति, पत्नी और उसके अवयस्क बच्चे साथ रहते हैं। बच्चों के वयस्क होने पर उनका विवाह कर दिया जाता है तथा वह अपना पृथक घर बनाकर रहने लगता है। कोल परिवार में पुरुष प्रधानता पाई जाती है। पिता परिवार का मुखिया होता है।

पूर्व में संयुक्त परिवार की प्रथा थी। संयुक्त परिवार में सभी सदस्य बड़े, बुढ़ों का आदर करते हैं। परन्तु वर्तमान में एकांकी परिवार का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। इन लोगों में एकांकी परिवार के अंतर्गत विवाह पश्चात एक दो संतान हो जाने पर सभी भाई अलग-अलग रहने लगते हैं और सम्पत्ति का भी बंटवारा हो जाता है।

परिवार में हास-परिहास का संबंध पाया जाता है। देवर-भाभी, जीजा-साली, ननद-भाभी के बीच हंसी मजाक अर्थात हास संबंध पाया जाता है। हास संबंध एक दूसरे के निकटता का संबंध माना जाता है। परिहास संबंध में छोटे भाई की पत्नी और जेठ, पुत्रवधू, ससुर, नंदौआ आदि का संबंध पाया जाता है अर्थात परिहास संबंध में पर्दा किया जाता है।

कोल लोग अन्य जनजातियों की तुलना में पूर्ण शरीर पर वस्त्र पहनते हैं। महिलाएँ शारीरिक साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देती हैं। गहनों के साथ गोदना गुदवाना महिलाओं

का शौक है। कोल पुरुष सामान्य रूप से केवल पंचा (धोती) पहनते हैं। विशेष अवसरों पर ये कुर्ता भी पहनते हैं। इसी प्रकार रोजमर्रा की जिन्दगी में महिलाएँ केवल धोती पहनती हैं। विशेष अवसर पर बंडी और धोती पहनती हैं।

कृषि, मजदूरी, जंगली उत्पादों का संकलन और पशुपालन आदि सभी कार्यों में महिलाएँ पुरुषों के बराबर कार्य करती हैं। इनका मुख्य भोजन रोटी, चावल, दाल, मांस, मछली और कुइर, कोदो, कुटकी है। कोल लोग शाकाहारी या मांसाहारी अथवा दोनों प्रकार के भोजन करते हैं।

सामाजिक जीवन

कोल समाज पितृसत्तात्मक होती है। अर्थात् कोल समाज में पुरुष प्रधानता पाई जाती है। समाज एवं परिवार में सभी महत्वपूर्ण निर्णय पुरुषों द्वारा ही लिये जाते हैं। पत्नी की मृत्यु पर विधवा अथवा तलाक़शुदा स्त्री से विवाह की प्रथा इनमें पाई जाती है।

कोल जनजाति में अनेक उपजातियाँ पाई जाती हैं। वर्तमान में मध्यप्रदेश में कोल जनजातियों की दो उपजातियाँ पाई जाती हैं। जबलपुर संभाग में निवासरत अधिकांश कोल 'गवठिया कोल' तथा रीवा संभाग में निवासरत कोल 'भूमिया कोल' के नाम से जाने जाते हैं।

कोल जनजाति में अनेक गोत्र पाये जाते हैं। गोत्र एक ऐसा समूह है जिसमें बंधुत्व अपनत्व और मदद की भावना पाई जाती है। एक गोत्र के सदस्य अपने को एक ही पूर्वज के वंश मानते हैं तथा आपस में भाई-भाई कहलाते हैं। इस जनजाति के प्रमुख गोत्र हैं:- ठाकुरिया, कटोटिया, दाहित, बर्न, बरवार, रावारिया, चेरों कुंडा, बारगरिया आदि। कोल लोगों में नातेदारी दो प्रकार की होती है- रक्त संबंधी और विवाह संबंधी।

राजनैतिक जीवन

कोल समाज में पंचायत का अत्यंत महत्व होता है जिसके निर्णय को सभी मानते हैं। कोल जनजाति में राजनैतिक संगठन प्राचीन काल से ही मजबूत रहा है। कोलों की पंचायत को 'गोटिया' कहा जाता है। गोटिया सबसे होशियार, बुद्धिमान आदमी होता है। गांव के सभी प्रकार के वाद-विवाद एवं लड़ाई-झगड़ों का निपटारा स्वयं और अपने सभी सहयोगियों के परामर्श के आधार पर करता है।

कोल पंचायत का प्रमुख कार्य जाति के विकास के लिए कार्य करना, दूसरी जाति के व्यक्तियों के साथ अनैतिक संबंधों को रोकना, तलाक, अनैतिक संबंध, पुनःविवाह आदि के झाड़ा का निपटारा करना, समय-समय पर बैठकों का आयोजन करना है। मुखिया द्वारा ही समाज के छोटे-छोटे विवादों का निपटारा पंचायतों के माध्यम से ही किया जाता है। शादी-विवाह एवं परिवार से संबंधित विवाद पंचायतों के ही माध्यम से निपटाये जाते हैं।

आर्थिक जीवन

कोल जनजाति अधिकतर खेतिहर मजदूर होते हैं। अधिकांश कोल जंगलों में जीवन यापन करते हैं तथा भूमिहीन हैं। शासकीय योजनाओं से प्राप्त शासकीय सहायता के अतिरिक्त कोल जाति के लोगों की जीविका मुख्य रूप से वन उत्पाद और जंगल के संसाधन पर निर्भर है। यह जंगलों में घुसी लकड़ियों को एकत्रित करके स्थानीय बाजार, कच्चा और शहरों में बेचकर तथा मछली पकड़कर बाजार में बेचकर तथा मजदूरी आदि कार्य करके आय एकत्रित करते हैं।

- लालजीराम मीना

(जनजातीय अनुसंधान विषय विशेषज्ञ अनुसंधान अधिकारी, श्री बाबल भोई राज्य जनजातीय संग्रहालय, छिन्दावाड़ा (म.प्र.))

एक साल के लिए भारत ने ब्रह्मण की जी-20 अध्यक्षता

भारत का ध्येय वाक्य है वसुधैव कुटुम्बकम्

भारत ने 1 दिसम्बर, 2022 को अपनी जी-20 अध्यक्षता ग्रहण कर ली है। यह भारत की आजादी के अमृत काल का ऐतिहासिक दिन रहा। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता संभाल रहा है। भारत ने औपचारिक रूप से एक वर्ष की अवधि के लिए जी-20 समूह की अध्यक्षता ग्रहण कर ली है। भारत के अध्यक्ष पद के पहले दिन को चिह्नित करने के लिए, नई दिल्ली स्थित सुप्रभा स्वराज भवन में 'जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट-एंगेजिंग यंग माइंड्स' नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के 75 विश्वविद्यालयों के छात्र वर्चुअली एक साथ जुड़े थे। भारत के विदेश मंत्री की ओर से कहा गया है कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान यूक्रेन सहित वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का प्रयास प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर परामर्श के माध्यम से आम सहमति बनाने का होगा। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि दुनिया आपूर्ति श्रृंखला से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से गुजर रही है तो ऐसे में जी-20 की अध्यक्षता संभालना एक गर्व का विषय है तो वहीं एक बड़ी जिम्मेदारी भी। विशेषज्ञों की नजर में विदेश मंत्री का यह बयान वैश्विक मुद्दों को सुलझाने की दिशा में बड़ा संदेश माना जा रहा है जो आगे पूरे विश्व के लिए अहम कदम साबित होगा। भारत विश्व में शांति चाहता है और इसी उम्मीद में वह लगातार प्रयासरत भी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर एक ब्लॉग लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा 'भारत की जी-20 की अध्यक्षता समग्र मानवता के कल्याण की दिशा में काम करेगी। दुनिया आज जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान सिर्फ साथ मिलकर काम करके ही किया जा सकता है। हमारी प्राथमिकताएं,

हमारी एक धरती को संरक्षित करने, हमारे एक परिवार में सद्भाव पैदा करने और हमारे एक भविष्य को आशान्वित करने पर केन्द्रित होंगी। भारत का जी-20 का एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक होगा। आइए हम भारत की जी-20 की अध्यक्षता को संरक्षण, सद्भाव और उम्मीद की अध्यक्षता बनाने के लिए एकजुट हों।'

अंतर्राष्ट्रीय मामलों में बहुत महत्वपूर्ण क्षण में हो रही है भारत की जी-20 अध्यक्षता

विदेश मंत्री की ओर से कहा गया है कि भारत की जी-20 अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीय मामलों में बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण में हो रही है। भारत एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उभरेगा, जिसे विकसित दुनिया में धुंकीकरण और संघर्ष का खामियाजा भुगतना पड़ा है। भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त करेगा।

'जनता का जी-20'

भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी का एक प्रमुख तत्व जी-20 को जनता के करीब ले जाना और इसे सही मायने में 'जनता का जी-20' बनाना होगा। इसे महसूस करने के लिए, वर्षभर विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियों के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि जी-20 में भारत की अध्यक्षता के पहले दिन को चिह्नित करने के लिए, कई गतिविधियों की योजना बनाई गई थी। पहले दिन ही, एक विशेष यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के 75 विश्वविद्यालयों के छात्र वर्चुअली एक साथ आए। यूनिवर्सिटी कनेक्ट



इवेंट का उद्देश्य युवाओं को जी-20 गतिविधियों में शामिल करना रहा। विभिन्न स्कूलों में विशेष जी-20 सत्रों के माध्यम से स्कूली छात्रों को भी शामिल किया गया। वहीं जन भागीदारी को और आगे बढ़ाते हुए, कोहिमा में 1 दिसम्बर, 2022 को हॉर्नबिल महोत्सव में जी-20 पर विशेष फोकस किया गया। साथ ही साथ कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित 100 स्मारकों को विशेष रूप से प्रकाशित किया गया। केवल इतना ही नहीं देश के नागरिकों को इन प्रमुख स्मारकों के आसपास MyGov पर एक सेल्फी अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर भारत के जी-20 लोगों का सैंड आर्ट बनाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में शुरू की गई जी-20 वेबसाइट भी जी-20.org डोमेन में आसानी से माइग्रेट हो चुकी है और भारत ने पिछले प्रेसीडेंसी से ट्विटर हैंडल (@जी-20org) सहित आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

जी-20 के लिए भारत का ध्येय वाक्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्'

'वसुधैव कुटुम्बकम्' जी-20 के लिए भारत का ध्येय वाक्य है यानी 'एक पृथ्वी एक परिवार एक साझा भविष्य' (वन अर्थ वन फैमिली वन फ्यूचर)। जी-20 प्रेसीडेंसी की इसी थीम से प्रेरणा लेते हुए, भारत 32

विभिन्न कार्यक्रमों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा और जी-20 प्रतिनिधियों और मेहमानों की पेशकश करने का अवसर होगा। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करना।

कब से कब तक मिली

भारत को G-20 की अध्यक्षता?

भारत 1 दिसम्बर, 2022 से अगले साल 30 नवम्बर तक एक वर्ष के लिए G-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान, भारत देशभर में कई स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 200 बैठकों आयोजित करेगा। अगले साल आयोजित होने वाला G-20 शिखर सम्मेलन भारत द्वारा आयोजित की जाने वाली सर्वोच्च-प्रोफाइल अंतर्राष्ट्रीय सभाओं में से एक होगा।

क्या है जी-20?

जी-20 दुनिया की 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच बनाता है। जी-20 समूह का गठन सन् 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल कर वैश्विक स्थिरता को सुरक्षित करना है। जी-20 देशों में दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी, वैश्विक GDP का 85 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत शामिल है।

जी-20 ग्रुप में ये देश शामिल

जी-20 ग्रुप में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड

किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। जी-20 सम्मेलन में स्पेन को स्थायी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- जी-20 लोगों भारत के राष्ट्रीय ध्वज के बीच तरंगों - केसरिया, सफेद, हरा और नीला से प्रेरणा लेता है। यह भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। पृथ्वी जीवन के प्रति भारत के ग्रह-समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में है। जी-20 लोगों के नीचे देवनागरी लिपि में 'भारत' लिखा हुआ है।
- भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी का विषय-वसुधैव कुटुम्बकम् या एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य- महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है। वसुधैव कुटुम्बकम् पृथ्वी पर मौजूद सभी मानव, वन्यजीव, पेड़-पौधे और ग्रह उनके एक दूसरे के प्रति सम्बन्ध का सूचक है।
- सामूहिक रूप से जी-20 का वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और विश्व जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा है, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच बनाता है।
- जी-20 ग्रुप का गठन सन् 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल कर वैश्विक स्थिरता को सुरक्षित करना है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

मालवा और चंबल का प्रवेश द्वार कहा जाता है गुना जिले को

गुना, मध्यप्रदेश के ग्वालियर संभाग का एक जिला है। इसका गठन 1 नवम्बर, 1956 को किया गया था। इस जिले के पश्चिम में राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम में राजगढ़ जिला, दक्षिण में भोपाल, दक्षिण-पूर्व में विदिशा, पूर्व में अशोकनगर तथा उत्तर-पूर्व में शिवपुरी जिला स्थित है। सिंध और पार्वती गुना जिले की प्रमुख नदियां हैं।

मध्यप्रदेश के उत्तरी-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुना जिले को मालवा और चंबल का प्रवेश द्वार कहा जाता है। गुना, प्राचीन अवंती साम्राज्य का हिस्सा था, जिसकी स्थापना चंद्र प्रद्योत महासेना ने की थी। बाद में यह क्षेत्र ग्वालियर राज्य का हिस्सा बना रहा। गुना को राज्य के ईशागढ़ जिले के हिस्से के रूप में प्रशासित किया गया था। 1897 में इंडियन सिडलैंड रेलवे ने गुना से गुजरने वाले रेल मार्ग का निर्माण किया। भारत की स्वतंत्रता मिलने के बाद, गुना 28 मई, 1948 को अपने 16 जिलों में से एक के रूप में मध्य भारत के नए राज्य का हिस्सा बन गया। बाद में 1 नवम्बर, 1956 को गुना मध्यप्रदेश राज्य का जिला बना।

इतिहास

गुना जिला का वर्तमान मुख्यालय गुना शहर में 5 नवम्बर, 1922 में स्थापित हुआ था। 19वीं सदी के पूर्व गुना ईशागढ़ (अब जिला अशोकनगर में स्थित) जिले का एक छोटा सा गांव था। ईशागढ़ को सिंधिया के

सेनापति जॉन वेरेस्टर फिलोर्स ने खोंची राजाओं से जीता एवं प्रभु योशू के सम्मान में इसका नाम ईशागढ़ रखा।

सन् 1844 में गुना में ग्वालियर की फौज रहती थी, जिसके विद्रोह करने के कारण सन् 1850 में इसे अंग्रेज फौज की छावनी में तब्दील किया गया। सन् 1922 में छावनी को गुना से ग्वालियर स्थानांतरित कर दिया गया एवं जिला मुख्यालय बजरंगगढ़ से गुना स्थानांतरित कर दिया गया। सन् 1937 में जिले का नाम ईशागढ़ के स्थान पर गुना रखा गया तथा ईशागढ़ एवं बजरंगगढ़ को तहसील बनाया गया, जिन्हें बाद में क्रमशः अशोकनगर और गुना तहसील के रूप में परिवर्तित किया गया। सन् 1948 में राधोगढ़ को तहसील के रूप में शामिल किया गया। 2003 में अशोकनगर को गुना से पृथक् कर एक अलग जिला बना दिया गया था।

अर्थव्यवस्था

समृद्ध काली मिट्टी से संपन्न, गुना जिले को आम तौर पर क्षेत्र के अन्न भंडार के रूप में जाना जाता है, लेकिन अब यह औद्योगिक क्षेत्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर इसकी स्थिति औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में इसकी क्षमताओं को बढ़ा देती है। गुना जिले की कुछ प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और दीपक स्पिनर्स लिमिटेड आदि हैं। केन्द्रीय मसाला बोर्ड द्वारा गुना

में मसाला पार्क स्थापित किया गया है।

गुना जिले में स्थित कुंभराज एक बड़ी व्यावसायिक मंडी है। इसकी पसचान धनिया की बड़ी मंडी के रूप में है। पिछले कुछ सालों में गुना के कृषि क्षेत्र में धनिया उत्पादन के रकबे में काफी वृद्धि हुई है। गेहूं और ज्वार जिले की प्रमुख फसलें हैं। गुना जिले में पाया जाने वाला प्रमुख खनिज बॉक्साइट है।

जिला प्रमुख तथ्य

- जिले का गठन- 1 नवम्बर, 1956
- संभाग- ग्वालियर
- जिला मुख्यालय- गुना
- क्षेत्रफल- 6390 वर्ग किलोमीटर
- जनसंख्या- 12,40,938 (पुरुष- 6,49,591, महिलाएं- 5,91,347)
- लिंग अनुपात- 910
- जनघनत्व- 194 प्रति वर्ग किलोमीटर
- साक्षरता- 65.1 प्रतिशत
- तहसीलें- 7 (गुना, आरोन, राधोगढ़, मधुसूदनगढ़, बमोरी, चाचोड़ा एवं कुंभराज)
- विकासखंड- 5
- ग्राम पंचायत- 425
- कुल गांव- 1338
- नगर पंचायत- 3
- जनपद पंचायत- 5
- नगर पालिका- 2
- विधानसभा क्षेत्र- 4 (गुना, राधोगढ़, बमोरी, चाचोड़ा)

- लोकसभा क्षेत्र-1 (गुना)
- भाषा एवं बोली- हिन्दी (सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- गुना जिले में बजरंगगढ़ नामक ऐतिहासिक स्थान है। यहां प्राचीन किला है। 18वीं सदी में मराठा शासकों द्वारा काले पत्थरों से इसका निर्माण करवाया गया था। यह किला बहुत बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। किले में भगवान श्रीराम-जानकी एवं हनुमानजी का अति प्राचीन प्रसिद्ध मंदिर है। साथ ही बजरंगगढ़ में जैन तीर्थ स्थल भी है, जिसमें महावीर भगवान की प्राचीन मूर्ति स्थित है।
- गुना जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित है प्रसिद्ध सिद्ध स्थल श्री हनुमान टेकरी मंदिर। ऊंची पहाड़ियों पर स्थित इस मंदिर में अति प्राचीन दक्षिण मुखी हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित है। टेकरी सरकार का यह स्थान सातवीं शताब्दी पूर्व का है और साधू संतों की तपो भूमि का केन्द्र रहा है। हनुमान जयंती के दिन टेकरी सरकार पर विशाल मेला लगता है। वहीं गुना से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित गोपी कृष्ण सागर बांध एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।
- जिले के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक बीस भुजा देवी मंदिर भी है। इस मंदिर में मां दुर्गा की 20 हाथों वाली

प्रतिमा स्थापित है। यह मंदिर एक छोटी सी पहाड़ी की चोटी पर बना है। यहां एक विशाल दीपक स्तंभ है, जिसे 'दीप स्तंभ' के नाम से जाना जाता है।

- गुना में स्थित प्राचीन शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जैन धर्मावलंबियों के बीच एक अतिशय क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है। इस मंदिर को 1236 में जैन संत श्री पदा शाह के द्वारा बनवाया गया था। मंदिर में लाल पत्थर से बने जैन तीर्थंकरों की कई प्रतिमाएं हैं। साथ ही दीवारों पर खूबसूरत नक्काशी भी की गई है।
- केदारनाथ धाम मंदिर गुना जिले में स्थित एक प्राकृतिक और धार्मिक स्थल है। यहां पर पहाड़ों से पानी शिवलिंग के ऊपर रिसता है। जिससे शिवलिंग का साल भर जलभिषेक होता रहता है। यहां पर शिवरात्रि के समय मेला भी लगता है। यहां पर बहुत सारी गुफाएं हैं, जो चट्टानों से बनी हुई हैं।
- निहाल देवी मंदिर निहालगढ़, शाहाबाद का किला, तुका बाबा मंदिर राधोगढ़, संजय सागर जलाशय, पंचमुखी हनुमान आश्रम आदि गुना जिले में स्थित अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

- रीता मोदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं।)

पैकेजिंग इंडस्ट्री में बढ़ जाए हैं करियर के अवसर

‘रोज़गार और निर्माण’ के पाठकों के लिये ‘करियर की राहें’ नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे करियर के लिये जरूरी है कि युवा करियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त करियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये करियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतलाल भंडारी युवाओं को करियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।



कोविड-19 के बाद जैसे-जैसे उद्योग-कारोबार का विकास हो रहा है और उपहारों से खुशियां देने का प्रचलन बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पैकेजिंग उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में हर वस्तु के लिए पैकेजिंग की जरूरत होती है। छोटे उत्पादों से लेकर बड़े उत्पादों तक को अच्छी तरह से पैक करना जरूरी होता है।

पैकेजिंग के लुभावने स्वरूप ने बढ़ाए पैकेजिंग में मोके

इसमें कोई दो मत नहीं है कि पहले पैकेजिंग का प्रयोग केवल प्रोडक्ट के नयापन



और उसकी गुणवत्ता को बनाये रखने और किसी भी तरह की टूट-फूट से बचाने के लिए किया जाता था। लेकिन अब खरीदे गए सामान और उपहारों की इतनी आकर्षक पैकेजिंग होती है कि वह पैकेजिंग हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। पहले गिफ्ट आमतौर पर घर में ही पैक किए जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब हर छोटे-बड़े त्योहार, कार्यक्रमों आदि के लिए गिफ्ट डिजाइनर्स की मदद ली जाती है।

वस्तुतः पैकेजिंग टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट और लॉजिस्टिक्स के बीच की एक कड़ी है। पैकेजिंग इंडस्ट्री का काम मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा, रिटेल, एफएमसीजी जैसे उद्योगों के लिए वेल्थ एंडेड सर्विसेज देना है। पैकेजिंग अब ब्रांडिंग और उपभोक्ता से संवाद के माध्यम के तौर पर भी उपयोग किया जा रहा है। पैकेजिंग एक साइलेंट सेल्समैन का काम भी करती है। इस इंडस्ट्री की तेज गति का सीधा संबंध उत्पादों की बिक्री से भी है। क्योंकि जब उत्पाद विकेंगे, तो उनके पैकेजिंग और पैकेजिंग की मांग भी रहेगी। भारतीय बाजार में अब तेजी से उत्पादों की बिक्री के बीच पैकेजिंग इंडस्ट्री में करियर के मोके बढ़ रहे हैं।

पैकेजिंग उद्योग का बढ़ता बाजार आकार

इस समय पैकेजिंग इंडस्ट्री का बाजार लगातार आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में 200 प्रतिशत तक पैकेजिंग खपत बढ़ी है। पैकेजिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार भारत में पैकेजिंग इंडस्ट्री 22 से 25 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है। साल 2025 तक भारत में पैकेजिंग उद्योग करीब 32 अरब डॉलर सालाना का उद्योग बन जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत की नहीं पूरी दुनिया में पैकेजिंग उद्योग आगे बढ़ रहा है। वैश्विक पैकेजिंग प्रिंटिंग बाजार का आकार वर्ष 2020 में करीब 352.01 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2025 तक 433.40 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। इस

समय दुनिया में भारत पैकेजिंग इंडस्ट्री में पांचवें नंबर पर है। वर्ष 2025 तक भारत के इससे आगे आने की संभावनाएं हैं।

पैकेजिंग उद्योग में करियर की स्किल्स

पैकेजिंग फील्ड में करियर बनाने के लिए रचनात्मकता अभिरुचि जरूरी है। वस्तुतः प्रोडक्ट की पैकेजिंग एक कला है। प्रोडक्ट को लंबे समय तक बचाकर रखना एक महत्वपूर्ण जरूरत होती है। इसलिए पैकेजिंग इंडस्ट्री में प्रोडक्ट को ध्यान में रखते हुए सही पैकेजिंग मटेरियल का चुनाव और विश्लेषण करना होता है, साथ ही डिजाइनिंग और क्रीएटिव स्किल्स का उपयोग कर पैकेट की डिजाइनिंग भी तैयार करना होती है, यही नहीं प्रोडक्ट पैकेजिंग की मजबूती और टिकाऊपन की जांच भी करनी होती है। पैकेजिंग इंडस्ट्री में करियर के लिए मटेरियल, प्रोसेसिंग, डिजाइनिंग, क्वालिटी और पर्यावरणीय जागरूकता संबंधी नियमों आदि के बारे में जानकारी होना भी बहुत जरूरी है।

पैकेजिंग उद्योग में करियर के विविध आयाम

निःसंदेह पैकेजिंग उद्योग बहुआयामी करियर का निर्माण करते हुए दिखाई दे रहा है। वस्तुतः ई-कामर्स कंपनियों के आने के बाद पहले की तुलना में पैकेजिंग इंडस्ट्री में करियर संभावनाएं काफी ज्यादा बढ़ गई हैं। आकर्षक पैकेजिंग आजकल ब्रांडिंग और कम्युनिकेशन दोनों का माध्यम बन गई है। यही वजह है प्रत्येक उद्योग, चाहे



वह फूड मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ा हो या फिर उपभोक्ता (एफएमसीजी) वस्तुओं के निर्माण से, उसे अपने उत्पादों की पैकेजिंग कराने के लिए प्रशिक्षित कुशल प्रोफेशनल की जरूरत होती है। पैकेजिंग उद्योग के तहत किसी शोल्डर, गिफ्ट गैलरी आदि से जुड़कर भी अच्छा काम किया जा सकता है। मौजूदा समय में देश की कई बड़ी कंपनियां पैकेजिंग उद्योग में अपना योगदान दे रही हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के बीच ब्रांड के प्रति जागरूकता ने पैकेजिंग इंडस्ट्री में जान फूंक दी है। इस समय पैकेजिंग उद्योग में पैकेजिंग टेक्नोलॉजिस्ट, फील्ड टेस्ट इंजीनियर, प्रोसेस इंजीनियर और प्रोडक्ट लाइन इंजीनियर जैसे पदों की अधिक मांग बनी हुई है।

पैकेजिंग इंडस्ट्री में करियर से संबंधित प्रमुख कोर्स

पैकेजिंग इंडस्ट्री में अच्छे करियर के लिए 12वीं कक्षा में साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के साथ 50 फीसदी नंबर

जरूरी होते हैं। देश में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, पैकेजिंग से संबंधित कोर्स संचालित करने वाला प्रमुख इंस्टीट्यूट है। पैकेजिंग इंडस्ट्री से संबंधित चार साल के अंडरग्रेजुएट कोर्स का विशेष महत्व है। देश के ज्यादातर प्रमुख कॉलेजों में एंट्रेंस एग्जाम या फिर जेईई मेंस और बिट सेट के नंबरों के आधार पर भी प्रवेश दिया जाता है। मास्टर इन पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पैकेजिंग, सर्टिफाइड पैकेजिंग इंजीनियर कोर्स जैसे उपयोगी कोर्स का भी विशेष महत्व है। पैकेजिंग के दो वर्षीय मास्टर कोर्स में दाखिले के लिए बीई, बीटेक या बीएससी के स्टूडेंट प्रवेश ले सकते हैं। पैकेजिंग के कई संस्थानों द्वारा तीन माह की अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स इन पैकेजिंग (आईटीसी) तथा छह माहों की अवधि के डिप्लोमा के कोर्स किसी भी विषय के स्टूडेंट्स कर सकते हैं।

पैकेजिंग उद्योग में करियर के लिए आगे बढ़िए

देश के कोने-कोने में पैकेजिंग से संबंधित कोर्स कराने वाले कई इंस्टीट्यूट हैं। आप अपनी रुचि, योग्यता, क्षमता और अनुकूलता से किसी उपयुक्त संस्थान और उपयुक्त कोर्स का चयन करके पैकेजिंग इंडस्ट्री में करियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतलाल भंडारी

(लेखक करियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. पीवी सिंधु ने पहली बार बीहब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल टाइटल कब जीता था?
(अ) वर्ष 2014 (ब) वर्ष 2017 (स) वर्ष 2018 (द) वर्ष 2021
2. वर्ष 2021 में वीवीसी स्पोर्ट्स पर्सनेलिटी ऑफ द ईयर अवॉर्ड किसे मिला है?
(अ) मैक्स वर्स्टेपेन (ब) एमा राइकानू (स) लुईस हैमिल्टन (द) एडम पीटी
3. एशियन क्रिकेट काउंसिल के वर्तमान अध्यक्ष हैं?
(अ) जय शाह (ब) अर्जुन रणतुंगा (स) रमोज राजा (द) सौरव गांगुली
4. इनमें से कौन-सा देश इस वर्ष फीफा वर्ल्ड कप में क्वालिफाई नहीं कर पाया है?
(अ) डेनमार्क (ब) इटली (स) इक्वाडोर (द) सेनेगल
5. वर्ष 2007 में आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप किस देश में खेला गया था?
(अ) द. अफ्रीका (ब) वेस्टइंडीज (स) श्रीलंका (द) इंग्लैंड
6. इनमें से कौन-सा खेल राट्रमंडल खेल-2026 में शामिल नहीं होगा?
(अ) तेराकी (ब) निशानेबाजी (स) हॉकी (द) कुश्ती
7. पंकज आडवाणी इनमें से किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) निशानेबाजी (ब) शतरंज (स) बिलियर्ड्स (द) तलवारबाजी
8. चिराग शेठी और सान्त्विक साईराज रैक्रीट्टी की जोड़ी ने कौन-सा टूर्नामेंट जीता है?
(अ) कोरिया ओपन (ब) फ्रेंच ओपन (स) इंडोनेशिया ओपन (द) इनमें से कोई नहीं
9. वर्ष 2018 में किस देश ने हॉकी (पुरुष) चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) भारत (स) नीदरलैंड (द) अर्जेंटीना
10. पी.आर. श्रीजेश भारतीय हॉकी टीम में किस पोजिशन पर खेलते हैं?
(अ) फॉरवर्ड (ब) गोलकीपर (स) डिफेंडर (द) मिडफील्डर
11. किस खिलाड़ी को हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है?
(अ) राहुल द्रविड (ब) जैक कैलिस (स) शिवनारायण चंद्रपोल (द) चामिंडा वास
12. इस वर्ष टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल किस शहर में खेला गया था?
(अ) पर्य (ब) त्रिखेन (स) सिडनी (द) मेलबर्न
13. एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन का मुख्यालय किस शहर में स्थित है?
(अ) दोहा (ब) टोक्यो (स) क्वालालंपुर (द) बैंकॉक
14. कैरोलिन पारिस किस देश की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) सर्बिया (ब) फ्रांस (स) कोलंबिया (द) स्पेन
15. इस वर्ष डेनमार्क ओपन में पुरुष एकल वर्ग के चैंपियन बने हैं?
(अ) शी युकी (ब) विक्टर एक्सलसन (स) लक्ष्य सेन (द) जोनाथन क्रिस्टी
16. चार्ल्स लेकलर्क किस देश के फॉर्मूला-वन रेसर हैं?
(अ) जर्मनी (ब) मोनाको (स) मैक्सिको (द) लात्विया
17. किस गेंदबाज ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं?
(अ) टिम साउथी (ब) शाकिब अल हसन (स) लसिय मलिंगा (द) राशिद खान
18. डेनहाट टेस्ट मैच में तिहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं?
(अ) डेविड वॉर्नर (ब) जो रूट (स) स्टीव स्मिथ (द) अजहर अली
19. इस वर्ष विश्व एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वाल्ट में स्वर्ण पदक विजेता हैं?
(अ) रियान क्रूजर (ब) क्रिस लिलसन (स) अर्मांड डुल्लॉटिस (द) साइमन हामर
20. शुभमन गिल ने वन-डे क्रिकेट में किस देश के खिलाफ शतक बनाया है?
(अ) श्रीलंका (ब) जिम्बाब्वे (स) न्यूजीलैंड (द) बांग्लादेश
21. इनमें से कौन-सी महिला खिलाड़ी टेनिस से संबंधित नहीं हैं?
(अ) मेग लेनिंग (ब) नाओमी ओसाका (स) पेरा क्वितोवा (द) मारिया शारापोवा
22. वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक केंलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) सर्द अनवर (ब) सयिन तेंदुलकर (स) मार्टिन गुटिल (द) मैथ्यू हेडन
23. लुसेल आइकॉनिक फुटबॉल स्टेडियम किस देश में है?
(अ) सउदी अरब (ब) ईरान (स) कतर (द) मिस्र
24. मार्टिना हिंगिस किस देश की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) अमेरिका (ब) स्विट्जरलैंड (स) अर्जेंटीना (द) रूस
25. इस वर्ष अंडर-23 कुश्ती चैंपियनशिप में किस भारतीय पहलवान ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) अमन सहरावत (ब) साजन भानुवाल (स) अंकुश पंगल (द) इनमें से कोई नहीं

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)



विजय हजारे ट्रॉफी-2022

सौराष्ट्र ने महाराष्ट्र को हराकर 14 साल बाद खिताब पर किया कब्जा



- सौराष्ट्र की टीम दूसरी बार चैंपियन बनी।
- 2007-2008 सीजन में सौराष्ट्र बंगाल को हराकर चैंपियन बना था।
- सौराष्ट्र 2017-18 के फाइनल में कर्नाटक से हार गया था।
- प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार सौराष्ट्र के शेल्डन जैक्सन के नाम रहा।
- प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब महाराष्ट्र के ऋतुराज ने अपने नाम किया।

शुरुआत दिलाते हुए 67 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। इसके अलावा चिराग जानी ने आखिरी में टीम को सहारा देते हुए 25 गेंदों में नाबाद 30 रन जड़े।

महाराष्ट्र के गेंदबाज लय में नहीं दिखे। मुकेश चौधरी ने 9 ओवरों में 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा विक्की ओस्टलवा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 20 रन खर्च कर 2 विकेट अपने नाम किए। वहीं, सत्यजीत बाघव भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे। इसमें राजवर्धन हेंगरेकर सबसे महंगे सावित हुए, उन्होंने 9 ओवरों में 70 रन खर्च किए।

इस मैच में सौराष्ट्र की ओर से चिराग जानी ने तीन विकेट लिए। इसके अलावा जयदेव उनकट, प्रेर मोंकड़ और पार्थ भट ने एक-एक विकेट चटकाए।

इस पूरे टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की बल्लेबाजी कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की निरभर थी। ऋतुराज ने इस टूर्नामेंट में पांच मैचों में 660 रन बनाए। टूर्नामेंट में उन्होंने कुल चार शतक लगाए। इस दौरान उन्होंने क्वार्टर फाइनल में उत्तरप्रदेश के खिलाफ रिकॉर्ड नाबाद 220 रनों की पारी खेली थी। इस पारी में ऋतुराज ने एक ओवर में सात छक्के भी जड़े थे।

फीफा वर्ल्ड कप

बेल्जियम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज पद से हटे



बेल्जियम की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई, जिसके बाद कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने पद से इस्तीफा दे दिया है। अगर बेल्जियम ने अपना आखिरी ग्रुप मुकाबला जीत लिया होता तो वह अंतिम 16 में पहुंच जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मार्टिनेज ने कहा कि टूर्नामेंट का परिणाम जो भी हो, मैंने विश्व कप से पहले पद से हटने का निर्णय लिया था।

बेल्जियम के पास क्रोएशिया के खिलाफ मैच जीत कर नॉकआउट चरण में जाने के कई मौके आए थे, लेकिन मैच 0-0 से टाई हो गया था। मार्टिनेज ने 2016 में मार्क विल्मोट्स के बाद बेल्जियम के कोच के रूप में पदभार संभाला था। पद से हटने के बाद रॉयल फुटबॉल बेल्जियम एसोसिएशन (RFBA) ने एक बयान जारी किया और मार्टिनेज को बेल्जियम फुटबॉल में उनके अपार योगदान के लिए धन्यवाद दिया। आरएफबीए ने कहा, 'हम रॉबर्टो मार्टिनेज को एक कोच के साथ-साथ एक तकनीकी निदेशक के रूप में हासिल की गई हर चीज के लिए धन्यवाद देते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर 4-1 से जीती हॉकी सीरीज



गोल दागा। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी। ऑस्ट्रेलिया के अरन जाल्वेस्की ने भारतीय डिफेंस के बीच टॉम विकम को सेंकल के अंदर पाया और गेंद पास की, टॉम ने जोरदार शॉट लगाया, जिसका भारतीय गोलकीपर के पास कोई तोड़ नहीं था।

भारत ने शुरुआती गोल के बाद कई बार वापसी की। उन्हें लगातार तीन पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उसको दो में तब्दील नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में दो मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। मिशफील्ड ने जुगराज सिंह के फिसलने के बाद शार्प के हाथों में गेंद आयी और एक बार फिर टॉम विकम ने गोल किया। लेकिन शार्प ने मिशफील्ड से गेंद को अपने कब्जे में लिया और भारत के कुछ डिफेंडर्स को छकाते हुए गेंद को विकेट के पास पहुंचाया जिन्हें सिर्फ भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश से छकाया था और उन्होंने इसमें कोई गलती नहीं की।

ऑस्ट्रेलिया को लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन रिजर्व गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने जेरेमी हेर्बर्ट के प्रयासों को नाकाम कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि जलवस्की की बदलत हाफ टाइम से ठीक पहले 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। मध्यंतर के बाद भारत ने आक्रामक शुरुआत की और रोड्रिगस के गोल से स्कोर 2-3 कर दिया।

कुछ मिनटों बाद श्रीजेश ने शार्प के हमले को नाकाम किया। ऑस्ट्रेलिया ने दबाव बनाए रखा और 40वें मिनट में एंडरसन ने डेनियल के पास पर गोल दाग दिया। वेटन ने एक और गोल दागकर मेजबान टीम को 5-2 की बढ़त दिलाई। सुखजीत ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को कम किया। अंतिम मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत गोल में तब्दील नहीं कर पाए और टीम को हार से नहीं बचा पाए।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम ने किया क्वालीफाई नई दिल्ली, कोरिया के इंचियोन में 24 नवंबर से चार दिनों तक खेले गयी 19वीं एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप में छठों स्थान हासिल करने के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने आगामी एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय लड़कियों का वापसी के बाद नई दिल्ली के करनाल सिंह स्टेडियम में एक समारोह में स्वागत किया गया। हॉकीबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में हॉकीबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव और कार्यकारी निदेशक ने खिलाड़ियों को उनकी इस उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई दी।

रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब के साथ जुड़ने का ऑफर

मैड्रिड, मैनेस्टर यूनाइटेड छोड़ने वाले 37 वर्षीय फुटबाल स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब के साथ जुड़ने पर सालाना 21 करोड़ डॉलर वेतन देने की पेशकश की गयी है। एक समाचार पत्र में यह जानकारी दी गयी है। अनुबंध की यह राशि वर्ष 2022 में किसी भी सबसे अधिक भुगतान वाले एथलीटों के वेतन से दोगुनी से अधिक है। मैनेस्टर यूनाइटेड के साथ रोनाल्डो का अनुबंध पिछले महीने समाप्त हो गया था जब फुटबॉल स्टार ने पियर्स मॉनन के साथ एक साक्षात्कार में क्लब की खुले तौर पर आलोचना की थी।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप 2022

उन्नति, अनीश और अर्श मोहम्मद-संस्कार सारस्वत ने जीते रजत पदक

नॉयबुरी, थाईलैंड के नॉयबुरी में आयोजित बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप 2022 में अंडर-17 महिला एकल बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा, पुरुष युगल जोड़ी अर्श मोहम्मद-संस्कार सारस्वत और अंडर-15 पुरुष एकल शटलर अनीश थोपानी ने रजत पदक के साथ अपने अभियान को खत्म किया। इससे पहले, पुरुष एकल खिलाड़ी ज्ञान दत्त और पुरुष युगल जोड़ी-ब्योन जैसन और आतिश श्रीनिवास पी.वी. ने अंडर-15 वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया था।

अंडर-17 फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला शटलर उन्नति को फाइनल में थाईलैंड की सुरुनराक वितित्सर्न

के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। जबकि, अनीश को चीनी ताइपे के युंग-सियांग यिह ने फाइनल में हराया। वहीं, अर्श-संस्कार की जोड़ी को फाइनल में लाई पो-यू और यी-हाओ लिन से शिकस्त भेलनी पड़ी।

तीनों भारतीय फाइनलिस्ट ने एक गेम में पिछड़े हुए बाद दूसरा गेम जीता। लेकिन, अंतिम और निर्णायक गेम में उन्हें सफलता हासिल नहीं हुई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने साल 2018 में भी पांच पदक जीते थे। जबकि, 2019 संस्करण में उन्होंने दो पदक जीते थे। कोविड महामारी के कारण यह कॉन्टिनेंटल प्रतियोगिता दो साल बाद आयोजित की गई थी।

भारत ने 11 साल बाद बनाई विश्व कॉर्फबाल चैंपियनशिप में जगह

बैंकॉक, भारतीय कॉर्फबाल टीम ने एशिया ओशिनिया चैंपियनशिप 2022 में पांचवां स्थान हासिल करके विश्व चैंपियनशिप के लिए 11 साल बाद क्वालीफाई कर लिया है। भारत ने आईकेएफ एशिया-ओशिनिया कॉर्फबाल चैंपियनशिप के अपने आखिरी मैच में जापान को 12-10 से हराया। भारत की चैंपियनशिप में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 18-8 की हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद हालांकि टीम ने वापसी करते हुए जापान (15-10) और मेजबान थाईलैंड (16-9) को शिकस्त दी। चीनी ताइपे से 11-36 से हारने के बाद भारत ने इंडोनेशिया को 25-8 से हराकर विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया। अंतर्राष्ट्रीय कॉर्फबाल संघ (आईकेएफ) के सौजन्य से आयोजित विश्व चैंपियनशिप ताइपे में 20 से 29 अक्टूबर, 2023 तक खेले जाएगी। भारत 11 साल बाद विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेगा, जबकि इससे पहले उसने 2011 में इस टूर्नामेंट में जगह बनाई थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

आईपीएल में लागू होगा इम्पैक्ट प्लेयर नियम

मुंबई, इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल को रोमांचक बनाने के लिए आगामी सीजन में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू किया जाएगा। आईपीएल के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर नियम के आगामी सीजन में लागू करने की जानकारी दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल में संयुक्त संघ मुस्ताक अली टी20 ट्रॉफी में इस नियम को पहले आजमाया था, जिसमें दोनों टीमों को मुख्य सक्स्टीट्यूट खिलाड़ी को उतारने की अनुमति दी गई थी, जिसे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नाम दिया गया है। इस नियम के मुताबिक, दोनों टीमों को टॉस के समय 11 खिलाड़ियों के अलावा 4 अतिरिक्त खिलाड़ियों के नाम बताने होंगे। 4 अतिरिक्त खिलाड़ियों में से किसी एक का उपयोग इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किया जाएगा। पारी के 14वें ओवर तक ही इम्पैक्ट प्लेयर मैदान पर भेजे जा सकते हैं।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के पद से हटेंगे रमेश पवार

मुंबई, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में रमेश पवार का कार्यकाल अगले टी-20 विश्व कप के केवल दो महीने दूर होने के बावजूद समाप्त हो गया है। पवार राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में अपने रोल में लौटेंगे। प्रेस वार्ता में बीसीसीआई ने पुरुष क्रिकेट में पवार के भेजे जाने को 'पुनर्गठन मॉड्यूल' का हिस्सा बताया दिया। वह 2019 और 2020 के बीच एनसीए में इस पद पर रह चुके हैं। पवार का मुख्य कोच के रूप में भारतीय महिला टीम के साथ यह दूसरा कार्यकाल मिला-जुला रहा।

ब्रावो ने आईपीएल से लिया संन्यास



मुंबई, ड्वेन ब्रावो ने एक खिलाड़ी के तौर पर आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है। अक्सर कहा गया है, लेकिन वह सुपर किंग्स एकेडमी के साथ जुड़े रहेंगे। टीम की तरफ से जारी किए गए एक बयान में ब्रावो ने कहा, 'अपने कैरियर के नए सफर को शुरू करने को लेकर मैं काफी उत्सुक हूं। एक कोच के तौर पर बस यह होगा कि मैं अब मिड ऑन या मिड ऑफ पर खड़ा नहीं रहूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बनूंगा। हालांकि मैं खुश हूँ कि मैं आईपीएल के इतिहास का एक हिस्सा बन पाया।'

पैरा-बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय में भारत ने जीते छह स्वर्ण

पेरू, विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सुकांत कश्यप की अनुप्राप्ति में भारत ने पेरू पैरा-बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय 2022 में छह स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य सहित कुल 14 पदक जीतकर अपना अभियान समाप्त किया। कश्यप ने जीत के बाद कहा, 'मैं परिणाम से वास्तव में खुश हूँ। मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूँ। मेरा साल अच्चा रहा है और मुझे उम्मीद है कि अगले साल भी इसी तरह की निरंतरता बनी रहेगी।'



● नेपाल में ●

सरकार बनाने की जोड़तोड़ जारी

नेपाल में सरकार बनाने के लिए जोड़तोड़ के साथ प्रतिनिधि सभा व प्रांतीय विधायिकाओं के चुनाव की मतगणना अभी भी जारी है। सियांग्जा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र नंबर-2 सीट जीतकर शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाला नेपाली कांग्रेस गठबंधन बढ़त बनाए हुए है। नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की प्रत्यक्ष चुनाव वाली 57 सीटें अकेले जीती हैं, जबकि उसके प्रतिद्वंद्वी सीपीएन (यूएमएल) ने अब तक 44 सीटें जीती हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, सियांग्जा निर्वाचन क्षेत्र नंबर-2 सीट से नेपाली कांग्रेस उम्मीदवार धनराज पुरंग को 31,466 वोट मिले हैं, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी पद्मा कुमारी आर्यल को 25,839 वोट मिले। नेपाल में 20 नवंबर को प्रतिनिधि सभा और सात विधायिकाओं के लिए चुनाव हुए थे। प्रतिनिधि सभा की कुल 275 सीटों में से प्रत्यक्ष चुनाव की 165 व आनुपातिक प्रतिनिधित्व की 110 सीटें हैं। प्रत्यक्ष चुनाव की 165 सीटों में से अब तक 163 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं, वहीं, आनुपातिक प्रतिनिधित्व वाली सभी 110 सीटों का परिणाम आना शेष है।

सुप्रीम कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई के लिए बनी महिला न्यायाधीशों की पीठ

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने महिला न्यायाधीशों की एक पीठ गठित की है जो वैवाहिक विवादों से जुड़ी स्थानांतरण

- जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी पीठ में शामिल।
- स्थानांतरण याचिकाओं व जमानत मामलों पर करंगी सुनवाई।

याचिकाओं और जमानत के मामलों पर सुनवाई कर रही है। इस पीठ में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी को शामिल किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह तीसरा मौका है जब कोई ऐसी पीठ गठित की गई है जिसमें सभी महिला न्यायाधीश शामिल हैं। दो न्यायाधीशों की यह पीठ वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में अदालत कर रही है। इस पीठ के समक्ष 32 मामले सूचीबद्ध हैं, जिनमें वैवाहिक विवाद से जुड़ी 10

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में राज्यसभा को संबोधित किया और उच्च सदन में उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने संसद के सभी सदस्यों के साथ-साथ देश के सभी नागरिकों की ओर से भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ को बधाई देकर अपने संबोधन की शुरुआत की। देश के उपराष्ट्रपति के प्रतिष्ठित पद पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पद अपने आप में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उपराष्ट्रपति के जन्मस्थान झुंझुनू का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले झुंझुनू के कई परिवारों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने उपराष्ट्रपति के जवानों एवं किसानों के साथ घनिष्ठ संबंध पर प्रकाश डाला और कहा, हमारे उपराष्ट्रपति एक किसान पुत्र हैं और उन्होंने एक सैनिक स्कूल में पढ़ाई की है। इस प्रकार, वह जवानों और किसानों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि संसद का सम्मानित उच्च सदन ऐसे समय में उपराष्ट्रपति का स्वागत कर रहा है जब भारत दो महत्वपूर्ण घटनाओं का



साक्षी बना है। श्री मोदी ने कहा कि भारत ने आजादी के अमृत काल में प्रवेश किया है और जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी और अध्यक्षता करने का प्रतिष्ठित अवसर भी प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत आने वाले दिनों में नए भारत के लिए विकास के एक नए युग की शुरुआत करने के अलावा दुनिया की दिशा निर्धारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, इस यात्रा में हमारे लोकतंत्र, हमारी संसद और हमारी संसदीय प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

इस तथ्य को रेखांकित करते हुए कि आज राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति के कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत हुई है, प्रधानमंत्री ने कहा कि उच्च सदन के कंधों पर निहित जिम्मेदारी आम आदमी की चिंताओं से जुड़ी है। उन्होंने कहा, भारत इस काल के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और उसका पालन करता है। प्रधानमंत्री ने यह भी इंगित किया कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के रूप में भारत का प्रतिष्ठित जनजातीय समाज इस महत्वपूर्ण मोड़ पर देश का

मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, जो एक बहुत ही हाशिए के समाज से उठे, देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचे।

इस सदन की गरिमा को बनाए रखने और उसे बढ़ाने के लिए इसके सदस्यों पर निहित जिम्मेदारियों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सदन देश की महान लोकतांत्रिक विरासत का वाहक रहा है और यही इसकी ताकत भी रही है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कई पूर्व प्रधानमंत्रियों ने एक समय राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्य किया। प्रधानमंत्री ने सदस्यों को आश्चर्य के उपराष्ट्रपति के मार्गदर्शन में यह सदन अपनी विरासत और गरिमा को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, सदन में गंभीर लोकतांत्रिक चर्चा लोकतंत्र की जननी के रूप में हमारे गौरव को और मजबूती देगी।

अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले सत्र को याद किया जहां पूर्व उपराष्ट्रपति एवं पूर्व सभापति के मुहावरे और उनकी तुकबंदियां सदस्यों के लिए खुशी एवं हंसी का स्रोत होती थीं। प्रधानमंत्री ने अंत में कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी हाजिरजाबी प्रकृति उस कमी को कभी महसूस नहीं होने देगी और आप सदन को उसका लाभ देते रहेंगे।

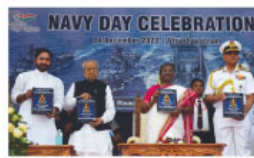
आंध्र प्रदेश के रामकृष्ण समुद्र तट पर नौसेना दिवस मनाया गया

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का मशहूर रामकृष्ण समुद्र तट नौसेना के दमखम का साक्षी बना। नौसेना दिवस पर

- पहली बार इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के बाहर हुआ।
- विशाखापत्तनम में नौसेना ने दिखाया दमखम।

बल ने अपने शक्तिशाली युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर सबको हैरान कर दिया।

सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह पहली बार है कि नौसेना ने दिवस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के बाहर हुआ है।



देश 25 वर्षों में विश्वगुरु बन जाएगा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विश्वास जताया कि देश (2047 में) आजादी का शताब्दी समारोह मनाए जाने के समय तक विश्वगुरु बन जाएगा। रामकृष्ण समुद्र तट पर नौसेना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत को महान कहा जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा से भरे हुए लोगों का देश है। चाहे संगीत, खेल

या संस्कृति का क्षेत्र हो या सेना, भारत के लोगों के पास ऐसी ऊर्जा है कि हर क्षेत्र भारत को आगे ले जाने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने की प्रशंसा
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौसेना की सराहना करते हुए कहा कि बल ने दृढ़तापूर्वक देश की रक्षा की है। नौसेना ने कठिन समय में भी अपनी मानवीय भावना से एक अलग पहचान बनाई है।

इन पोतों ने लिया हिस्सा
नौसेना के युद्धपोत मिसाइल कावर्ट आईएनएस खंजर, आईएनएस कदमल, आईएनएस किर्च, विध्वंसक आईएनएस दिल्ली, फ्रिगेट आईएनएस सहयाद्री और विध्वंसक आईएनएस कोच्चि ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। हार्क विमान और मिग 29 के आकाश से गरजे।

रूस-यूक्रेन संघर्ष

रूस के भीतर कई एयरबेस पर हमलों से खलबली

रूस के भीतर घुसकर यूक्रेन को हमला करने के लिए अमेरिका किसी तरह की मदद या बढ़ावा नहीं दे रहा है। अमेरिका के

- यूक्रेन ने रूस के सैकड़ों किलोमीटर अंतर 3 एयरबेस पर हवाई हमलों के साथ रूसी हवाई क्षेत्र में सैकड़ों किलोमीटर तक घुसकर भार करने की एक नई क्षमता को साफ तौर से दिखाया है।

विदेश विभाग ने कहा कि यूक्रेन के अपनी सीमाओं से परे जाकर हमला करने के लिए जरूरी हथियार या सज्जा-सामान अमेरिका मुहैया नहीं करा रहा है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने संवाददाताओं से कहा कि "हम यूक्रेन को उसकी सीमाओं से आगे हमला

करने के लिए समर्थ नहीं बना रहे हैं। हम यूक्रेन को अपनी सीमाओं से परे जाकर हमला करने के लिए प्रोत्साहित भी नहीं कर रहे हैं।"

नेड प्राइस ने ये भी कहा कि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि ये हमले यूक्रेन ने ही किए थे। प्राइस ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को ये हथियार मुहैया नहीं कराए हैं, जिनका इस्तेमाल रूस के भीतर हमले के लिए किया जा रहा है। उधर मॉस्को ने कहा कि उसके 2 एयरबेस पर हुए हमलों में उसके तीन सैनिकों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। इससे साफ ही दो युद्धक विमानों को भी नुकसान पहुंचा। जबकि कुरुक में एक तीसरे रूसी एयरबेस पर एक और झोन हमले में तेल डिपो में आग लग गई।

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार फिलीपीन्स में उतरे जापानी फाइटर जेट

चीन और रूस के बॉम्बर्स के पहली बार एक-दूसरे की जमीन पर उतरने के बाद अब जापान की वायुसेना ने भी शक्ति प्रदर्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान के 2 एफ-15 फाइटर जेट फिलीपीन्स के क्लार्क एयरबेस पर उतरे जहां जापानी एयरफोर्स के 60 जवान मौजूद हैं।

ज्ञात रहे कि जापान और फिलीपीन्स की वायुसेना के बीच 27 नवंबर से 11 दिसंबर तक आपसी रक्षा सहयोग का कार्यक्रम चल रहा था। इसका उद्देश्य दोनों ही सेनाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना है। फिलीपीन्स एयरफोर्स के कर्नल लिओ फोर्टानिल्ला ने कहा कि वह जापान की वायुसेना के साथ दोस्ती को आगे भी जारी रखेंगे। कर्नल लिओ ने कहा कि हम जापानी वायुसेना के साथ अपनी दोस्ती तथा भागीदारी को और बढ़ाएंगे ताकि दोनों वायुसेनाएं प्रभावी और दक्षतापूर्वक क्षेत्र में शान्ति और स्थिरता को बरकरार रख सकें।

उत्तर कोरिया ने

सैन्य अभ्यास में साइरा सीमा पर दागे सैकड़ों गोले

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से लगती साइरा सीमा के पास एक ताजा सैन्याभ्यास में अपने पूर्वी और पश्चिमी तटों से करीब 130 तोपों के गोले समुद्र में दागे। दक्षिण कोरिया ने कहा कि कुछ गोले समुद्री सीमा के पास एक बफर जोन में गिरे जो तनाव घटना के लिए 2018 में हुए अंतर-कोरियाई समझौते का उल्लंघन है।

दक्षिण कोरिया ने कहा कि हमने उत्तर कोरिया को इस गोलीबारी के संबंध में कई चेतावनी संदेश भी भेजे। उत्तर कोरिया ने इस बारे में तुरंत कोई सूचना नहीं दी, लेकिन वह सैन्य गतिविधियों की संख्या लगातार बढ़ा रहा है। इसमें युद्धक विमानों और तोपखाना यूनिटों द्वारा मिसाइल लॉन्च एवं अभ्यास कार्यक्रम भी शामिल हैं।



दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने प्रायद्वीप के मध्य में चेओरॉन काउंटी में सीमा के पास फायरिंग अभ्यास किया जो अगले दिन भी जारी रहा। बताया गया कि उत्तर कोरिया ने यह प्रतिक्रिया इसी साइरा अभ्यास की प्रतिक्रिया में दी है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, कोटों : युगल से साधारण)